ये बछर धान से सजे हावय हमर हरिभूमि

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नए साल में हरिभूमि के लिए कुछ नया करने की कोशिश को साकार किया चंद्रप्रकाश साहू ने, धान से तैयार किया मास्टहैड

2025 सबो के जिनगी म दमकय नवा सूरज

बेहतर जीवन के लिए नए साल के पांच नए संकल्प

सफलता और सुकून के बीच संतुलन आवश्यक है। आवश्यक है कामयाबी की दौड़ में ठहराव। ठहराव हमें मंथन का मौका देता है। जीवन को नए सिरे से संवारने की सीढ़ी बनता है। कामयाबी की अंधी दौड़ में हम खुद को भूल बैठे हैं। रिश्तों को सींचना, खुद को लिए वक्त निकालना, लकीर को तोड़कर अपने रचनात्मक भाव को भूल बैठे हैं। आज नव वर्ष का आरंभ है...वक्त है नए सिरे से जीवन को संभालने और संवारने का। वक्त है नए संकल्प लेने का...संकल्प जो सफलता और सुकून के बीच संतुलन लाएंगे। जिंदगी की जटिलताओं को कम करेंगे। आइए नव वर्ष पर लें यह संकल्पः-

1. **सोशल मीडिया नहीं, सोशल बनेंगे...** हर कोई मोबाइल, टेलीविजन या कंप्यूटर की स्क्रीन में कैद हो गया है। संकल्प लें, अपनों को थोड़ा वक्त देंगे।
2. **स्वास्थ्य ही सबकुछ हैः** संसार का सारा धन, सारी संपदा, बिना स्वास्थ्य के व्यर्थ है। खुद के लिए वक्त निकालें। व्यायाम करें, आहार और व्यवहार अच्छा करें।
3. **याद करें...** आपको क्या पसंद हैः याद कीजिए अपना बचपन, स्कूल-कालेज के वो दिन...जब आपको कोई खेल या कोई हॉबी बेहद पसंद थी।
4. **समय लौटकर नहीं आएगाः** सबसे बड़ा खलनायक ... आपका मोबाइल। यह जो वक्त बीत रहा है वो लौटकर नहीं आएगा। इसका सदुपयोग करने का संकल्प लें।
5. **धन और मन प्रबंधनः** डिजिटली पेमेंट होने के कारण खर्चे बढ़ रहे हैं। इससे धन प्रबंधन बिगड़ रहा है। मन को अपने नियंत्रण में रखें। मन और धन का प्रबंधन करें।

धान के जादूगर

14 वर्ष की आयु से ही धान से कलाकृतियां बना रहे चंद्रप्रकाश

खुशियों का स्टार्ट-अप...

हमारी समृद्धि का प्रतीक धान इस बछर भी छलक रहा है। प्रतीत हो रहा है, नए साल का नया सूरज इस बार खुशियों की असंख्य रश्मियों के साथ प्रकाशवान होगा। ऐसे में हरिभूमि ने भी खेत-खलिहान से उठती धान की सौंधी महक को अपने मुखपृष्ठ का हिस्सा बनाया। इस परिकल्पना को धान कलाकार चंद्रप्रकाश साहू ने अपनी जादुई कला से आकार दिया। चूंकि धान छत्तीसगढ़ में खुशियां भी बरसाता है, इसीलिए हमने नव वर्ष के स्वागत के लिए ऐसे लोगों की कहानी का चयन किया, जिन्होंने संघर्ष, सकारात्मक सोच और मेहनत से न केवल अपनी जिंदगी संवारी, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियां भरीं। एक तरह से कह सकते हैं, यह उनके लिए खुशियों का स्टार्ट अप है....। नया साल ऐसी ही सोच वाले संघर्षशील लोगों के लिए शुभ-फलित हो, ऐसी शुभकामनाएं।

धुड़मारास के बाद और 3 गांवों में खोला एडवेंचर का रास्ता

अभी बांबू राफ्टिंग से कमाई, नए साल में नोका विहार, होम स्टे और नाइट केम्पिंग कर आमदनी बढ़ाने की मंशा

बस्तरिया युवाओं का स्टार्टअप

युवाओं ने यहां बांबू राफ्टिंग के जरिए कमाई की शुरुआत करते हुए पर्यटकों को रिझाने की मुहिम छेड़ रखी है

धुरवा जनजाति की सामूहिक पहल से इस गांव की पहचान प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में होने लगी

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

ईको टूरिज्म के मामले में संयुक्त राष्ट्र संघ ने दुनिया के शीर्ष 20 गांवों में बस्तर के धुड़मारास को चुना है। इसी धुड़सारास ने तीन गांवों में पर्यटन के साथ एडवेंचर का रास्ता भी खोल दिया है। युवाओं ने यहां बांबू राफ्टिंग के जरिए कमाई की शुरुआत करते हुए पर्यटकों को रिझाने की मुहिम छेड़ रखी है। यह कोई कंपनी खोलकर स्टार्टअप शुरू करने की बात नहीं है, बल्कि बस्तरिया स्टार्टअप है, जिसमें एक दूसरे के सहयोग से खुद को संबल प्रदान करना और दूसरों में खुशियां बांटने की खूबियां समाई हुई हैं। गौरतलब है, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान स्थित धुड़मारास ईको पर्यटन की दृष्टि से कॉफी महत्वपूर्ण स्थल है। यहां की धुरवा जनजाति की सामूहिक पहल से इस गांव की पहचान प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में होने लगी है, जहां प्रदेश और देश ही नहीं बल्कि विदेश से भी पर्यटक पहुंच रहे हैं। धुड़मारास के ग्रामीणों की प्रतिबद्धता को देखते हुए अन्य जनजाति बाहुल्य गांव नेतानार, तिरिया और नागलसर के आदिवासी युवाओं ने भी लोगों को साथ लेकर पलायन रोकने के साथ-साथ सामूहिक रोजगार की पहल की है। नेतानार गांव गुण्डाधूर के नाम से जाना जाता है, जहां की पूरी आबादी धुरवा जनजाति की है। इन तीन गांवों में धुड़मारास की तरह नदी और नाले में बांबू रॉफ्टिंग को युवाओं ने कारोबार बना लिया है।

नेतानार के उयधीर नाला में बांबू राफ्टिंग

पर्यटन समिति के अध्यक्ष युवा फूलसिंह नाग ने बताया, नेतानार गांव के लगभग 45 परिवारों के साथ वे खुद भी रोमांचक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये काम कर रहे हैं। 3000 की आबादी वाली नेतानार पंचायत में 8 पारा हैं, जहां 450 परिवार रहते हैं। इनमें से बिजली पारा और गेंहूपदर के लोगों ने उयधीर नाले में बांबू राफ्टिंग शुरू किया है। यहां पर्यटन स्थल का आनंद लेने के लिये लोग परिवार के साथ पहुंच रहे हैं।

तिरिया में शबरी-गणेश बहार संगम में रोमांच

तिरिया ग्राम सभा के अध्यक्ष बैसाखू राम नाग ने बताया कि एक साल पहले 25 दिसम्बर 23 को पूरे गांव वालों ने शबरी नदी और गणेश बहार नाला के संगम में बंबू रॉफ्टिंग शुरू करने का निर्णय लिया। गांव के लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण सभी लोग खेती किसानी और वनोपज संग्रहण का कार्य व्यक्तिगत रूप से करते थे । अब अतिरिक्त आमदनी बढ़ाने और पलायन रोकने के लिये सभी ने श्रमदान कर पर्यटन को बढावा देने राफ्टिंग की शुरुआत की।

तिरिया के 64 परिवार की सहभागिता

तिरिया के युवाओं ने बताया कि आने वाले दिनों में नौका विहार और नाइट कैम्पिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। अभी 64 घर के लोग जुड़ चुके हैं और हर घर से एक पुरुष एक महिला सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। तिरिया गांव से लगा हुआ ओडिशा का क्षेत्र है इसलिये यहां वन संपदा को ओडिशा के तस्करों द्वारा नुकसान पहुंचाया जाता है।

कपड़े को बनाया वाटरप्रूफ क्योंकि गरीब महिलाएं अपने लिए नहीं जुगाड़ पाती सेनेटरी पैड

रायगढ़ की अनिता पटेल ने तैयार किया ऐसा सेनेटरी पैड जिसे धोकर 2 वर्ष तक कर सकते हैं इस्तेमाल

महिलाओं को भी सिखा रहीं इसे बनाना, जिससे वे खुद ही कर सकें कारोबार 5 लाख सालाना टर्नओवर

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

कभी-कभी रोजमर्रा की छोटी सी घटना ही जिंदगी बदल देती है। ना सिर्फ आपकी बल्कि आपके आस-पास रहने वाले लोगों की भी। ऐसी ही कुछ कहानी है रायगढ़ की रहने वाली अनिता पटेल की। बीएससी बॉटनी की डिग्री रखने वाली अनिता की पढ़ाई गांव में ही हुई। इस दौरान वह अपने साथ पढ़ने वाली लड़कियों और उनकी माताओं सहित गांव की महिलाओं को देखती थीं। उन्होंने बचपन में ही देखा कि किस तरह से महिलाएं अपनी बेटियों के लिए तो पैसे जुगाड़कर सेनेटरी पैड खरीद लेती हैं, लेकिन अपने लिए किसी पुराने कपड़े को ही इस्तेमाल में लाती हैं। कई घरों में तो आर्थिक तंगी की वजह से स्कूल जाने वाली बेटियों को भी सेनेटरी पैड नहीं मिल पाते हैं। ये बातें उनके मन को आंदोलित करने लगी और उन्होंने सकारात्मक सोच के साथ समस्या का समाधान ढूंढ निकाला। दरअसल, कुछ समय पश्चात जब अनिता को स्वयं मासिक धर्म संबंधित दिक्कतों का सामना करना पड़ा तो उनके मन में विचार आया कि क्यों ना ऐसा पैड तैयार किया जाए जो कम कीमत में आसानी से उपलब्ध हो जाए और जिसे धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। 2017 में उनके मन में यह विचार आया और 2021 में कोरोनाकाल में लॉकडाउन के दौरान इससे जुड़ा रिसर्च करना शुरू कर दिया।

पांच लेयर के कपड़े, सभी में अलग फेब्रिक

कम कीमत में उपलब्ध होने वाला यह पैड धोकर दोबार इस्तेमाल तो किया ही जा सकता है, साथ ही यह पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है। इसमें कपड़ों की पांच लेयर लगाई जाती है। सभी लेयर में अलग फेब्रिक का इस्तेमाल होता है। सबसे ऊपरी परत को प्रोसेस करते हुए वॉटरप्रूफ बनाया जाता है, लीकेज ना हो सके। इसके अलावा उन फेब्रिक का प्रयोग किया जाता है, जिसमें दाग लगने की संभावना नहीं होती है। प्राइमरी और इकोनॉमिक, दो कैटेगरी में इसे बनाया गया है। प्रायमरी पैड में कपड़ों की 5 लेयर होती है, जिसे 200 बार तक धो सकते हैं। इसकी कीमत आकार के अनुसार 150 से 200 रुपए तक है। इकोनॉमिक पैड में कपड़े की 4 लेयर होती है। इसे 70 से 80 बार तक धो सकते हैं। इसकी कीमत 50 से 90 रुपए तक है।

महिलाओं का फीडबैक देता है खुशी

अनिता के पिता आनंद पैरालाइल्ड हैं और मां शांति घर में ही एक छोटा सा फैंसी स्टोर संचालित करती हैं। छोटी बहन भूमिका ने नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की है, जबकि भाई प्रकाश उनके स्टार्टअप में रिसर्च में मदद करते हैं। बकौल अनिता, जब इसका इस्तेमाल करने वाली महिलाएं पॉजिटिव फीडबैक देती हैं तो इससे खुशी मिलती है। मैं वर्कशॉप के जरिए अन्य महिलाओं और पुरुषों को इसे बनाने का तरीका बताती हूं ताकि वे भी अपना रोजगार प्रारंभ कर सकें। कॉलेज में एक कार्यक्रम में किसी वक्ता ने कहा था, नौकरी ढूंढने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनो। यह बात घर कर गई।

धान के कटोरे छत्तीसगढ़ के सबसे लोकप्रिय अखबार हरिभूमि का मास्टरहेड नववर्ष की प्रथम तिथि पर धान से ही तैयार किया गया है। इसे हरिभूमि के लिए विशेष रूप से तैयार किया है, दुर्ग जिले के एक छोटे से गांव बोरई के रहने वाले चंद्रप्रकाश साहू ने।

जिसकी खेती कर पिता ने पाला, उसी धान ने ही बना दिया जादुई कलाकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान कलाकार चंदू के पिता तिजऊ राम साहू धान की खेती किया करते थे। कुछ माह पहले ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया। पिता तिजऊ राम साहू ने जिस धान की खेती करके पूरे परिवार को पाला, उसी धान ने चंद्रप्रकाश को धान कलाकार बना दिया। इसमें भी सबसे रोचक बात यह है कि 25 वर्षीय चंद्रप्रकाश ने कहीं भी धान कलाकारी का विधिवत प्रशिक्षण नहीं लिया है। उनका पूरा बचपन ही धान के बीच गुजरा। खेल-खेल में 13-14 वर्ष की आयु में धान से कलाकृतियां बनाने लगे। फिर इसमें ऐसा मन रमा कि इसके ही होकर रह गए। अब धान कलाकारी में ऐसी पारंगता हासिल कर ली है कि ना सिर्फ अपने और अपने परिवार की जिंदगी संवार रहे हैं, बल्कि स्कूल-कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में भी लोगों को इसे बनाने का प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

धान की ऐसी कलाकृतियां

बचपन से खुद को धान के बीच पाया, धान कलाकारी में ऐसी विशेषज्ञता कि संस्थानों को दे रहे प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्तर पर लोकनृत्य

ऐसा नहीं है कि चंद्रप्रकाश केवल धान कलाकारी ही जानते हैं, उन्होंने इंदिरा कला संगीत विवि से लोक संगीत स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है। वे राष्ट्रीय स्तर पर लोकनृत्यों की प्रस्तुति दे चुके हैं तथा यूथ फेस्टिवल में तीन बार अपने विवि का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके बाद भी उन्होंने धान कलाकारी को ही चुना ताकि धान की खेती के प्रति लोगों को जागरूक कर सकें।

किसानों का दर्द समझा और महिलाओं ने खड़ी कर ली अपनी कंपनी, अदाणी और एबीएस को भी बेचा 12 करोड़ का अनाज

गरीबी, बेकारी की जद से खुद और दूसरों को बाहर निकालने खैरागढ़- छुईखदान- गंडई जिले की महिलाओं ने एक ऐसी पटकथा लिखी, जिससे न केवल 400 से ज्यादा गांवों की करीब 15 हजार महिलाओं को सीधे रोजगार मिल रहा है, बल्कि किसानों की दलहन-तिलहन की फसल भी औने पौने दामों में कोचियो के पास नहीं पहुंच रही है। इन महिलाओं ने स्वर्ण उपज महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड का गठन किया और चार साल में ही अपना ऐसा टर्नओवर खड़ा कर लिया, जिस पर सबको नाज हो।

सचिन अग्रहरि ▶▶| राजनांदगांव

कंपनी ने चार साल में अदाणी और एबीस ग्रुप जैसी कंपनियों को करीब 12 करोड़ का उत्पाद बेचा है। खैरागढ़- छुईखदान- गंडई जिले के साथ कवर्धा के सहसपुर लोहारा के किसान लंबे अरसे से सोयाबीन और चने की खेती कर रहे हैं। फसल के तैयार होने के बाद किसानों की उपज को कोचिए औने पौने पर खरीद लेते थे, जिससे किसानों को उपज का वास्तविक दाम नहीं मिल रहा था। किसानों की इस पीड़ा को दूर करने के लिए इस इलाके की महिला स्व सहायता समूह ने एकजुट होकर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की मदद से एक नया कीर्तिमान रच दिया है। महिलाओं ने पहले 430 गांवों में गठित महिला स्व सहायता समूहों की बैठकें की और फिर उन्हें जोड़कर 2020 में स्वर्ण उपज महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड का गठन किया, जिसमें खैरागढ़, छुईखदान और सहसपुर लोहारा विकासखंड की 15 गरीब महिलाओं को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल किया गया। महिलाओं ने स्थापना के पीछे यही उद्देश्य रखा कि किसानों की सोयाबीन, चना और दलहन आदि फसलों को समर्थन मूल्य के दामों में खरीदकर इसकी बिक्री कंपनी द्वारा बाजार में की जाएगी।

किसानों को कोचियों से बचाने अनोखी पहल, रचा कीर्तिमान

430 गांवों की करीब 15 हजार महिलाएं जुड़कर काम कर रही

सोयाबीन एवं चना की खेती करने वाले स्व सहायता समूह सदस्यों को इसका शेयरधारक बनाने का लक्ष्य रखा। इस बीच कोविड की त्रासदी के चलते शुरुआती दिनों में ही कंपनी अपना काम शुरू नहीं कर सकी लेकिन सन 2022 में महिलाओं ने एक बार फिर कड़ी मेहनत कर इस कंपनी को खड़ा किया। पिछले दो सालों में कंपनी से 430 गांवों की करीब 15 हजार महिलाएं जुड़कर काम कर रही हैं।

ड्रोन दीदी भी....

महिलाओं द्वारा गठित इस कंपनी द्वारा किसानों को उचित दाम पर बीज, उवर्रक, जैविक कीटनाशक भी प्रदाय किया जाता है। कीटनाशक छिड़काव के लिए ड्रोन दीदी की मदद ली जाती है।

नवा सूरज नवा पहल

कंपनी के कारण क्षेत्र में धान की खेती की बजाय किसानों ने सोयाबीन और चने की खेती में इजाफा किया है। उत्पादन की अधिकता को देखते हुए कंपनी ने अब राजनांदगांव जिले के सुकुलदैहान ग्राम पंचायत में 40 मीट्रिक टन का प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस केंद्र में प्रसंस्करण कर शुद्ध चना, चना दाल एवं बेसन बनाया जाएगा। यहां पैकेजिंग और ब्रांडिंग भी की जाएगी। किसानों की उपज को खरीदने के लिए स्वर्ण उपज कंपनी ने तीनों विकासखंड के हर पांच गांवों के बीच एक- एक संग्रहण केंद्र स्थापित किया है। कंपनी ने पहले कृषि एवं पशु सखियों का चयन किया और उनके घर पर सर्वसुविधा युक्त डिजिटल किसान उत्पाद संग्रहण केंद्र स्थापित किया।

पेज डिजाइन एवं लेआउट : अशोक कुमार साहू, गोपीचंद जायसवाल, जगमोहन निषाद

स्वागत नववर्ष

10 हजार महिलाओं को 'रोजगार' से जोड़ा

मधुरिमा राजपाल ⏭ भोपाल

पैड्स बनाने की मशीन और पैड्स की मैन्युफैक्चरिंग करने की कंपनी 'राग इनोवेशंस' के फाउंडर विराग और अनुराग बोहरे का कहना है कि हमने गांव की हजारों महिलाओं का माहवारी के दिनों में घास व राख के प्रयोग को छुड़वा दिया। विराग और अनुराग बोहरे ग्वालियर से 90 किलोमीटर दूर भिंड के मनेपुरा गांव निवासी हैं। विराग कहते हैं कि हम दोनों भाई 2012 में जयपुर के कॉलेज ट्रेड फेयर में सोलर पैनल लगाने की ट्रेनिंग के लिए गए, इसी दौरान हमें सैनिटरी पैड्स बनाने की मशीन देखी जिसके लिए वहां बैठी एक महिला ने कहा- इस मशीन से तैयार होना वाला पैड चौकोर होने के कारण कंफर्टेबल नहीं है। विंग्स यानी पंख वाले सैनिटरी पैड्स ज्यादा अच्छे होते हैं, जो इसमें नहीं बनते। उनके चेहरे पर एक मायूसी थी, जिसने हमें अंदर तक झकझोर दिया। विराग ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के दर्द को सुना तो लगा कि हमें गांव-गांव तक पैड्स पहुंचाने का काम शुरू करना चाहिए। अनुराग कहते हैं कि शुरूआती दिनों में पैड्स में इस्तेमाल होने वाली चीजों को ज्यादा क्वांटिटी में खरीदना, मंगवाना और प्रोडक्ट तैयार कर मार्केट में बेचना संभव नहीं था। क्योंकि मैं जॉब करता था तो सेविंग के मात्र दस हजार के करीब थे वहीं विराग ने कहा कि मैंने गेट क्लीयर किया था जो मुझे स्कॉलरशिप के बारह हजार मिलते थे, जो हमनें इन पैसों से मात्र ही 25 हजार रुपए से अपना स्टार्टअप शुरु किया। विराग ने कहा कि मैंने करीब 8 हजार रुपए में एक मशीन बनाई, रॉ मटेरियल मंगवाया और भोपाल में पैड बनाकर बेचना शुरू किया। करीब एक साल तक लागत निकाल पाना भी मुश्किल था। कोई महिला हमसे न तो पैड लेना चाह रही थी और न ही वो बात करना चाहती थीं, क्योंकि हम पुरुष हैं। हमने करीब 10 हजार महिलाओं को रोजगार से जोड़ा।

पैड्स बनाने की मशीन और पैड्स की मैन्युफैक्चरिंग करने की कंपनी 'राग इनोवेशंस' के फाउंडर विराग और अनुराग बोहरे ने बदली कई परिवारों की जिदंगी

अल्ट्रा थिन पैड की मार्केट कीमत 9 रुपए प्रति पैड, हम बनाते हैं 2 रुपए प्रति पैड

विराग ने कहा कि जो मार्केट में मिलने वाले अल्ट्रा थिन एक्सट्रा लार्ज पैड की कीमत 9 रुपए प्रति पैड होती है वहीं पैड हमारी मशीन 2 रुपए प्रति पैड की दर से बनाती है। उन्होंने कहा कि हमारी कंपनी में मशीन की कीमत ढाई लाख प्रति मशीन (रॉ मटेरियल सहित) आती हैं। मशीन के संचालन से 50 लोगों को रोजगार मिलता है साथ ही मार्केटिंग वालों की अलग कमाई होती है। इसके लिए हम दो दिनों के लिए महिलाओं को ट्रेनिंग भी देते हैं कि केसे पैड बनाना है। अपनी जर्नी के बारे में विराग ने बताया कि पैड के पीछे एक थिन पेपर चिपका होता है, हमें वो मिल नहीं रहा था, तब एक हम एक शादी में गए वहां हमने बुफे टेबल के ऊपर वेटर को एक पेपर चिपकाते हुए देखा तो हमारी यह समस्या भी दूर हो गई।

मप्र, महाराष्ट्र, बिहार, ओडिशा, दिल्ली, पंजाब तमिलनाडु का साथ कश्मीर भी जा रहा सामान

सही मायने में यही निर्भरता के साथ स्टार्टअप है महिला सशक्तीकरण का उदाहरण भी

55 महिलाएं, 17 राज्यों में कारोबार, इनके बनाए आचार, देशी हल्दी, सत्तू की डिमांड

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

लोरमी, गनियारी, कोटा की 55 महिलाओं ने 2 दो साल पहले साथ मिलकर एक समूह बनाया, इसे संगम नाम दिया गया। उद्देश्य था गांव की खेती-किसानी और इसकी उपज को गांव से जोड़कर रखना। अब इनके द्वारा बनाए गए आचार, देशी हल्दी, कोदो कुटकी, सत्तू, मक्का के साथ सेनेटरी नैपकिन की मांग देश भर के 17 राज्यों में फैल चुकी है। हर महीने इन राज्यों से आर्डर आता है और यह महिलाएं इन सामानों की पैकेजिंग करके वहां इंडिया पोस्ट के माध्यम से सप्लाई करती हैं। इसके लिए आठ यूनिट स्थापित की गई है। जिला खनिज न्यास के साथ ही गनियारी के जन स्वास्थ्य केंद्र और कुछ संस्थाओं से इन्हें सहयोग मिला है और फिलहाल यह महिलाएं सही मायने में आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। देखा जाए तो सही मायने में यही स्टार्टअप है और महिला सशक्तीकरण का उदाहरण भी। महिलाओं को बाजार मूल्य से 10% अधिक की कीमत भी मिल रही है।

गनियारी में एक गरिमा मार्ट नाम से एक सेंटर है। गरिमा मतलब ग्रामीण आत्मनिर्भर रोजगारी मंच। इसकी मातृत्व संस्था संगम महिला स्वास्थ्य सहायता समूह है। समूह में सभी महिलाएं हैं और इनका मार्गदर्शन गनियारी स्वास्थ्य केंद्र से जुड़े अनिल बामने करते हैं। वह बताते हैं कि रासायनिक खाद्य से उपार्जित खाद्यान्न सामग्री से काफी नुकसान हो रहा है इसलिए जैविक खेती पर ध्यान दिया जा रहा है। क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति को देखते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कुछ योजनाएं चलाईं गईं। महिलाओं ने भी इसमें दिन-रात मेहनत किया और आज वे एक मुकाम पर खड़ी है जहां देश भर में उनका नाम चल रहा है। इस समूह में 55 महिलाएं रजिस्टर्ड हैं तो 800 से अधिक महिलाएं इनसे जुड़कर काम कर रही हैं। यह महिलाएं समान उत्पादन के साथ ही इसकी प्रोसेसिंग और पैकेजिंग भी कर रही हैं।

सेनेटरी नैपकिन की देश भर में मांग

22 प्रकार के उत्पाद, पैकेजिंग के लिए लगाई बड़ी यूनिट

दूसरी यूनिट सत्तू की लगाई गई है। इसमें 1000 बच्चों के लिए हर महीने सत्तू बनाया जाता है और इसे आसपास के क्षेत्र के साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सप्लाई किया जा रहा है। मिलेट्स के लिए छत्तीसगढ़ की सबसे छोटी यूनिट गनियारी में स्थापित की गई है। चौथी यूनिट मक्का रागी की बिस्कुट के लिए स्थापित है। इसकी बाजार में काफी मांग है। खास बात है कि इसमें किसी प्रकार का वनस्पति तेल का उपयोग नहीं होता है। इसके अलावा हल्दी की यूनिट अलग लगाई गई है जिसमें बिना केमिकल की देसी हल्दी उत्पादित हो रही है। मिलेट्स की बिस्कुट के लिए अचानकमार के गांव में एक अलग यूनिट स्थापित हुई है जिसका उद्घाटन कुछ दिनों पहले डिप्टी सीएम अरुण साव ने किया था। सरसों तेल के लिए अलग से यूनिट स्थापित की जा रही है। इसके साथ ही आचार, फिनायल और 22 प्रकार के प्रोडक्ट के लिए के पैकेजिंग के लिए अलग से यूनिट स्थापित की गई है। जहां इन उत्पादित सामानों की पैकेजिंग करके बाजार में बिक्री के लिए भेजा जाता है।

वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया है आर्डर वालों को

समूह में शामिल राजकुमारी ध्रुवे, यशोदा टोप्पो, शिवकुमारी पटेल, संतोषी टोप्पो, रामप्यारी टोप्पो, गायत्री ध्रुवे, गणेशिया उरांव और बासंती पटेल बताती हैं कि उन्होंने सामान सप्लाई के लिए एक वाट्सग्रुप बनाया है। इसमें कई राज्यों के डीलरों के साथ ही स्थानीय लोगों के नंबर शामिल हैं। जैसे ही आर्डर वाट्सएप ग्रुप में आता है, उस सामान की पैकेजिंग शुरू कर दी जाती है। कोशिश होती है कि स्थानीय स्तर पर दो दिन में और दूसरे राज्यों के लिए पांच दिन डिलीवरी तैयार कर ली जाए। इसकी बुकिंग और डिलीवरी गनियारी स्थित इंडिया पोस्ट के माध्यम से की जाती है। इन सामानों की सप्लाई मप्र, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, ओड़ीसा, दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, तमिलनाडू, उत्तरप्रदेश, आसाम, जम्मू कश्मीर में होती है।

एक अकेली महिला ने बिजावर व बड़ा मलेहरा के करीब 65 गांवों की महिलाओं को जोड़ दिया

बुंदेलखंड की महिलाओं का जीरो बजट वाला स्टार्ट अप 'हरी सब्जी'

पूरे परिवार को पोषण मिलने के साथ अब महिलाओं को अतिरिक्त आय होने लगी

रूबी सरकार ⏭ भोपाल

किसी की सफलता में ऐसा क्या है जो दूसरों के लिए प्रेरणादायक बन सके। यह छतरपुर जिले के बिजावर विकासखंड की रहने वाली कल्पना चौरसिया के काम से सीखा जा सकता है। कल्पना एक ऐसी ही महिला हैं , जिन्होंने एमए की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने व आस- पास के गांवों की महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने के लिए काम शुरू किया और आज दर्जनों गांव की महिलाएं उनसे प्रेरित होकर सब्जी उगाकर अच्छा पैसा कमा रही हैं। कल्पना छतरपुर के एक छोटे से गांव पनागर के एक गरीब परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता चंद्रशेखर एक मजदूर थे और मां पार्वती चौरसिया घर पर कपड़ा सिलने का काम करती हैं। कल्पना खूब पढ़ना चाहती थी। अपनी प्रबल इच्छा के चलते उन्होंने 15 साल की उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। अपनी मेहनत की कमाई से उसने एमए तक की पढ़ाई पूरी की । उसके बाद नौकरी तलाशने के बजाए उन्होंने बिना बजट के स्टार्ट अप शुरू कर गांव की महिलाओं का जीवन स्तर सुधारने के बारे में सोचने लगी। इसी सोच के साथ उन्होंने समुदाय की महिलाओं को अपने घर के आंगन में सब्जी उगाने के लिए प्रेरित किया। सब्जी के लिए कल्पना ने खुद महिलाओं को बीज उपलब्ध कराने लगी।

आत्मविश्वास बढ़ने से सब्जी से अनाज की खेती करने पर आ गईं महिलाएं

महिला समूह जब सब्जी उगाने और हाट में ले जाकर उसे बेचने में पारंगत हो गईं तो वे अपनी बचत पूंजी से अनाज की खेती की बढ़ीं। कल्पना ने इन महिलाओं को बैंक लिंकेज करवाया और अब उन्हें लोन भी मिलने लगा। रंगोली गांव की कुरावाई बताती हैं कि बुंदेलखंड में बेर बहुत होता है। वे बेर से एनर्जी ड्रिंक बनाने की तैयारी कर रही हैं। कल्पना ने तमाम सरकारी योजनाओं से महिलाओं को जोड़ा। उनके प्रयास से कई महिलाएं पंचायत में सरपंच व सदस्य बनीं।

बिलासपुर के डेनिल ने दोस्तों के साथ मिलकर बनाया स्टार्टअप 'गैलेक्सी आई'

बादलों के आर-पार और रात में भी कहीं से भी तस्वीर उपलब्ध कराएगी कंपनी

प्रधानमंत्री मोदी ने भी सराहा स्पेसएक्स के एलन मस्क भी कर चुके हैं सिलेक्ट

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

बिलासपुर के डेनिल चावड़ा ने एक ऐसा स्र्टाटअप बनाया है जो कि स्पेस में आधुनिक किस्म की सैटेलाइट भेजकर बादलों के आर-पार और रात में भी देश के किसी भी कोने की तस्वीर पूरे डेटा के साथ उपलब्ध कराएगी। इसे रक्षा और कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम के तौर पर देखा जा रहा है। कंपनियों को डाटा उपलब्ध कराने के लिए अनुबंध भी किया जा चुका है। डेनिल ने बताया कि उनके साथ मिलकर मद्रास आईआईटी के पांच छात्रों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में स्टार्ट अप लांच किया है। इस कंपनी को स्पेस एक्स के संस्थापक एलन मस्क की कंपनी भी चयन कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाली इस स्टार्ट-अप कंपनी गैलेक्स आई साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के इन छात्रों से बात की है। डेनिल चावड़ा इस कंपनी में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर हैं। डेनिल चावड़ा फिलहाल बैंगलोर में है और इस बड़े क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस स्टार्टअप 'गैलेक्स आई' स्पेस में आधुनिक किस्म की सैटेलाइट भेजकर बादलों के आर-पार और रात में भी देश के किसी भी कोने की तस्वीर पूरे डेटा के साथ उपलब्ध कराएगी। मन की बात कार्यक्रम में उन्होंने पीएम मोदी को भी अपना प्रेजेन्टेशन दिया है। डेनिल चावड़ा बिलासपुर के भारतीय नगर में रहते हैं। उन्होंने सेंट फ्रांसीस स्कूल से पढ़ाई करने के बाद भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीई किया है। इसके बाद मास्टर ऑफ साइंस एरो स्पेस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसी दौरान मद्रास आईआईटी में उनका सलेक्शन हो गया है।

शुरू से थी अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने की तमन्ना

चार साल पहले बनाई पढ़ाई के बाद करीब दो साल तक प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने के बाद आईआईटी मद्रास के दोस्तों के साथ तीन साल पहले एक डीप-टेक स्पेस स्टार्ट-अप गैलेक्स आई स्पेस सॉल्यूशन की स्थापना की। डेनिल के पिता भूपेश चावड़ा सिरगिट्टी के इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित जय दुर्गा एग्रो कंपनी में जीएम के पद पर कार्यरत हैं। उनकी मां शर्मिला चावड़ा गृहिणी हैं। डेनिल ने बताया कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने की उनकी शुरू से रुचि रही है। यही वजह है कि साल 2020 में अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाली स्टार्ट-अप कंपनी की नींव रखी।

पूरे एशिया से सिर्फ इसी स्टार्टअप का चयन

डेनिल ने बताया कि स्पेस के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी स्पेस एक्स के संस्थापक एलन मस्क ने हाईपलूप प्रोजेक्ट लाया था। इसमें अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रोजेक्ट में पूरे एशिया से उनके स्टार्टअप गैलेक्सी आई का चयन किया गया था। इसके बाद उन्होंने अमेरिका में अपना डेमोंस्ट्रेशन दिया।डेनिल ने बताया कि उनकी कंपनी में 5 संस्थापक सदस्य हैं। इसमें सीईओ नागपुर के सुयश सिंह हैं। वहीं डेनिल चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर हैं। उनके अलावा प्रनीत मेहता, रक्षित और किशन ठक्कर भी शामिल हैं। डेनिल ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी कंपनी का प्रेजेंटेशन दिया है। इस दौरान टीम के सदस्यों ने कंपनी के उद्देश्यों और अंतरिक्ष पर स्टार्टअप की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि आईआईटी मद्रास के हम पांच छात्रों ने स्पेस स्टार्टअप पर एक प्रेजेंटेशन तैयार किया, प्रेजेंटेशन में उन्होंने अंतरिक्ष उद्योग में मौजूदा चुनौतियों और स्पेस स्टार्टअप को विस्तार से बताया।

एमबीए पास महिला किसान...4 साल में सौ महिलाओं को जोड़ा, टर्नओवर डेढ़ करोड़

चरमुड़िया गांव की स्मारिका चंद्राकर ने खेती में नई तकनीक अपनाकर दिखाई औरों को राह

यशवंत गंजीर ▶▶| कुरुद

धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड के छोटे से गांव चरमुड़िया की रहने वाली स्मारिका चंद्राकर को खेती से इतना लगाव है कि उसने एमबीए और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद भी खेती को नया स्वरूप देकर रोजगार का जरिया बना लिया। अपने साथ-साथ आसपास के गांवों की 100 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार का जरिया दिलाने वाली स्मारिका कई लोगों के लिए मिसाल बनी हुई हैं। वे अब निजी कंपनी की सीईओ नहीं, बल्कि गांव की एक हाईटेक महिला किसान हैं, जो आधुनिक खेती के जरिए सालाना डेढ़ से 2 करोड़ का टर्नओवर ले रही हैं। उनकी मंशा है कि ग्रेडिंग मशीन से टमाटर फसल की छंटाई हो, खेतों में मैनुअल तरीके से खाद के छिड़काव की जगह ट्रैक्टर के माध्यम से किया जाए। हरिभूमि से बातचीत में एमबीए पास महिला कृषक स्मारिका चंद्राकर ने बताया कि उनके पिता दुर्गेश कुमार चंद्राकर के पास पुश्तैनी खेती की जमीन है। पिता की तबीयत खराब होने की वजह से विरासत में मिली पुरखों की खेती संभालना बड़ा काम था, पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। पहले पिता का सहारा बनीं, फिर खेती के कामकाज को जानना, समझना शुरू किया।

खेतों की सुरक्षा के लिए चारों तरफ से फेंसिंग कराई

19 एकड़ खेतों की सुरक्षा के लिए चारों तरफ से फेंसिंग कराई, इसे धारा कृषि फॉर्म का नाम दिया है, जो पूरी प्लानिंग के साथ तैयार की गई है। स्मारिका ने परंपरागत धान की फसल छोड़ सब्जी की खेती शुरू की। इसके लिए पिता और दादा के अलावा फार्मिंग एक्सपर्ट्स की मदद ली। मिट्टी परीक्षण कराने के बाद उचित फसल और बीजों का चुनाव करने वाली महिला कृषक ने अपने खेतों में सिंचाई के लिए ड्रिप सिस्टम लगवाया है, ताकि पानी की बचत हो सके। साथ ही मल्चिंग पेपर और बांस के स्टेकिंग कर टमाटर की खेती में मनचाहा उत्पादन लिया है।

कई राज्यों में टमाटर और बैंगन की सप्लाई

स्मारिका के धारा कृषि फार्म से रोजाना करीब 12 टन टमाटर और करीब 8 से 9 टन बैंगन की बड़ी खेप निकलती है, जिसे लोकल मंडी के साथ आंध्रप्रदेश, बिहार, झारखंड, कोलकाता, दिल्ली, गोरखपुर, बनारस, हैदराबाद भेजा जाता है। इतने बड़े पैमाने पर फसल को सही समय पर मंडी तक पहुंचाना और ज्यादा से ज्यादा कीमत निकालना एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए भी स्मारिका सूझबूझ का इस्तेमाल करती है। इंजीनियर से किसान बनीं स्मारिका ने साबित कर दिया कि सही प्लानिंग और कड़ी मेहनत से कोई भी काम मुश्किल नहीं है। स्मारिका ने बताया कि खेती में ही आगे और बहुत कुछ करने का इरादा है।

स्टार्टअप ने बदली कुलदीप की जिंदगी मिलेट्स को बनाया रोजगार का जरिया

किसानों को मिलेट्स की खेती के लिए कर रहे प्रोत्साहित, औरों को भी मिल रही प्रेरणा

मिलेट्स ने सुधारी आर्थिक सेहत कमाई हर साल दो करोड़

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

रायगढ़ जिले के एक छोटे-से गांव परसाडीह के युवा कुलदीप पटेल ने मिलेट्स को रोजगार का जरिया बनाया। कुलदीप ने साधारण किसान परिवार से होने के बावजूद कृषि क्षेत्र में अच्छी पढ़ाई करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से शस्य विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की है। डिग्री पाने के बाद वह कुछ ऐसा करना चाहता था, जिससे उसकी और उसके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ-साथ किसानों तथा औरों को भी स्वावलंबन की प्रेरणा मिल सके। कुलदीप ने इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए कृषि क्षेत्र में मिलेट्स की खेती, व्यापार पर अपना ध्यान केंद्रित किया और राष्ट्रीय कृषि कल्याण विकास योजना की मदद से एग्रो मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स कंपनी शुरू की। इस कंपनी से अब कई जिलों के किसानों को सशक्त बनाने के साथ आय कमाने का नया जरिया दिया है, वहीं कई बेरोजगारों को इससे रोजगार भी मिला है।

18 बेरोजगारों को मिला रोजगार

दादा से मिली प्रेरणा

कुलदीप ने बताया कि मिलेट्स का बाजार खड़ा करने के लिए उसे उसके दादा स्व. लोचन प्रसाद पटेल से प्रेरणा मिली। उसके दादा कृषि विभाग में पदस्थ थे, वहीं उसके पिता रामकुमार पटेल खेती-किसानी करते हैं, लेकिन दादा अक्सर कृषि क्षेत्र में मिलेट्स की खेती के फायदों को लेकर बात करते थे। वे चाहते थे कि उसका बेटा रामकुमार भी मिलेट्स की खेती करे। दादा की इस बात को उसने गांठ बांध लिया था और कृषि क्षेत्र में डिप्लोमा हासिल कर उसने मिलेट्स बाजार को कारोबार के लिए चुना।

5 लाख की ग्रांट ने दी कंपनी को नई दिशा

कुलदीप को फसल बाजार को कंपनी में बदलने में काफी मेहनत करनी पड़ी। एक साल तक कुलदीप मिलेट्स बाजार को बढ़ाने के लिए किसानों से लगातार संपर्क करते रहे और इसके फायदों के बारे में उन्हें जानकारी दी, लेकिन फसल बाजार को कंपनी का रूप देने तथा प्लेटफार्म बनाने के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता थी, जो वर्ष 2019 में कृषि मंत्रालय और पूर्व कल्याण विभाग से आरकेवीवाय रफ्तार के तहत 5 लाख रुपए की ग्रांट से मिली।

उधार के पैसों से 2018 में फसल बाजार की शुरुआत

कुलदीप ने 2018 में मिलेट्स फसल बाजार की शुरुआत की। उसका उद्देश्य था कि ग्रामीणों को उनकी फसल का पूरा मूल्य मिले और उपभोक्ताओं को भी शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिले। गांव में अक्सर बिचौलिए किसानों की उपज का सारा लाभ ले जाते हैं। उपज को बेचकर भी कई बार किसानों को नुकसान उठाना पड़ता था। फसल बाजार शुरू करने के पीछे उसका उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाने के साथ उनकी मेहनत का सही मूल्य दिलाना है।

5 साल में कंपनी का टर्नओवर 2 करोड़ से ज्यादा

कुलदीप की कंपनी को 6 साल हो चुके हैं। इन बरसों में कंपनी ने मिलेट्स के व्यापार में जमकर इजाफा किया है। कंपनी के शुरुआ1ती वर्ष में मिलेट्स की खेती बहुत कम किसान कर रहे थे, जिसके कारण किसान केंद्रों की संख्या भी कम थी। अब पांच साल में कंपनी के साथ 70 हजार से ज्यादा किसान जुड़ चुके हैं, जो मिलेट्स की खेती भी कर रहे हैं। इनमें से 48 किसानों ने किसान केंद्र भी खोल रखे हैं, जहां किसानों को मिलेट्स की जानकारी और सलाह दी जाती है। कंपनी से अब 3 सौ स्वसहायता समूह भी जुड़े हैं, जो घरेलू खाद्य उत्पाद और मिलेट्स उत्पाद बनाते हैं। इस तरह प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिलेट्स की कई दुकानें खुल चुकी हैं, इनमें से दो कुलदीप की निजी दुकानें हैं, शेष सहायक दुकानें है, जिसमें कुलदीप की कंपनी के ब्रांड लगे मिलेट्स के प्रोडक्ट की बिक्री होती है। इस तरह कंपनी का टर्नओवर 2 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है।

इंदौर के एक साधारण युवक ने कर डाला असाधारण काम

देश के साढ़े 4 लाख से अधिक ब्लड डोनर एक प्लेटफॉर्म पर जमा किए, कइयों का बचाया जीवन

-हर दिन 50 से ज्यादा मरीजों को ब्लड उपलब्ध करा रहे

आनंद सक्सेना ▶▶| भोपाल

जो काम आईआईएम जैसे संस्थान नहीं कर सके, करोड़ों का दान लेनेवाले नहीं कर सके, वह इंदौर के एक साधारण से, लेकिन असाधारण युवक ने कर दिखाया। लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करनेवाले अशोक नायक ने अपने उद्यम से देश का पहला निःशुल्क ब्लड कॉल सेंटर खड़ा कर दिया है। उनकी प्रेरणा और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से वे अब तक देश भर में 3 लाख 50 हज़ार से ज्यादा जरूरतमंद लोगों को ब्लड उपलब्ध करवा चुके हैं। उनके नेटवर्क में देश के 4 लाख 50 हज़ार से ज्यादा रजिस्टर्ड डोनर हैं। देश में कहीं भी, किसी भी शहर में किसी को खून की ज़रूरत हो तो वे उपलब्ध करवा सकते हैं। वे हर दिन 50 से ज्यादा मरीजों को ब्लड उपलब्ध करा रहे हैं। दुःख की बात यह है कि मरीज के परिजन खुद रक्तदान करने नहीं चाहते और चाहते हैं कि कोई और आकर रक्तदान करे। रक्तदान दिवस हर 14 जून को मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1868 में इम्यूनोलॉजिस्ट कार्ल लैंडस्टीनर का जन्म हुआ था, जिन्होंने खोज की थी कि सब खून समान नहीं हैं। उन्होंने ही खून के ग्रुप के बारे में बताया था। उनके ही कारण एक इंसान के खून का दूसरे इंसान में ट्रांसफ्यूजन संभव हो सका।

रक्तदान से कैंसर व ह्दय रोग का खतरा कम

नायक के प्रयासों से रक्तदान के क्षेत्र चेतना आई। उन्होंने रक्तदान के फायदे बताए कि रक्तदान से हृदय रोग का खतरा कम होता है। इससे कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा कम हो सकता है, शरीर में आयरन की अधिकता से होने वाली समस्याओं से बचाव होता है और शरीर में नई कोशिकाओं के निर्माण के साथ ही वजन कम करने में मदद मिल सकती है। रक्तदान करनेवाले को मानसिक रूप से अच्छा महसूस होता है। यह भाव जागता है कि आप किसी की जान बचा सकते हैं। 18 साल से बड़ा 45 किलो से ज्यादा वज़नवाला कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। एक यूनिट ब्लड से 3 लोगों की जान बच सकती है। अशोक नायक के पिता टेलरिंग का कार्य करते थे। वे खुद भी कुछ अरसे तक यह कार्य कर चुके हैं।

भिलाई के तीन युवकों ने अपना खुद का स्टार्टअप शुरू कर सैकड़ों युवाओं को रोजगार से जोड़ा

जिम की एक मशीन ने बदला जीवन , मुंबई, दिल्ली बेंगलुरु में कारोबार, सालाना 8 करोड़ की आमदनी

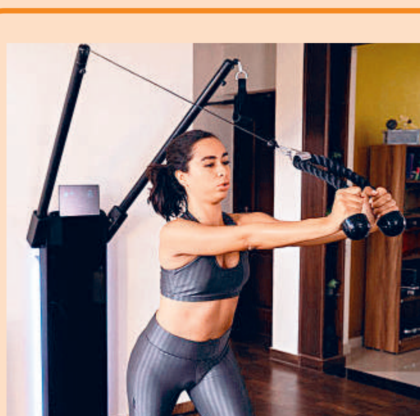

वॉल माउंटेन होम जिम ऐसे तैयार

एरोलिप के फांउडर अमन राय, रोहित पटेल और अनुराग दानी बताते हैं कि यह जिम मशीन एक वॉल माउंटेन होम जिम है। जिस पर स्कॉट्स, डेडफिट, बेंच प्रेस सहित अन्य चीजें कर सकते हैं जो जिम में करते हैं। स्लीम बिल्ड और प्लेटनेटेड डिजीटल वेट्स टेक्नोलॉजी है। इससे आसानी से वेट सेट कर सकते हैं। इसमें एक मोटर का इस्तेमाल हुआ है जिससे वेट जनरेट करते हैं। यदि हाई लोड पर एक्सरसाईज करते हैं जो हेड एंज्यूरी के चांस नही है।

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

आजकल फिटनेस का जमाना है और हर कोई फिट रहना चाहता है लेकिन इसके लिए समय निकालकर जिम जाने की जरूरत पड़ती है। भिलाई के तीन आईआईटीयन छात्रों ने मिलकर ऐसी फिटनेश मशीन बनाई है जिसके लिए जिम जाने की जरूरत नहीं है। एक ही मशीन में इतने वेरीयेशन है कि अलग-अलग उपकरणों की जरूरत नहीं पड़ती। आधुनिक दौर में घर पर ही जिम सेटअप कर सकते हैं। यह जगह भी नहीं घेरती। ये युवा हैं अमन राय, रोहित पटेल और अनुराग दानी। इन युवाओं ने आईआईटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद एरोलिप नाम से जिम मशीन बनाई।

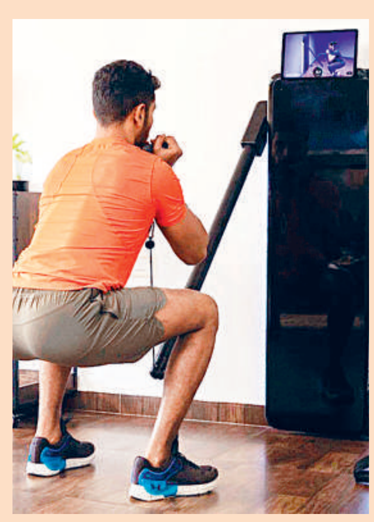

इस तरह आया आइडिया

आने वाले तीन साल में एक लाख घरों तक एरोलिप जिम पहुंचाने का टारगेट इन युवाओं ने रखा है। इसकी कीमत 1.6 लाख प्लस जीएसटी हैद्ध वे बताते हैं कि जब रिसर्च किया तो हमने देखा कि घर पर यदि कुछ भी फिटनेस सेटअप करना है तो एक बड़ा रूम लगता है। इक्यूपमेंट्स लगते हैं। एक आइडिया आया कि अगर हम फिजिकल प्लेट को एक छोटे से मोटर में कंवर्ट कर दें। मोटर से रजिस्टेंश जनरेट करें तो काफी छोटे फार्म फैक्टर में एक बहुत अच्छी मशीन बनाई जा सकती है। होम जिम मशीन के साथ रोप, एंकल स्ट्रेप, बारबेल, फ्लैट बेंच देते हैं। 75 किलोग्राम तक वेट इंगेज कर सकते हैं। जैसे-जैसे एक्सरसाइज करते जाएंगे वैसे मशीन में इसकी जानकारी भी मिलती जाएगी।

एक साल में टर्न ओवर हुआ दोगुना

वर्ष 2020 से वर्ष 2022 तक जिम मशीन का निर्माण में लग गए। वर्ष 2023 में इसका कारोबार इन युवाओं ने स्टार्ट किया। 80 मशीनें पहले लगी और केवल सालभर में अब तक 550 मशीनें लगा चुके हैं। पिछले साल साढ़े तीन करोड़ रुपए टर्न ओवर था जो एक साल में ही बढ़कर 8 करोड़ तक पहुंच गया। आने वाले साल में 20 करोड़ टर्न ओवर का टारगेट रखा है। वर्तमान में मशीन के निर्माण में सैकड़ों और युवा जुड़कर स्वरोजगार पा रहे हैं।

अमिताभ, मौनी राय सहित वालीवुड तक डिमांड

होम जिम मशीन की डिमांड सबसे ज्यादा मुंबई, दिल्ली, बेंगलोर जैसे महानगरों में बढ़ी है। अमन राय बताते हैं कि अमिताभ बच्चन के वैनिटी वेन में एरोलिप का जिम मशीन हमने लगाया है। अभिनेत्री मौनी राय, उड़ान स्टार्ट अप के फांउडर अमोद मालवे सहित साउथ फिल्म प्रोडयूसर बाहुबली के यहां भी मशीने लगाई है। आने वाले दिनों में आर्मी स्पोर्ट्स, ओलंपिक एथलीट को मदद करने के लिए हमारा फोकस है।

स्वागत नववर्ष

नए साल को शुभ बनाने के लिए दुनियाभर में अलग-अलग तरीके और टोटके

नए साल को लेकर दुनियाभर के अलग-अलग देशों में अपनी परंपराएं हैं। सौभाग्य और समृद्धि के लिए लोग अलग-अलग काम करते हैं। इनमें से कुछ तो इतनी अजीबोगरीब हैं कि इनकी शुरुआत के बारे में हम सोच ही नहीं पाते। हर कोई चाहता है कि नए साल में आपकी पुरानी चुनौतियां खत्म हो जाएं और नई खुशियां आएं। लिहाजा इस वर्ष भी नए साल को शुभ बनाने के लिए लोग अलग-अलग तरीके के टोटके अपनाए।

इस देश में मनाया सबसे पहले

ओशिनिया दुनिया का वह स्थान है जहां सबसे पहले नया साल मनाया जाता है। इसके अलावा, टोंगा, किरिबाती और समोआ जैसे कुछ अन्य छोटे प्रशांत द्वीपीय देश हैं जो नए कैलेंडर वर्ष में सबसे पहले प्रवेश करने वाले देश हैं। इन देशों में 1 जनवरी की शुरुआत 31 दिसंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे या दोपहर 3:30 बजे से होती है।

सबसे आखिरी में इस देश में मनाया नया वर्ष

अब बात करें नए साल में पहुंचने वाले आखिरी देश की तो इस मामले में अमेरिका के कुछ द्वीप शीर्ष पर हैं। अमेरिका के निर्जन द्वीप, बेकर द्वीप और हाउलैंड, नए साल का जश्न मनाने के लिए आखिरी में इंतजार करते हैं। इन जगहों पर नए साल की दस्तक 1 जनवरी को भारतीय मानक समय के अनुसार दोपहर 12 बजे या शाम 5:30 बजे है। यहां लोग इस समय नए साल का जश्न मनाना शुरू कर देते हैं।

ब्राज़ील के नववर्ष की परंपराएं और अंधविश्वास

ब्रासीलिया। ब्राज़ील के लोग नए साल की पूर्व संध्या पर कई परंपराओं और अंधविश्वासों का पालन करते हैं। चाहे आप इन अंधविश्वासों में विश्वास करते हों या इसे सिर्फ़ मनोरंजन के लिए करते हों, ब्राज़ील की संस्कृति के बारे में ज़्यादा जानने से आप गलत नहीं हो सकते।

ब्राजील के लोगों ने नए साल की पूर्व संध्या पर पहने सफेद कपड़े

ब्राजील के लोग पारंपरिक रूप से नए साल की पूर्व संध्या पर सफेद कपड़े पहने। यह परंपरा अफ्रीकी मूल के धर्मों से विरासत में मिली है, जैसे कि कैंडोम्बले और उम्बांडा, जो कई अनुष्ठानों में सफेद कपड़े पहनते हैं। सफेद रंग को शांति और सद्भाव का प्रतीक मनाते हैं।

समुद्र तट पर 7 लहरों पर कूदे

ब्राजीन में परंपरा के अनुसार समुद्र तट पर नए साल का स्वागत करने के लिए लोगों ने 7 लहरों पर कूदे। यह परंपरा अफ्रो-ब्राज़ीलियाई धर्म, उमबांडा से आई है। 7 क्यों और 12 क्यों नहीं? एक सिद्धांत यह है कि प्रत्येक लहर एक ओरिक्सा का प्रतिनिधित्व करती है। ओरिक्सा एफ्रो-ब्राज़ीलियाई धर्मों द्वारा पूजे जाने वाले देवता हैं। एक अन्य सिद्धांत का मानना है कि यह प्रथा सभी ओरिक्सा की मां और समुद्र की देवी इमानजा के सम्मान से जुड़ी है। ऐसा करने के लिए लोगों को समुद्र में गोता लगाने की जरूरत नहीं है। इसलिए कई लोगों ने नववर्ष में बस अपने पैरों को गीला ही किया।

ये दुनिया अजीबोगरीब रीति-रिवाजों से भरी पड़ी है। खुद भारत में भी शादी-विवाह में दूल्हे और उसके परिवार को कोसने से लेकर आग पर नंगे पांव चलने तक हजारों ऐसे रिवाज हैं, जिनके बारे में सुनकर विस्मय ही होता है। ऐसे ही आश्चर्यचकित करने वाली नए साल से जुड़ी कुछ विचित्र परम्पराएं दुनिया के तमाम देशों में भी मनाई जा रही हैं।

चिली में कब्रिस्तान में नए साल का जश्न

सैंटियागो। नए साल की पूर्व संध्या पर चिली के तालका के निवासी स्थानीय कब्रिस्तान में रात भर साथ रहने के लिए गए। ऐसा माना जाता है कि उनके मृत प्रियजन साल के अंत का जश्न मनाने के लिए कब्रिस्तान में वापस आते हैं, इसलिए शहर के लोग आग जलाए, भोजन लाए, कब्रों को सजाए और वे रात को वहीं सोए। टाल्का शहर में मध्य रात्रि के जश्न को मनाने के लिए रात भर कब्रिस्तान के दरवाजे खुले रखे गए और यहां के लोग कब्रिस्तान में आकर नए साल का जश्न मनाए, ये उनका अपने परिवार के मृत सदस्यों को श्रद्धांजलि देने का अनूठा तरीका है।

इटली में नए साल के दिन लाल अंडरवियर का चलन

रोम। इटली में नए साल के दिन लाल अंडरवियर पहनने का चलन है। इसलिए 31 दिसंबर तक इटली में हर स्टोर और स्टैंड लाल अंडरवियर का विज्ञापन किया। ऐसा इसलिए, क्योंकि नए साल में लाल रंग के जांघिया पहनना सौभाग्य लाने वाला है। आधी रात को प्रतीक्षा करते समय लाल जांघिया पहनकर लोग आगे बढ़े और एक जोड़ी चुने। हालांकि, लाल अंडरवियर वास्तव में भाग्यशाली होने के लिए, इसे केवल NYE पर पहना गया। इतालवी नए साल की परंपरा के पुराने संस्करण का अनुसरण करते हुए लोगों ने अंडरवियर को अगले दिन बाहर फेंक दिए। इस परंपरा की जड़ें मध्य युग में हैं, जब अंधविश्वास (और प्लेग) भयंकर रूप से चल रहा था, कई लोग अपनी बीमारियों का इलाज करने के लिए वादा करते हैं या शायद सौभाग्य और प्यार लाते हैं। लाल जुनून का प्रतिनिधित्व करता है, रक्त आपके शरीर से बहता है और इस प्रकार स्वयं जीवन है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अधिकांश लाल-लाल, भावुक इटालियंस लाल रंग के कपड़े पहनकर नए साल में लाते हैं। आश्चर्य है कि उनमें से बहुत से लोग नए साल की शुरुआत के रूप में की परंपरा से चिपके रहते हैं। जो महिलाएं नए साल में गर्भधारण की उम्मीद करती हैं उन्होंने लाल अंडरवियर पहनी। क्योंकि लाल रंग प्रजनन क्षमता का भी प्रतीक है। वहीं, नए साल के अगले दिन, सौभाग्य सुनिश्चित करने के लिए लाल अंडरवियर को फेंक देंगे।

12 अंगूरों का नए साल से खास कनेक्शन

आधी रात में फटाफट खाएं अंगूर सालभर मिलेगी गुड न्यूज

हर घंटी के साथ एक अंगूर खाने से सालभर सौभाग्य बना रहता है।

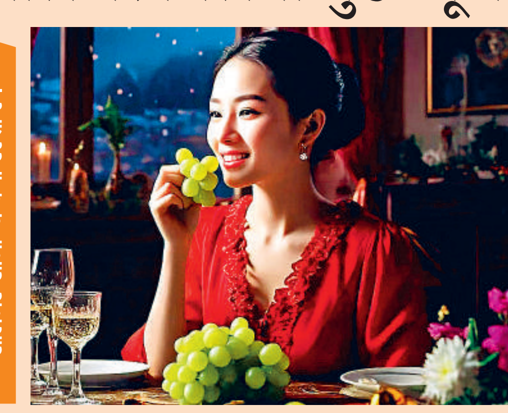

मैड्रिड। परंपरा के अनुसार स्पेन के लोगों ने नया साल आने से पहले आधी रात को 12 अंगूर खाए। स्पेन के लोग नया साल आने से पहले आधी रात को खासतौर पर 12 अंगूर लेकर बैठे और न्यू ईअर बेल्स के साथ ही इन्हें खाकर खत्म किए। इसे लेकर उनकी अपनी मान्यताएं हैं। माना जाता है कि अगर कोई नए साल की हर घंटी के साथ एक अंगूर खाता है तो उसका आने वाला साला समृद्ध होगा और सौभाग्य लेकर आएगा। पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा की उत्पत्ति के बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

क्या है ये परंपरा?

माना जाता है कि इस परंपरा की शुरुआत साल 1909 से हुई, इसे '**Vas de la suerte**' या '**grapes of luck**' कहा जाता है। बताते हैं कि एलिकांटे के अंगूर उगाने वाले किसानों ने इस तरह की आदत को बढ़ावा दिया। सौभाग्य के 12 अंगूरों को हर एक महीने के लिए प्रतीक के तौर पर रखा गया। इन्हें नए साल की घंटियों के साथ ही खाना शुरू करना होता है। हर घंटी के साथ एक अंगूर खाने से सालभर सौभाग्य बना रहता है।

नववर्ष पर ग्रीस में लोगों ने दरवाजों पर लटकाए प्याज

एथेंस। दुनियाभर में कई लोगों के लिए, नए साल को एक ऐसे समय के रूप में देखा जाता है जो नवीनीकरण की भावना लाता है, और ग्रीस में भी यही सच है। इसे एक ऐसे समय के रूप में भी देखा जाता है जो सौभाग्य ला सकता है, और कई लोग नए साल की पूर्व संध्या और नए साल के दिन होने वाली गतिविधियों को एक समृद्ध और स्वस्थ नए साल को सुरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। यही कारण है कि ग्रीस में बहुत से लोग अपना समय यह सुनिश्चित करने में बिताए कि उनका साल सही तरीके से शुरू हो। वे कुछ खास अनुष्ठान और गतिविधियों में शामिल हुए जो सौभाग्य लाने के लिए डिज़ाइन किए गए और घर के दरवाज़े पर प्याज़ लटकाए।

प्याज पुनर्जन्म का है प्रतीक

प्राचीन यूनानियों के दिनों से ही प्याज़ विकास और पुनर्जन्म का प्रतीक रहा है। इसका कारण सरल है - प्याज़ को अत्यधिक उपजाऊ माना जाता है क्योंकि, बल्ब अंकुरित होना चाहते हैं, भले ही उन्हें अकेला छोड़ दिया जाए। जब प्याज़ को बहुत लंबे समय तक बिना इस्तेमाल किए छोड़ दिया जाता है, तो ऐसा लगता है कि वह जड़ें जमाना चाहता है और फिर से उगना चाहता है। यूनानियों के अनुसार, यह उर्वरता का अंतिम प्रतीक है और यही कारण है कि प्याज़ को हमेशा घर के दरवाज़े पर लटकाया जाता है - ताकि घर के लोगों को बढ़ने में मदद मिले और आने वाले साल में वे खुद का पुनर्जन्म अनुभव करें।

भारत में अलग-अलग तिथि में विविध रूपों में मनाते हैं नववर्ष

सरहुल पर्व से आदिवासी समुदाय का नववर्ष होता है प्रारंभ

नई दिल्ली। सरहुल जनजातीय जीवन और प्रकृति के साथ जीवन चक्र से संबंधित है। जिसमें प्राकृतिक संतुलन एवं सृष्टि को बनाए रखने की कामना की जाती है। प्रकृति पर्व सरहुल आदिवासियों का वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व है। पतझड़ के बाद पेड़-पौधे की टहनियों पर हरी-हरी पत्तियां जब निकलने लगती है। आम के मंजर तथा सखुआ और महुआ के फूल से जब पूरा वातावरण सुगंधित हो जाता है। तब यह पर्व मनाया जाता है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष के तृतीय से शुरू होकर चैत्र पूर्णिमा के दिन संपन्न होता है। इस पर्व में सखुआ के वृक्ष का विशेष महत्व है। आदिवासियों की परंपरा के अनुसार, इस पर्व के बाद ही आदिवासियों का नववर्ष शुरू होता है।

कई समुदायों का नववर्ष रूपी त्यौहार है 'आखातीज'

नासिक। आदिवासी समाज की परंपरा, संस्कृति, दर्शन व जीवन-मूल्य प्रकृति पर आधारित है। प्रकृति में मौसम के अनुसार बदलाव के अनुसार ही आदिवासी समाज में तीज, त्यौहार व पर्व मनाए जाते हैं। मौसम के अनुसार वाद्य यंत्र बजाए जाते हैं, मौसम के अनुसार गीत गाए जाते हैं। इसीलिए, आदिवासी समाज की पहचान प्रकृति पूजक व प्रकृति रक्षक के रूप में होती है। जब दुनिया में घड़ी का आविष्कार नहीं हुआ तब से आदिवासी समाज के लोग सूर्य और चांद की आसमान में स्थिति को देखकर समय का अनुमान लगा लेते थे। जब दुनिया में मौसम चक्र बारे में पूर्वानुमान लगाने संबंधी कोई यंत्र- तंत्र नहीं बने थे, तब से आदिवासी समाज आसमान में आने वाले बादलों के प्रकार से ही कितने महीने पश्चात कौन से समय और कहां पर बारिश हो सकती है?

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

भारत से पहले 41 देशों में मनाया गया नया साल

ऑकलैंड में आतिशबाजी, क्लॉक टावर रोशनी से जगमगाया

सिडनी हार्बर में आतिशबाजी देखने 10 लाख लोग पहुंचे

न्यूजीलैंड से नए साल का आगाज, दुनियाभर में जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में सबसे पहले नए साल 2025 का आगाज हुआ। ऑकलैंड में लोगों ने पटाखे फोड़कर नए साल का जश्न मनाया। भारत से पहले इंडोनेशिया, थाईलैंड और म्यांमार में नए साल का जश्न मनाया गया। इसके बाद बांग्लादेश और नेपाल का नंबर आया। सबसे पहले नए साल का स्वागत करने वाले देश किरिबाती, समोआ, और टोंगा हैं, जहां भारतीय समयानुसार नया साल 31 दिसंबर की शाम 3:30 बजे शुरू होता है।

अयोध्या, मथुरा और काशी में भक्तों की भीड़

देश के प्रमुख मंदिरों में नए साल पर भक्तों की भीड़ नजर आई। अयोध्या, वाराणसी और मथुरा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। खासकर नवनिर्मित राम मंदिर में भगवान राम का आशीर्वाद लेने के लिए हजारों लोग पहुंचे। अयोध्या और पास के फैजाबाद में होटल पूरी तरह से आरक्षित हो चुके हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रेलवे की आज से बदल गई समय सारिणी

नई दिल्ली। रेलवे ने एक जनवरी 2025 से रेलवे ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव कर दिया। 31 दिसंबर की रात्रि 12 बजे के बाद यह समय सारिणी लागू हो गई। पिछले साल रेलवे ने ऑल इंडिया टाइम टेबल ट्रेन एट ए ग्लांस जारी किया था।

नए क्षेत्रों में अब नहीं घुस पा रहे नक्सली

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई के कारण नक्सली अंतरराज्यीय सीमाओं से लगे नए क्षेत्रों में घुसने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई खास कामयाबी नहीं मिली है।

सांसद निधि की राशि बढ़ाने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना पर नवगठित संसदीय समिति की पहली बैठक सात जनवरी 2025 को होगी। इसमें इस मद की निधि को मौजूदा 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए करने के अनुरोध पर चर्चा की जाएगी।

छापेमारी में 6.6 करोड़ की नकली दवाएं जब्त

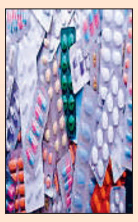

नई दिल्ली। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और औषधि नियंत्रण निदेशालय पश्चिम बंगाल ने कोलकाता में संयुक्त जांच के दौरान एक थोक कंपनी के परिसर से 6.6 करोड़ रुपए मूल्य की नकली दवाएं जब्त की हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई, नहीं मिले कोई दस्तावेज

अब निमोरा में पकड़ी गई फैक्ट्री, 4000 किलो नकली पनीर जब्त, पैकिंग का था पूरा इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर नकली पनीर बनाने का बड़ा अड्डा बना हुआ है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए निमोरा में नकली पनीर की फैक्ट्री पकड़ी है। छापेमारी के दौरान वहां भरी गंदगी में पनीर बनाने के साथ उसके पैकिंग का सामान बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान 4000 किलो नकली पनीर जब्त किया गया है, जिसे दूध के उपयोग के बिना इनग्रेडिएंट्स डालकर तैयार किया जाता था। बरामद पनीर की कीमत 15 लाख रुपए आंकी गई है।

पनीर से बनने वाली सब्जी से लेकर अन्य पकवान सभी वर्ग के लोगों का पसंदीदा है। इसकी डिमांड त्योहार, शादी-ब्याह सहित विभिन्न आयोजन में काफी है। खपत को देखते हुए आम लोगों की सेहत को जोखिम में डालने वाला नकली पनीर का धंधा भी बेहद फल-फूल रहा है। रायपुर में ही नकली पनीर बनाने का कारोबार जोर शोर से चल रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा लगातार दूसरे दिन की गई बड़ी कार्रवाई इसका प्रमाण है। सोमवार को बीरगांव में ढाई हजार किलो नकली पनीर के साथ बनाने वाला कारखाना पकड़ा गया था। उसी टीम को मंगलवार को और बड़ी सफलता मिली और निमोरा पुल के पास चलने वाली फैक्ट्री को खुलासा हुआ। एसजे मिल्क प्रोडक्ट नामक इस फैक्ट्री में बिना दूध के उपयोग के पनीर तैयार किया जाता ▶▶ शेष पेज 13 पर

- सालभर से चल रहा था एसजे मिल्क प्रोडक्ट का गोरखधंधा, बिना दूध के बनाते थे पनीर

भाठागांव से बुक नहीं हुआ पनीर

सोमवार को बीरगांव के काशी एग्रो फूड्स के बाद मंगलवार को एसजे मिल्क प्रोडक्ट नामक फैक्ट्री में बनने वाले पनीर का 90 फीसदी धंधा ओडिशा पर निर्भर था। फैक्ट्री में बनने वाला पनीर पैक होकर टिकरापारा स्टैण्ड से छूटने वाली बसों में बुक कर वहां भेजा जाता था। दावा किया जा रहा है कि बसों के माध्यम से बड़ी मात्रा में पनीर रोज बुक होता है, मगर सोमवार से हुई कार्रवाई के बाद इसकी एक भी बुकिंग नहीं की गई है।

बदबूदार गंदगी में बनता था पनीर

जांच टीम ने फैक्ट्री में जब छापा मारा, तो वहां गंदगी का आलम था। पनीर बनाने के लिए जिस पानी का उपयोग किया जा रहा था, वह गंदा था। उपयोग की जाने वाली मशीन सहित अन्य सामान बेहद गंदे थे और वहां से उठने वाली बदबू भी असहनीय थी। छापेमारी के दौरान वहां धड़ल्ले से पनीर बनाने का काम चल रहा था। जांच टीम को देखकर मौजूद कर्मचारियों में दहशत फैल गई थी।

जांच के लिए सैंपल

दोनों स्थानों से बरामद पनीर के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए भेजा गया है। अधिकारियों के मुताबिक सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई करते हुए मामला न्यायालय में पेश किया जाएगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक चंदन कुमार के निर्देश पर कार्रवाई सहायक आयुक्त मोहित बेहरा, नितेश मिश्रा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राखी ठाकुर, साधना चंद्राकर, अजित बघेल, सतीश राज की मौजूदगी में की गई।

नव वर्ष के एक दिन पहले उद्घाटन

देश के पहले समुद्री ग्लास ब्रिज की सौगात

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु में कन्याकुमारी के समंदर में देश का पहला कांच का पुल बनाया गया है। सीएम एमके स्टालिन ने इस कांच के पुल का उद्घाटन किया। यह पुल दो प्राचीन चीजों को जोड़ने का काम करेगा। इस कांच के पुल का इस्तेमाल कर के लोग अब विवेकानंद स्मारक से तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक पहुंच सकते हैं। अब स्मारक से प्रतिमा तक जाने बोट की जरूरत नहीं पड़ेगी।

10 मीटर चौड़ा
77 मीटर लंबा
37 करोड़ लागत

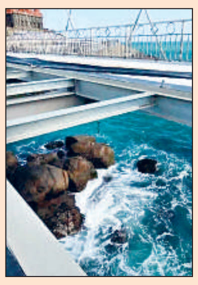

एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

समंदर के ऊपर बनाए गए इस कांच के ब्रिज को बहुत अलग तरह से डिजाइन किया गया है। इसको तैयार करने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। ग्लास ब्रिज को तेज समुद्री हवाओं सहित नाजुक और खतरनाक समुद्री परिस्थितियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सड़क किनारे बैठे 13 को ट्रक ने रौंदा, 2 बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धरसींवा

रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे सिलतरा ओवरब्रिज के पास बीती रात करीब 2 बजे एक बेकाबू ट्रक ने सड़क के किनारे बैठे 13 लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई, वहीं 11 लोग घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ, जब तूफान गाड़ी में तकनीकी खराबी के कारण ड्राइवर ने गाड़ी को सड़क किनारे पार्क कर दिया था। गाड़ी में सवार लोग नीचे उतरकर सड़क किनारे बैठे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हे चपेट में लेकर कुचल दिया।

जानकारी के मुताबिक यह हादसा सोमवार की देर रात करीब 2 बजे के लगभग सिलतरा ओवरब्रिज के पास की है। बताया जा रहा है कि धमतरी जिले का साहू परिवार नए ▶▶ शेष पेज 13 पर

- धमतरी के साहू परिवार में मचा कोहराम, चीख पुकार

देर रात हादसा

वाहन खराब होने की वजह से बैठा था परिवार

पुलिस और घायलों के अनुसार तूफान वाहन में अचानक तकनीकी खराबी आने के बाद ड्राइवर ने वाहन को सड़क किनारे खड़ी कर पार्क लाइट जलाई और वाहन को सुधारने का काम करने लगा। इस दौरान कुछ लोग वाहन में बैठे रहे और बाकी सदस्य वाहन से नीचे उतरकर सड़क किनारे बैठ गए, इसी दौरान एक ट्रक आया और रफ्तार धीरे करते हुए सड़क किनारे बैठे लोगों को रौंदते हुए ▶▶ शेष पेज 13 पर

आरोपी चालक गिरफ्तार

सिलतरा के पास रात लगभग दो बजे तूफान जीप में खराबी आई थी। इसके बाद दर्जन भर लोग सड़क किनारे बैठे थे। सिरफिरे ट्रक ड्राइवर ने इन्हें रौंदते हुए जीप को ठोकर मार दी। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। **-बालेश्वर लहरे,** चौकी प्रभारी सिलतरा

ये हुए घायल

निशा साहू / निर्मल साहू (38), प्रार्थना साहू पिता निर्मल साहू (16), निर्मल साहू पिता रामेश्वर साहू (43), धर्मेंद्र साहू पिता विश्वनाथ साहू, लीना साहू / धर्मेंद्र साहू (45), ओम प्रकाश साहू (57), गीतांजलि साहू/ओमप्रकाश साहू (50), दीक्षा साहू पिता कुलेश्वर साहू (27), कृतेश साहू (30), प्रेरणा साहू, नरोत्तम साहू, माही साहू पिता धर्मेंद्र साहू (18) शामिल है।

केंद्र सरकार ने की सराहना

छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिली 250 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपु

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए आईटी आधारित वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को लागू कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार ने इस डिजिटल सुधार की सराहना करते हुए राज्य को 250 करोड़ ▶▶ शेष पेज 13 पर

राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक

छत्तीसगढ़ सरकार ने डिजिटल इंडिया और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) को बढ़ावा देने के लिए अपने तकनीक आधारित सुधारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बनाया है। राज्य की अधोसंरचना परियोजनाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम को इस प्रोत्साहन राशि से और अधिक मजबूती मिलेगी।

महाकुंभ में अन्न भंडार, सरकार ने की बड़ी तैयारी

अखाड़ों और कल्पवासियों को 5 रुपए में आटा, 6 रुपए में चावल

एजेंसी ▶▶ महाकुंभनगर

महाकुंभ में योगी सरकार ने अखाड़ों, संस्थाओं और कल्पवासियों के लिए बड़े पैमाने पर अन्न भंडार की व्यवस्था की है। सीएम योगी के निर्देश पर अखाड़ों-संस्थाओं और कल्पवासियों को मात्र 5 रुपए में आटा और 6 रुपए में चावल उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था है। इसके लिए मेला क्षेत्र में 138 उचित मूल्य की दुकानों पर राशन उपलब्ध कराया गया है।

इन सामग्रियों की रहेगी व्यवस्था

मेला क्षेत्र में दी जा रही इस विशेष सुविधा के अंतर्गत हर कल्पवासी को 3 किलो आटा, 2 किलो चावल और एक किलो चीनी उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था है। जनवरी से फरवरी अंत तक राशन की यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

गैस कनेक्शन की भी सुविधा

मुख्यमंत्री योगी ने भोजन पकाने के लिए भी सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इस काम के लिए सभी 25 सेक्टर्स में एजेंसियां निर्धारित की गई हैं। ये एजेंसियां कल्पवासियों, अखाड़ों और संस्थाओं को नया गैस कनेक्शन प्रदान कर रही हैं।

कैलास जीवन
मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

। एड़ियों का फटना । मुहाँसे ।
। हाथ पाँव और आँखों की जलन ।
। मुँह के छाले । कटना । जलना । फिशर्स ।
आदि के लिए गुणकारी
Available in: 12g Tube, 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle amazon | netmeds.com India Ki Pharmacy
Distributors: Raipur: Mahesh Medicos: 0771 - 2228437,
Shree Gulab Traders: 0771 - 4047174, Bilaspur: Pankaj Medico Traders: 07752 - 401271,
Durg: Satyendra Medicos: 0788 - 2214827 / 4050827
| Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Suhas: 9130026069 |
| asumkj@gmail.com | www.asum.com |

ये है हमारा नंबी वॉटरफॉल

जगदलपुर बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 65 किमी दूर घनघोर जंगल में स्थित नंबी जलप्रपात तक पहुंचना एडवेंचर और ट्रेकिंग का शौक रखने वाले के लिये ही संभव है। यहां तक पहुंचने के लिये सड़क नहीं है। अत्यंत बीहड़ इलाके में स्थित नंबी वॉटरफॉल तक पहुंचने के लिये लोगों को काफी खतरों का सामना करना पड़ता है। 300 फीट उंचाई से गिरने वाला यह राज्य का सबसे उंचा जलप्रपात है। आज भी वहां गिने चुने पर्यटक ही पहुंच पाते हैं। घनघोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्थित होने के कारण यह वॉटरफॉल आम लोगों से दूर है। लेकिन यहां की खुबसूरती और नैसर्गिक सुंदरता देखते ही बनती है। खास कर बारिश में गिरती जलधारा खूबसूरती में चार चांद लगा देती है।

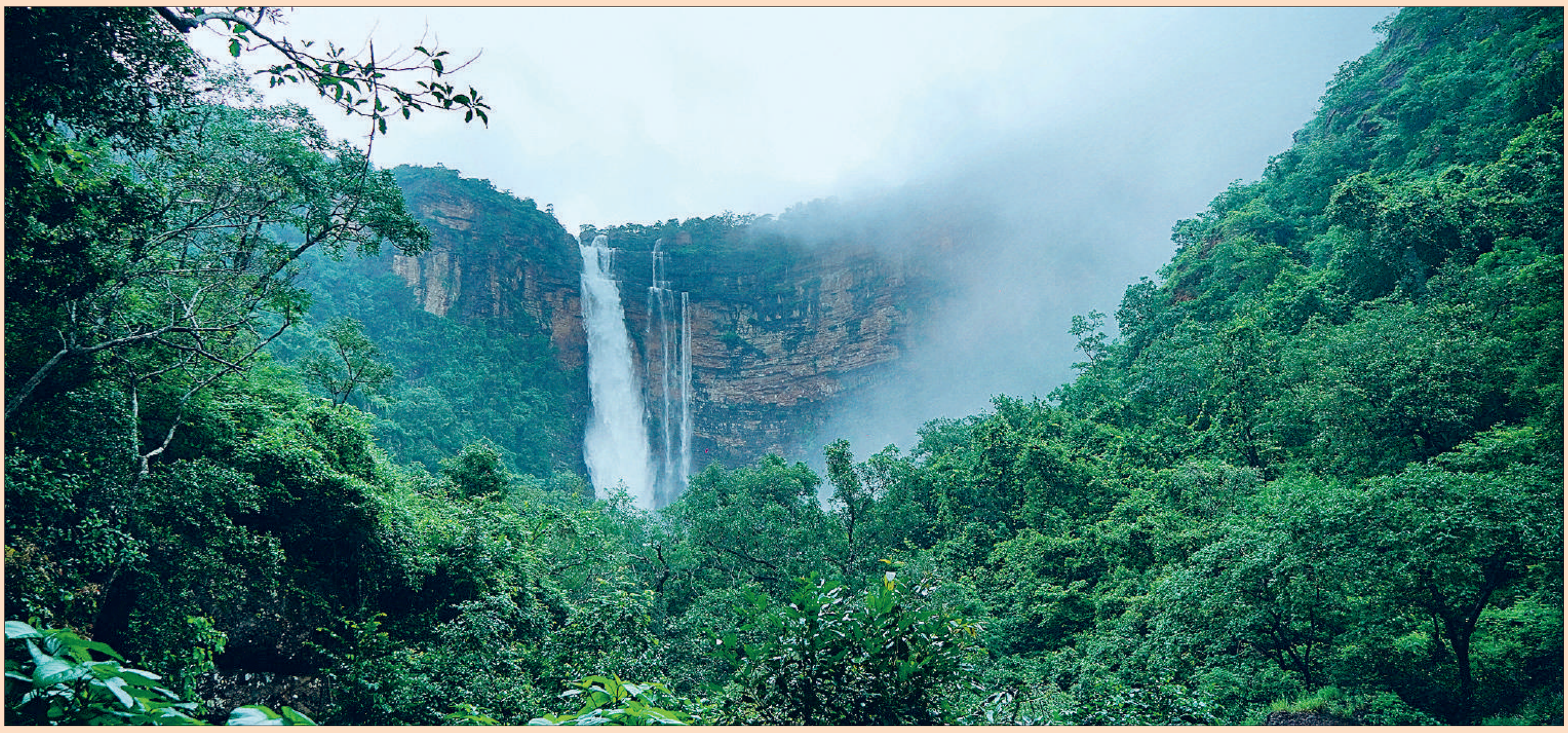

लोकप्रिय फिल्मों के सीक्वल भी आएंगे नजर

वर्ष 2025 की दूसरी छमाही (जुलाई-दिसंबर) में 'जॉली एलएलबी 3', 'रेड 2', 'हाउसफुल 5', 'वॉर 2', 'बागी 4', 'दे दे प्यार दे 2' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी फिल्में लोकप्रिय फिल्मों के सीक्वल भी बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इसके अलावा वरुण धवन की उनके पिता डेविड धवन के साथ रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में शाहिद कपूर की एक्शन फिल्म, काजोल की हॉरर-थ्रिलर फिल्म के साथ-साथ जया बच्चन, सिद्धांत चतुर्वेदी, वामिका गब्बी तथा स्वानंद किरकिरे अभिनीत 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग', यशराज फिल्म्स की आलिया भट्ट अभिनित फिल्म 'अल्फा' और आमिर की 'सितारे जमीन पर' भी 2025 में रिजली होंगी। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में सिनेमाघरों के मालिक वितरक-प्रदर्शक अक्षय राठी ने कहा कि 'सिकंदर', 'स्काई फोर्स', 'छावा', 'रेड 2', 'दे दे प्यार दे 2', 'हाउसफुल 5' और 'अल्फा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर सकती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप 2024 में रिलीज हुई फिल्मों की बात करें तो 'पुष्पा 2' और 'स्त्री 2' से सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इनके अलावा 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' ने भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ हद तक अच्छी कमाई की।'

सिकंदर', 'वॉर 2', 'रेड 2' और 'हाउसफुल 5' जैसी फिल्मों के साथ 2025 में बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है।

आएंगी सलमान खान की 'सिकंदर' आमिर खान की 'सितारे जमीन पर'

मुंबई। हिंदी फिल्मों के लिए कारोबार के लिहाज से 2024 अपेक्षाकृत निराशाजनक रहा, हालांकि सिनेमा जगत को 'सिकंदर', 'वॉर 2', 'रेड 2' और 'हाउसफुल 5' जैसी फिल्मों के साथ 2025 में बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से काफी उम्मीदें अधिक हैं, जो मार्च में ईद के अवसर मौके पर रिलीज होने वाली है। अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में कंगना रनौत की विवादों में घिरी फिल्म 'इमरजेंसी', अक्षय कुमार की युद्ध पर आधारित 'स्काई फोर्स', शाहिद कपूर की एक्शन-थ्रिलर 'देवा' और विक्की कौशल अभिनीत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाली 'छावा' शामिल हैं।

हर महीने एक ब्लॉकबस्टर की जरूरत

राठी ने कहा, ' फिल्म प्रदर्शन से जुड़े बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए हमें हर महीने एक ब्लॉकबस्टर की जरूरत है। हम तीन-चार ब्लॉकबस्टर फिल्मों पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें अधिक तथा लगातार हिट फिल्मों की जरूरत है। 2025 में अधिक संख्या में फिल्मों के मेगा-ब्लॉकबस्टर होने की संभावना है।' हिंदी सिनेमा की बात करें तो वर्ष 2024 में 'स्त्री 2' 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई करने वाली साल की सबसे बड़ी और एकमात्र हिट फिल्म रही। इसके अलावा 'शैतान', 'आर्टिकल 370', 'लापता लेडीज', 'मुंज्या', 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' जैसी कुछ अन्य फिल्मों ने अच्छा कारोबार किया। 'सिनेमा ओनर्स एंड एक्जीबिटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष नितिन दातार और 'मिराज एंटरटेनमेंट लिमिटेड' के प्रबंध निदेशक अमित शर्मा ने कहा कि 2025 में रिलीज होने वाली फिल्मों से काफी उम्मीदे हैं। हालांकि, अभी यह कह पाना मुश्किल होगा कि कौन सी फिल्म अच्छा प्रदर्शन करेगी। दातार ने कहा, 'उम्मीद है कि 2025 अच्छा रहेगा और मैं 'सिकंदर', 'हाउसफुल 5', 'जॉली एलएलबी 3', 'इमरजेंसी' और 'छावा' की रिलीज का इंतजार कर रहा हूं। बाकी फिल्में धीमी शुरुआत करेंगी, लेकिन बेहतर कर सकती हैं।'

साल 2025 में देखिए सस्पेंस, थ्रिलर और ड्रामा से भरपूर वेब सीरीज

जानिए ओटीटी पर कब रिलीज होंगी

2025 में ओटीटी पर रिलीज कई सीरीज रिलीज होंगी। जिनमें बहुप्रतीक्षित हिंदी वेब सीरीज की लिस्ट में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू, द फैमिली मैन 3 और द फैमिली मैन 3 शामिल हैं।

आर्यन खान निर्देशित पहली फिल्म

सबसे पहले बात करते हैं बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की आगामी वेब सीरीज। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीरीज में आर्यन अभिनय नहीं करेंगे, बल्कि इस सीरीज का निर्देशन वह कर रहे हैं। यह सीरीज 2025 में रिलीज होगी। इस सीरीज का निर्माण गौरी खान करेंगी। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में घोषणा की है कि साल 2025 में, नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट गौरी खान द्वारा निर्मित और आर्यन खान द्वारा निर्मित और निर्देशित एक अनूठी बॉलीवुड सीरीज लेकर आ रहा है।

पाताल लोक सीजन 2

जयदीप अहलावत और गुल पनाग अभिनीत बहुप्रतीक्षित क्राइम ड्रामा 'पाताल लोक' का दूसरा सीजन भी 2025 में रिलीज किया जाएगा। हाल ही में प्राइम वीडियो ने इसका पोस्टर जारी किया और घोषणा की कि यह क्राइम ड्रामा 17 जनवरी को रिलीज किया जाएगा। पहला सीजन 2020 के दौरान रिलीज हुआ था। इसकी सफलता ने अहलावत को देश भर में प्रसिद्धि दिलाई, जो एक ब्रेकआउट कलाकार के रूप में उभरे।

द फैमिली मैन 3

मनोज बाजपेयी, प्रियामणि और शारिब हाशमी अभिनीत लोकप्रिय वेब सीरीज, द फैमिली मैन अगले साल स्ट्रीम होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिसंबर तक इसका निर्माण पूरा हो जाएगा, जबकि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम 9-12 महीनों तक चलेगा। इसका तीसरा सीजन अगले साल 2025 में रिलीज हो सकता है।

द रोशन्स

ऋतिक रोशन, राकेश रोशन और राजेश रोशन द रोशन्स सीरीज में नजर आएंगे। यह डॉक्यूमेंट्री-सीरीज अगले साल 17 जनवरी, 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह सीरीज दर्शकों को रोशन परिवार के जीवन, संघर्ष और जीत के सफर पर ले जाएगी।

ब्लैक वारंट

सेक्रेड गेम्स और **CTRL** के लिए मशहूर विक्रमादित्य मोटवानी अब अपनी आगामी वेब सीरीज ब्लैक वारंट के साथ प्रशंसकों को भारत की सबसे कुख्यात जेल, तिहाड़ जेल की कठोर वास्तविकताओं के अंदर ले जाने के लिए तैयार हैं। इस सीरीज़ में शशि कपूर के पोते जहान कपूर की पहली फिल्म है। इसका प्रीमियर 10 जनवरी, 2025 को नेटफ्लिक्स पर होगा। इस सीरीज में परमवीर सिंह चीमा, अनुराग ठाकुर और सिद्धांत गुप्ता भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

डोंट डाई

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम अमेरिका के मशहूर बिजनेसमैन ब्रॉयन जॉनसन के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म डोंट डाई का नाम है। यह 1 जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी यानी न्यू ईयर की शुरुआत डोंट डाई से होने वाली है।

2025 के प्रमुख त्योहार

भारत विविध संस्कृतियों और परंपराओं का देश है, यहां विविध प्रकार के त्योहार और कार्यक्रम मनाए जाते हैं। जिससे इसकी तिथियों की सूची समृद्ध और अनूठी बन जाती है। वर्ष 2025 में त्योहारों और पर्वों की सूची इस प्रकार है।

- 1 जनवरी (बुधवार)- नए साल का दिन
- 6 जनवरी (सोमवार)- गुरु गोविंद सिंह जयंती
- 14 जनवरी (मंगलवार)- पोंगल
- 14 जनवरी (मंगलवार)- मकर संक्रांति, हजरत अली का जन्मदिन
- 26 जनवरी (रविवार)- गणतंत्र दिवस
- 2 फरवरी (रविवार)- बसंत पंचमी
- 12 फरवरी (बुधवार)- गुरु रविदास जयंती
- 19 फरवरी (बुधवार)- शिवाजी जयंती
- 26 फरवरी (बुधवार)- महाशिवरात्रि
- 13 मार्च (गुरुवार)- होलिका दहन
- 14 मार्च (शुक्रवार) – होली, डोलयात्रा
- 28 मार्च (शुक्रवार)- जमात उल-विदा (अस्थायी तिथि)
- 30 मार्च (रविवार)- चैत्र सुखलाडी
- 30 मार्च (रविवार)- उगादी
- 30 मार्च (रविवार)- गुडी पड़वा
- 31 मार्च (सोमवार)- रमज़ान ईद/ईद-उल-फ़ित्र (संभावित तिथि)
- 6 अप्रैल (रविवार)- रामनवमी
- 10 अप्रैल (गुरुवार)- महावीर जयंती
- 18 अप्रैल (शुक्रवार)- गुड फ्राइडे
- 12 मई (सोमवार)- बुद्ध पूर्णिमा/वेसाक
- 7 जून (शनिवार)- बकरीद/ईद-उल-अज़हा (संभावित तिथि)
- 6 जुलाई (रविवार)- मुहर्रम/आशूरा (संभावित तिथि)
- 9 अगस्त (शनिवार)- रक्षा बंधन (राखी)
- 15 अगस्त (शुक्रवार)- स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी (स्मार्त), पारसी नव वर्ष
- 16 अगस्त (शनिवार)- जन्माष्टमी
- 27 अगस्त (बुधवार)- गणेश चतुर्थी/विनायक चतुर्थी
- 5 सितम्बर (शुक्रवार)- मिलाद उन-नबी/ईद-ए-मिलाद (अस्थायी तारीख)
- 5 सितम्बर (शुक्रवार)- ओणम
- 29 सितम्बर (सोमवार)- महासप्तमी
- 30 सितम्बर (मंगलवार)- महाअष्टमी
- 1 अक्टूबर (बुधवार)- महानवमी
- 2 अक्टूबर (गुरुवार)- महात्मा गांधी जयंती
- 2 अक्टूबर (गुरुवार)- दशहरा
- 7 अक्टूबर (मंगलवार)- महर्षि वाल्मीकि जयंती
- 10 अक्टूबर (शुक्रवार)- करक चतुर्थी (करवा चौथ)
- 20 अक्टूबर (सोमवार)- नरक चतुर्दशी, दीपावली
- 22 अक्टूबर (बुधवार)- गोवर्धन पूजा
- 23 अक्टूबर (गुरुवार)- भाई दूज
- 28 अक्टूबर (मंगलवार)- छठ पूजा (प्रतिहार षष्ठी/सूर्य षष्ठी)
- 5 नवंबर (बुधवार)- गुरु नानक जयंती
- 24 नवंबर (सोमवार)- गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस
- 24 दिसंबर (बुधवार)- क्रिसमस की पूर्व संध्या
- 25 दिसंबर (गुरुवार)- क्रिसमस

स्टार्टअप ने आर्थिक तंगी दूर की, जज्बा ऐसा कि पूरे प्रदेश में महिलाओं को घूम-घूमकर दे रही ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग

ड्रोन दीदी...मशरूम की खेती, साल की इनकम 10 लाख

अतुल अग्रवाल ⏭ भिलाई

दुर्ग जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर ड्रोन दीदी का गांव है मतवारी। यहां रहती हैं ड्रोन दीदी यानी जागृति साहू। कभी आर्थिक तंगी से जूझ रही बीएससी, डबल एमए और डिप्लोमा ऑफ मैनेजमेंट में पीजी कर चुकी जागृति साहू को आज पूरा प्रदेश ड्रोन दीदी कहकर बुलाता है। जब सरकारी नौकरी नहीं मिली तो पहले बच्चों को पढ़ाना शुरू किया, फिर स्टार्टअप की जानकारी हुई और उन्होंने मशरूम की खेती शुरू की। मशरूम की खेती करते हुए ड्रोन प्रशिक्षण से जुड़ी जानकारी मिली। इसके बाद खुद इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान संस्थान ग्वालियर से ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण लिया। और इसमें भी रोजगार तलाशा। वर्तमान में इस ड्रोन की मदद से जागृति अपने आसपास के 550 एकड़ खेत में नैनी यूरिया और नैनो डीपीए का छिड़काव कर रही हैं। हर महीने 50 से 70 हजार रुपए तक का प्रॉफिट अर्जित कर रही हैं। इतना ही नहीं 20 से ज्यादा महिलाओं को हर महीने के हिसाब से 5 से 7 हजार रुपए का रोजगार दे रही हैं। इतना ही नहीं नवंबर 2023 में ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण लेने के बाद से अब तक प्रदेश की 45 हजार महिलाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। उनका कहना है कि वे चाहती हैं कि हर महिला आत्मनिर्भर बने, इसके लिए खुद का रोजगार तलाशें। जागृति ऑडिटर का भी काम करती है, जिससे भी उसे अच्छी इंकम हो रही है। आज वह साल में 8 से 10 लाख रुपए कमा रही हैं।

खुद का घर बनाया, गाड़ी खरीदी

जिले में स्टार्टअप और अन्य सरकारी योजनाओं से मिली जानकारी के आधार पर जिले की 2176 महिलाएं ऐसी हैं, जो आत्मनिर्भर बनीं। ये वे महिलाएं हैं, जिन्होंने अलग-अलग कामों के दम लखपति बन चुकी है। इनमें दुर्ग से 740, धमधा से 691, पाटन से 725 महिलाएं हैं। इन सभी महिलाओं का सालाना कारोबार एक से 10 लाख रुपए तक का है। महीने में औसतन 10 हजार रुपए की आय आर्जित कर रही हैं। इसके अलावा अन्य को भी रोजगार दे रही हैं। पाटन के ग्राम किकिरमेटा की सबीना बेगम ने भी मुर्गीपालन कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए हैं। सालभर में ही उसने खुद की गाड़ी खरीदी, यहां तक नया मकान भी बनवा लिया। महज 15 हजार रुपए और 450 चूजों से उसने अपना कारोबार शुरू किया था। आज 10 महिलाओं को जोड़कर वे उन्हें रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। उनके पति ने उसे असमय ही छोड़ दिया था। इसके बाद उसने कुछ करने की ठानी। वर्तमान में वह 1500 चूजों की फार्मिंग कर रही है। उसके पास डिमांड ज्यादा है, जिसकी भरपाई वह नहीं कर पा रही है।

20 महिलाओं का भी जीवन संवार रही

साल भर में हो गई लाखों की कमाई

जिले के छोटे से गांव मतवारी में रहने वाली जागृति साहू की कहानी प्रेरणा से भरी है। पढ़ी-लिखी जागृति बचपन से ही जागृति का सपना था कि वह एक शिक्षक बने, लेकिन किस्मत ने कुछ और ही लिखा था। किसी कारणवश वह अपने इस सपने को पूरा नहीं कर पाई, जिससे वह निराश हो गईं। जागृति के पति चंदन साहू बताते हैं कि शिक्षक न बन पाने से जागृति के व्यवहार में बहुत परिवर्तन आया। निराशा की वजह से वे ज्यादा बात भी नहीं करती थी। वे कहते हैं मैंने उस वक्त सोचा कि किसी काम में व्यस्त होने से शायद इनका मन लगे। चूंकि मेरी बेटी और मुझे मशरूम बहुत पसंद था तो मैंने उन्हें मशरूम की खेती करने का सुझाव दिया। बेटी की पसंद की वजह से जागृति ने यह कार्य प्रारंभ किया। साल 2019 में जागृति ने 33 लाख रुपए का मशरूम बेचा।

देशभर में पसंद किए जा रहे महिलाओं के बनाए जैकेट, मोदी जैकेट भी यहां का उत्पाद

मोदी जैकेट की सप्लाई उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान के अलावा नेपाल में भी की जा रही

शिवपुरी में 3500 महिलाओं ने मिलकर बनाई बदरवास जैकेट प्रोड्यूसर कंपनी

प्रशांत शुक्ला ⏭ भोपाल

शिवपुरी के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनका स्टार्टअप देश भर में फेमस हो जाएगा। आजीविका मिशन की मदद से उन्होने पहले सिलाई बुनाई का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद जैकेट बनाने का काम शुरू किया। धीरे धीरे महिलाएं जुड़ती गईं और आज उनकी संख्या 3500 पहुंच गई। काम इतना बढ़ा कि महिलाओं ने स्वयं का ब्रांड बदरवास जैकेट प्रोड्यूसर कंपनी स्थापित कर लिया। हाल ही में दिल्ली में आयोजित मेले में 1 लाख 64 रूपए के जैकेट सेल किए है। खास बात तो यह है कि मोदी जेकेट भी यहीं का उत्पाद है। मोदी जैकेट की सप्लाई उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान के अलावा नेपाल में भी की जा रही है। इससे महिलाओं को खासा मुनाफा मिल रहा है। गारमेंटस बनाने वाली कई कंपनिया में कच्चा माल महिलाओं को उपलब्ध कराती हैं। वर्तमान में देखा जाए तो एक महिला की मासिक आय 15 से 20 हजार रूपए हो गई है जो लगातार बढ़ रही है। जैकेट की बढ़ती मांग को देखते हुए एनआरएलएम के तहत 100 से अधिक समूहों की करीब 3500 महिलाओं को अब तक इस काम से जोड़ा जा चुका है। बदरवास के करीब 100 व्यापारी कपड़ा काटकर महिलाओं को सिलने देते हैं। वहीं सिली हुई जैकेट लेते हैं। जैकेट की क्वालिटी के अनुसार 50 से 500 रुपए प्रति जैकेट तक मेहनताना इन महिलाओं को मिल रहा है। एक महिला क्वालिटी के अनुसार 20 से 25 जैकेट रोज बना लेती है।

एक महिला क्वालिटी के अनुसार 20 से 25 जैकेट रोज बना लेती है

महिलाओं को मार्केटिंग और ब्रांडिग का भी अनुभव

13 से 18 फरवरी, 2024 तक बदरवास क्लस्टर की महिला कारीगरों को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) परिसर में क्वालिटी, मार्केटिंग और वर्चुअल मर्चेंडाइजिंग पर एडवांस ट्रेनिंग भी दी गई। इस कोर्स में कपड़ा निर्माण की पेचीदगियां, बिक्री-मार्केटिंग की रणनीतियां और ब्रांड बनाने के पहलुओं को शामिल किया गया। ईडीआईआई ने हाल ही में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) गांधीनगर के साथ पार्टनरशिप की है। इस ट्रेनिंग का उद्देश्य महिलाओं को सही स्किल के साथ पेशेवर ज्ञान उपलब्ध कराना है। महिलाओं की बनाई जेकेट की लगातार बढ़ रही डिमांड को देखते हुए अब अडाणी ग्रुप भी जैकेट को बनाने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित करेगा। और तो और बदरवास के बूड़ाडोंगर में गारमेंट्स की एक फैक्ट्री लगाई जा रही है यहां 24 घंटे जेकेट बनाने का काम चलेगा। प्रारंभिक तौर पर1200 महिलाओ को रोजगार मिलेगा।

हमारी जिदंगी बदल दी इस काम ने

- राधा कुशवाह , ग्राम बारई कहती हैं कि हमने कभी सोचा नहीं थी कि हमारा स्टार्टअप इतना फेमस हो जाएगा। मिथलेश , ग्राम धामनटोक कहती हैं कि आजीविका मिशन के द्वारा क्लस्टर में शामिल सभी महिलाओं को प्रशिक्षण कराया गया था। हाल ही में प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा बनाई गई भी बदरवास प्रोड्यूसर कंपनी से निर्मित जैकेट की सेल दिल्ली में लगाई गई। यहां पर हमारे द्वारा निर्मित जैकेट की अच्छी खासी बिक्री हुई। 1 लाख 64 हजार रूपए का कलेक्शन रहा। इससे सभी महिलाएं उत्साहित हैं।

बैटरी चलित उपकरण से कटाई, गुड़ाई का काम

एग्रीकल्चर में इनोवेशन, न ईंधन का खर्च और न मजदूरों की टेंशन

प्रदीप शर्मा ⏭ रायपुर

किसानों के उत्थान और उनकी आमदनी दोगुनी करने अब फार्म मैकेनिज्म पर युवा उद्यमी फोकस कर रहे हैं। कृषि उत्पादन में पहले से उपयोग में लाए जा रहे पारंपरिक कृषि उपकरण में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती खपत तथा मूल्यवृद्धि से बेहाल किसानों की रही-सही हिम्मत कृषि मजदूरों की बढ़ती मजदूरी खत्म कर देती है। इधर नई पीढ़ी इस संघर्षपूर्ण स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता खोजने का जिज्ञासा रखती है। छत्तीसगढ़ के युवा इसकी मिसाल बनकर सामने आए हैं। इन्होंने धान, गेहूं फसल की कटाई, गुड़ाई में प्रयुक्त पुराने उपकरणों का तोड़ बैटरीचलित उपकरण तैयार कर खोज निकाला है, जो किफायती होने के साथ ही पूरी तरह इको फ्रेंडली भी है, इसके कलपुर्जे सौर ऊर्जा से चलते हैं। छत्तीसगढ़ के 20 युवाओं ने मिलकर एक्सो सोलर संस्था बनाई है। स्टार्टअप के तहत शुरू की गई इस संस्था से तैयार बैटरीचलित उपकरणों ने न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि दूसरे राज्य के किसानों तक अपनी पैठ बनाई है। अंडमान और लेह-लद्दाख के किसान भी इसका फायदा उठाने लगे हैं।

छह साल पहले छोड़ी नौकरी अपनाई उद्यम की राह

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय युवा उद्यमियों को उनके नए आइडिया को स्टार्टअप में बदलने का मौका दे रहा है। अपने अनुभव साझा करते हुए रायपुर निवासी हरीश जैन ने बताया कि व टाटा पॉवर कंपनी में बतौर पॉवर इंजीनियर कार्यरत थे। 6 साल पहले उन्होंने नौकरी छोड़कर उद्यम की राह अपनाई। एक्सो सोलर संस्था देश-विदेश के किसानों के बीच जाकर नई तकनीक को बढ़ावा देने के मकसद से काम कर रही है।

3 हजार किसान इस उन्नत कृषि उपकरण का लाभ ले चुके हैं

टार्टअप से जुड़े युवा उद्यमी हरीश जैन का कहना है, उनके साथ 20 युवाओं ने मिलकर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की रावा स्कीम को आधार बनाकर प्रोजेक्ट तैयार किया है। हमारा मकसद कृषि कार्य में उपयोग आने वाले पेट्रोल व डीजल चलित यंत्रों को बैटरीचलित उपकरण में बदलना है। हमने ब्रश, कटर और बैटरी बनाई है। इसी तरह पॉवर ब्रीडर सहित अन्य नए इक्विपमेंट बनाकर बेचना शुरू किया है। इन उपकरणों की खासियत ये है कि इससे ध्वनि प्रदूषण नहीं होता। अब तक 3 हजार किसान इस उन्नत कृषि उपकरण का लाभ ले चुके हैं। किसान मेला में जाकर हमने उन्हें इसके फायदे बताए। किस तरह वे बैटरी चलित कृषि उपकरणों का उपयोग कर कृषि कार्य में ईंधन और मजदूर का खर्च बचा सकते हैं।

भोपाल के युवा ने यूके बेस्ड एआई रिलेटेड सॉफ्टवेयर डेवलप कर कई जटिल परेशानियों को बनाया आसान

बेहतर आवेदकों को मिनटों में छांटकर कंपनियों, संस्थानों के एचआर को करता है नियुक्ति देने में मदद

हायरसेंस- एआई4बीइंग ने कॉर्पोरेट कंपनियों युवाओं और बेरोजगारों में जगाई नई उम्मीद

संजीव सक्सेना ⏭ भोपाल

प्रदेश में खास स्टार्टअप हायरसेंस ने इन दिनों देश ही नहीं विदेशों में भी धूम मचा रखी है। एआई4बीइंग लिमिटेड यूके बेस्ड एआई रिलेटेड साफ्टवेयर डवलपमेंट कंपनी है। स्टार्टअप हायरसेंस के तहत इस कंपनी की शुरूआत मार्च 2024 में की गई है। कंपनी ने कार्पोरेट कंपनियों, संस्थानों, युवाओं और बेरोजगारों में उनकी सफलता और समस्याओं के समाधान के लिए नई उम्मीद जगा दी है। अगर किसी पद पर नियुक्ति के लिए आवेदकों की भीड़ में से इंटरव्यू के आधार पर सबसे बेहतर आवेदक को अलग करना हो, तो यह काम अब हायरसेंस कुछ ही मिनट में कर देता है। इतना ही नहीं, यह आवेदक को इंटरव्यू से पहले की तैयारी भी कराता है। जिससे कॉलेजों के फ्रेंशर्स से लेकर बेरोजगारों में नई उम्मीद जागी है। फाउंडर्स के अनुसार हायरसेंस का अर्थ सेंसिबल हायरिंग है। किसी कंपनी, संस्था अथवा अन्य संस्थान के एचआर को अगर आवेदकों की भीड़ में से संस्थान द्वारा जारी पद के उपर्युक्त आवेदक को इंटरव्यू के आधार पर छांटना हो तो यह बहुत कठिन होगा, क्योंकि हजारों इंटरव्यू निश्चित समय में करना आसान नहीं होता। स्टार्टअप के फाउंडर पुनीत शर्मा और अरुल हैं। पुनीत शर्मा भोपाल से हैं, जो अब यूके (यूनाइटेड किंगडम) में सेवाएं दे रहे हैं। वहीं, अरुल चेन्नई से हैं। यह भी यूके में ही सेवाएं दे रहे हैं। पुनीत हर साल दिसंबर में भोपाल अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने आते हैं।

एआई4बीइंग एक साफ्टवेयर के माध्यम से कर सकता है एक साथ सैकड़ों युवाओं का इंटरव्यू

इन्हें मिलेगा विशेष लाभ

कंपनी के फाउंडर्स का कहना है कि वर्तमान में एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन) और टीएनएसडीसी (तमिलनाडु स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) सहित कई महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ कार्य करने की तैयारी है। इस कंपनी के माध्यम से युवा, कॉलेज फ्रेशर्स जो इंटरव्यू से झिझकते हैं, उनके साथ ही ऐसे बेरोजगार जो इंटरव्यू में कई बार सफल नहीं हो पाते, उन्हें इंटरव्यू की तैयारी में मदद करता है। महिला, पुरुष, शहर, गांव से लेकर देश और विदेश तक इस सुविधा का लाभ हर वह व्यक्ति ले सकता है, जो किसी न किसी रूप में समाज के साथ जुड़कर जीवनयापन कर रहा है। यह सुविधा हर इंसान के जीवन में सार्थक बदलाव लाने के लिए है, जो लगातार बदलाव लाकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रही है।

पत्रकारिता का मूल है आमजन और मूल धर्म है आमजन के सरोकार। आम आदमी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव का वाहक बने, वही खबर है, वही असल पत्रकारिता। इस दौर में भी हरिभूमि पत्रकारिता के मूल धर्म का पालन कर रहा है। बीते वर्ष में हरिभूमि ने आम आदमी के लिए संघर्ष किया। आवाम की दिक्कतों को समझा, उन्हें खबरों के माध्यम से मंच दिया। आम आदमी की उलझनें कम हुईं, जटिल गांठें खुल गईं। शासन और प्रशासन ने भी नकारात्मक खबरों को सकारात्मक भाव से लिया, यह देखना भी सुखद रहा। खबरों का असर हुआ...एक-दो या दर्जनों नहीं, बीते साल हरिभूमि की सैकड़ों खबरों ने अपना असर दिखाया। यह पेज उन्हीं खबरों की एक झलक है। नववर्ष में संघर्ष का सफर जारी रहेगा। आम और खास के बीच सेतु की भूमिका में हरिभूमि मजबूती के साथ खड़ा रहेगा। हमेशा की तरह...पत्रकारिता के मूल धर्म पर हम अडिग रहेंगे और जन सरोकार के लिए नववर्ष में संघर्ष करते रहेंगे। इसी संकल्प के साथ...सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं

- डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक, हरिभूमि समाचार पत्र समूह

हरिभूमि ने आम आदमी को दिया मंच, जन और तंत्र के बीच बना सेतु

जन सरोकार में बीता साल...संघर्ष का संकल्प, नववर्ष का आधार

चिंतन

नव वर्ष में प्रगति लक्ष्य के साथ रहेंगी चुनौतियां भी

अनेक उपलब्धियों और चुनौतियों के बीच भारत नव वर्ष में प्रवेश कर रहा है। चालू वर्ष 2024 में झटके के साथ राजग लगातार तीसरी बार सत्ता में आने में कामयाब रहा, नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बन कर पंडित जवाहर लाल नेहरू के रिकार्ड की बराबरी की। भारतीय राजनीति कास्ट से क्लास में शिफ्ट होती दिखी, विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी स्थापित हुए। महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की करिश्माई वापसी ने राजनीतिक विश्लेषकों को हैरान किया। हालांकि राजनीति में वोट पाने के लिए बढ़ती रेवड़ी कल्चर ने चिंता पैदा की है। भारत ने रक्षा, विज्ञान, बुनियादी ढांचा, सोशल वेल्फेयर समेत अनेक क्षेत्रों में वर्ष 2024 में उल्लेखनीय प्रगति की, लेकिन खाद्य महंगाई साल भर चिंता बनी रही है। रिजर्व बैंक के मौद्रिक उपायों से भी खाद्य महंगाई नियंत्रित नहीं हो सकी। दस वर्ष में करीब 24 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले, इसके बाद भी करीब 26 फीसदी आबादी बीपीएल श्रेणी में है। इसलिए खाद्य सुरक्षा कानून के तहत करीब 81 करोड़ लोगों को पांच किलो प्रति माह मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ, सोने की मात्रा बढ़ी, रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन में सोना वापस लिया, बैंकों का एनपीए (गैर निष्पादित संपत्तियां) रिकार्ड न्यूनम स्तर पर आया। बजट के जरिये कृषि और उद्योग के विकास पर ध्यान दिया गया, पर इस क्षेत्र की वृद्धि दर सुस्त ही रही। कृषि क्षेत्र तो डेढ़ फीसदी का स्तर पर नहीं पा सकी। यह चिंता का विषय है। जीडीपी के स्तर पर भी तीसरी तिमाही में गिरावट देखने को मिली। इससे वित्त वर्ष के जीडीपी आंकड़े पर असर पड़ेगा। नए रोजगार सृजित हुए, लेकिन जरूरत के हिसाब से काफी कम है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस समेत कई क्षेत्र में भारत का ग्लोबल रैंकिंग सुधरा। इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारत ने इस वर्ष और प्रगति की। सड़क, रेल, एयरपोर्ट, पोर्ट हर क्षेत्र में नए निर्माण हुए। सागरमाला परियोजना के तहत बंदरगाहों की क्षमता में वृद्धि हुई है, बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा है और बंदरगाहों की कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है। विज्ञान के क्षेत्र में उम्मीदों को इस वर्ष नए पंख लगे। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत को एआई से जुड़ी प्रतिभा और आईसीटी से जुड़ी सेवाओं के निर्यात में पहला, एआई से संबंधित वैज्ञानिक प्रकाशनों में पहला, एफटीटीएच की सदस्यता एवं मोबाइल इंटरनेट की ट्रैफिक के मामले में दूसरा और घरेलू बाजार के पैमाने के मामले में तीसरा स्थान दिया गया है। भारत ने पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइनः डब्ल्यूआईपीओ 2024 रिपोर्ट में शीर्ष 10 देशों में स्थान हासिल किया। उच्च शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य तकनीक, सेमीकंडक्टर और डिजिटल क्षेत्र में भी प्रगति की। वैश्विक संघर्षों और भूराजनीतिक विखंडन से भरे इस वर्ष में भारत ने अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया जारी रखी। वैश्विक मोर्चे पश्चिम एशिया में तनाव व रूस व यूक्रेन के बीच जारी जंग के बावजूद भारत ने कूटनीतिक प्रगति की, शक्ति संतुलन साधे रखा और चीन के साथ तनाव कम किया, हालांकि पाक व बांग्लादेश के साथ तनाव बढ़ा। नए वर्ष में नई उम्मीद है, भारत आर्थिक, विज्ञान, शिक्षा, उद्योग, कृषि आदि क्षेत्र में अपनी प्रगति का मोमेंटम बनाए रखेगा, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल की धारणा और मजबूत होगी। इसी के साथ महंगाई, रोजगार सृजन, सब्सिडी बोझ, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार आदि चुनौतियां बनी रहेंगी। बांग्लादेश नया सिरदर्द बन कर उभरा है, जिससे निपटना होगा। अमेरिका में ट्रंपराज में भारत की वैश्विक भूमिका और मजबूत होगी। संयुक्त राष्ट्र में सुधार की आपनी मांग पर भारत कायम रहेगा।

अलविदा 2024

डॉ पवन कुमार शर्मा

केंद्र की नई पहल और योजनाएं

पूरी दुनिया के साथ साथ वर्ष 2024 भारत के लिए भी बेहद खास रहा. देश में ऐसे कई महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम हुए, जिसने एक देश के रूप में भारत को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चाहे वो अर्थव्यवस्था, सामाजिक कल्याण और देश के बुनियादी ढांचे का विकास हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्रों में नीतियों और पहलों का निर्धारण. भारत की तरफ से दुनिया को यही संदेश दिया गया कि अब न केवल देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है. बल्कि मजबूत हाथों में भी है। हम आपको उन महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी वर्ष 2024 के दौरान एनडीए सरकार ने घोषणाएं कीं...आपको उन योजनाओं के बारे में भी बताएंगे जिनका विस्तार किया गया है। आपको उन नए कानूनों और विधेयकों के बारे में भी बताएंगे जिनका भारत की आम जनता के जीवन में सीधा सरोकार है। 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'भारतीय न्याय संहिता 2023', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023' को मंजूरी दी। ये नए आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू हुए और पहले के आपराधिक कानूनों- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ले ली। भारत सरकार ने 29 फरवरी, 2024 को पीएम सूर्य घरः मुफ़्त बिजली योजना को मंजूरी दी ताकि छत पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के ज़रिए आवासीय घरों में बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाया जा सके। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों के लिए घरों के निर्माण में सहायता करने का फैसला लिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2024 में 500 शीर्ष भारतीय कंपनियों के लिए एक नई इंटर्नशिप योजना की घोषणा की गई, जिसके तहत पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान किया जाएगा। कैबिनेट ने 21 फरवरी, 2024 को अंतरिक्ष क्षेत्र पर एफडीआई नीति में संशोधन को मंजूरी दी. सुधारों का उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र में एफडीआई नीति प्रावधानों को उदार बनाना है। केंद्र सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा लाए गए भारत की सिविल सेवा पेंशन प्रणाली के 21 साल पुराने सुधार को उलट दिया, एक नई 'एकीकृत पेंशन योजना' का अनावरण किया, जो पुरानी पेंशन योजना के समान है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के उच्च प्रदर्शन वाले बायोमैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए बायो ई3 (इकनॉमी, एनवायरमेंट और एंप्लॉयमेंट के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखी, जो भारत के सबसे बड़े गहरे पानी के बंदरगाहों में से एक बनने वाला है। इस बंदरगाह का उद्देश्य भारत के समुद्री अवसंरचना को बढ़ावा देना है। भारत की दूसरी अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बी, आईएनएस अरिघाट को 29 अगस्त, 2024 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले- ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग बनाने की बात कही ताकि 'हर गली-मोहल्ले में शासन को मज़बूत किया जा सके। मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आय की परवाह किए बिना 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवर को मंजूरी दी। इस निर्णय से लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलने की संभावना है। कैबिनेट ने 18 सितंबर, 2024 को शुक्र ऑर्बिटर मिशन के विकास को मंजूरी दी. इस कार्यक्रम का उद्देश्य चंद्रमा और मंगल से परे शुक्र की खोज और अध्ययन करना है। कैबिनेट ने 20 नवंबर, 2024 को वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन को मंजूरी दी, जो विद्वानों के शोध लेखों और जर्नल प्रकाशनों तक देशभर में पहुंच प्रदान करने की योजना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर 2024 को बहुचर्चित 'वन नेशन, वन इलेक्शन' विधेयक को मंजूरी दी, जो लोक सभा, राज्य विधान सभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय जीवन बीमा निगम यानी कि एलआईसी की बीमा सखी योजना का लाभ 18 से 70 वर्ष तक की महिलाएं जो दसवीं कक्षा पास कर चुकी हैं ले सकती हैं। कैबिनेट ने आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए 79,156 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दी। इसमें 63,000 गांव शामिल होंगे।

((लेखक फ्रीलांसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ऊर्जा-उल्लास से सराबोर हो नव वर्ष

उम्मीदें
अरविंद जयतिलक

> यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे, क्योंकि यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे धकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, सर्वधर्म सम्भाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है।

नए वर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ आइए हम संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ऊर्जा और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभकामनाएं प्रस्फुटित हों ऐसी कामना करेंगे। यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे, क्योंकि यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे धकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म सम्भाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है। आइए हम समवेत प्रयास के जरिए आशान्वित हों कि यह नया साल भी उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को एक नया संकल्प, नई ऊंचाई और नया विचार देगा। विचारों के इस संकल्प को उर्वरता और मुखरता प्रदान करने के साथ उत्थान व विकास की नई लकीर खींचेगा। ऐसा इसलिए कि राष्ट्र व समाज के उत्थान में ही स्वयं के उत्थान व विकास के बीज निहित होते हैं।

भारतीय जनमानस को इस नए साल में इसी उत्थान व विकास के बीज के प्रकीर्णन का संकल्प लेना होगा। इस बीज के प्रस्फुटन से ही देश में तरक्की का अमृत रस छलकेगा और सौहार्द का वातावरण निर्मित होगा। तरक्की व सौहार्द के जुड़ाव से ही राष्ट्र व समाज की चेतना मजबूत होगी। नए संकल्पों के जरिए ही मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। राष्ट्र का मान और शान बढ़ेगा। कामना करें कि यह नया साल इन्हीं संकल्पों को पूरित करने का एक सात्विक क्षण बने। इसी क्षण के संकल्पों के जरिए ही भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैर बराबरी और धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव को मिटाया जा सकता है। इसी क्षण में भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों को सहेजा जा सकता है। इसी क्षण में लोककल्याण के मार्ग के विघ्न-बाधाओं को दूर किया जा सकता है। बस संकल्पों को साधने और मूर्त रूप देने की जरूरत है। यह कार्य हम छोटे-छोटे प्रयासों के जरिए कर सकते हैं। बस सिर्फ अपने आसपास सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की जरूरत है। हमारे आसपास अभावग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। हम चाहें तो इन्हें मदद पहुंचाकर और जागरूकता के जरिए नए साल का उपहार दे सकते हैं। इस समय भीषण ठंड है। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके पास गरम कपड़े नहीं हैं। वे ठंड से ठिठुर रहे हैं। गौर करें तो हर वर्ष ठंड और भूख से हजारों लोग मरते हैं। हम इन्हें कपड़े और भोजन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा और सेवा का व्रत ले सकते हैं। इसी सेवा भाव से हम स्कूल जाने वाले गरीब बच्चों की मदद कर सकते हैं। कई छोटे-बड़े स्वयंसेवी संगठन इस पुनीत कार्य में जुटे हैं। अगर यहीं कार्य हर संपन्न व्यक्ति

के स्तर से हो तो समाज के अभावग्रस्त लोगों की जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा हो तो समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। यह सकारात्मक संदेश रूपी ऊर्जा ही किसी राष्ट्र को दुनिया के अग्रिम देशों की कतार में खड़ा करती है। उसके सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है। अंतिम हाशिए पर खड़े-पड़े अभावग्रस्त लोगों के होठों पर मुस्कान व मिठास बिखेरती है। हम भी ऐसा कर गांधी जी के रामराज वाले सपने को साकार कर सकते हैं।

देश की तकरीबन सभी सरकारें इस दिशा में सकारात्मक पहल कर रही हैं। रैन बसेरों के जरिए बेघर लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। केंद्र व राज्य सरकारें गरीबों और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं, लेकिन बढ़ती आबादी की चुनौतियों को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए जन-जन की भागीदारी और सहभागिता बेहद आवश्यक है। हम हर वर्ष लाखों टन भोजन बर्बाद बर्बाद कर देते हैं। अगर हम इसी भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचा दें तो उनका भला हो सकता है। वैसे भी भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-विचार मिल जुलकर रहने और मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा देती है। हमें उन आजमाए मूल्यों पर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे आसपास हजारों ऐसे लोग हैं जो बीमार और अस्वस्थ हैं। उनके पास धन का अभाव और जागरूकता की कमी है। हम चाहे तो उन्हें आसानी से सहयोग कर अस्पताल पहुंचा सकते हैं। विचार करें तो इस कार्य में देश के लाखों चिकित्सक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले गरीब लोगों का निःशुल्क इलाज व दवा प्रदान कर उनकी सेवा कर सकते हैं। चिकित्सकों को दूजा भगवान की संज्ञा दी गई है। लिहाजा उन्हें भगवान जैसा आदर्श विचार का संकल्प लेना चाहिए। इसी तरह देश के वकील, नौकरशाह, सरकारी कर्मचारी और उद्योगपति भी देश को संवारने में अपना सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। देश प्रदूषण की समस्या से कराह रहा है। हर वर्ष लाखों लोग प्रदूषण से जान गंवा रहे हैं। उनकी उम्र कम हो रही है। इस प्रदूषण के लिए कहीं न कहीं हम खुद जिम्मेदार है। देश में नशाखोरी भी एक भयावह समस्या है। विगत दशकों में हर छोटे-बड़े समारोहों में शराब सेवन का प्रचलन बढ़ा है। इससे युवाओं का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। शराब सेवन के कारण समाज में अपराध और बलात्कार जैसी बुराइयां बढ़ रही हैं। युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति बढ़ी हैं। कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। इस वर्ष युवाओं को संकल्प लेना होगा कि वह शराबखोरी और ध्रूम्रपान का परित्याग करेंगे। गांधी जी ने नशामुक्त भारत का सपना देखा था। उस सपने को देश के युवाओं को पूरा करना चाहिए।

भारत एक विविधतापूर्ण बहुधर्मी व संस्कृति संपन्न देश है, लेकिन जब देश में धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव होते हैं तो देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचती है। हिंसा से हजारों लोगों की जान जाती है। हजारों करोड़ की संपत्ति का सर्वनाश होता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि इन हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने के लिए युवाओं का इस्तेमाल होता है। अभी गत वर्ष ही देश में कुछ नीतिगत मसलों पर व्यापक स्तर पर हिंसा और उपद्रव देखने को मिला। इस उपद्रव में बड़े पैमाने पर युवा चेहरे शामिल देखे गए। यह ठीक नहीं है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी है और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए।

सच तो यह है कि युवा वर्ग ही देश में बदलाव का सबसे बड़ा संवाहक है। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधे पर है। आइए हम इस नए वर्ष में भारत राष्ट्र व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

बड़े भाग मानुष तनु पावा

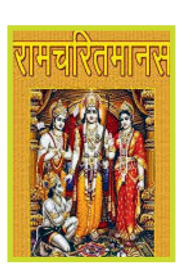

संकलित
दर्शन

संवाद का ऐसा सांगोपांग निर्वहन संसार के किसी स्मृति साहित्य में नहीं मिलेगा, जो श्रीरामचरितमानस में है। पूरा मानस भक्त काकभुशुंडि और ज्ञानी पक्षीराज गरुड़ के बीच का संवाद है। भक्त काकभुशुंडि वक्ता हैं और ज्ञानी गरुड़ श्रोता हैं। भक्त प्रतिपादन कर रहा है और ज्ञानी जिज्ञासा कर रहा है। भक्त के प्रतिपादन में भावना का वह समुद्र लहराता है, जिसमें तनिक भी खारापन नहीं होता है और ज्ञानी की जिज्ञासा में कुतर्क का अभाव होता है। भक्त और ज्ञानी दोनों का परम उद्देश्य रामराज्य है, जो आचरण के उपादान के बगैर संभव नहीं है। समग्र रामकथा श्रवण के पश्चात पक्षीराज गरुण काकभुशुंडि जी से सात प्रश्नों की जिज्ञासा करते हैं। पहला प्रश्न पूछते हुए वह कहते हैं कि सबसे दुर्लभ शरीर कौन सा है? काकभुशुंडि जी उत्तर देते हैं कि मनुष्य शरीर सबसे दुर्लभ है, क्योंकि मैंने स्वयं भी इसी शरीर के रहते भगवान और उनकी भक्ति को पाया है। वह कहते हैं कि मनुष्य तन ही वह उपलब्धि है, जो मोक्ष सुख का अनुभव भी करा सकता है। स्वर्ग के सुख को लोग भले ही श्रेष्ठ मानते हों, पर अंत में वह भी अल्प है और दुख का कारण बनता है। भक्त के जीवन में जो प्राप्त शरीर है, वह भी आराध्य को पाने का उपादान होने के कारण पूज्य हो जाता है। संसार में भी किसी व्यक्ति के सहयोग से यदि हमें कुछ विशेष उपलब्धि हो गई हो तो हम जीवन भर उसके कृतज्ञ रहते हैं, उसी प्रकार काकभुशुंडि जी कह रहे हैं कि शरीर मिथ्या तो तब होगा, जब इसका उद्देश्य भोगों की प्राप्ति हो, पर जब वही शरीर भगवत्प्राप्ति का साधन बन जाए तो वह अपने अभीष्ट को पाकर धन्य हो जाता है।

गुरु ज्ञान से व्यक्ति की सोच बदल सकते हैं

संकलित
प्रेरणा

ऋषि वशिष्ठ श्रीराम के कुलगुरु थे। इन्हीं की सलाह पर राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। यज्ञ के फल से श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। इन्होंने वशिष्ठ पुराण, वशिष्ठ श्राद्धकल्प, वशिष्ठ शिक्षा आदि ग्रंथों की रचना भी की। जब विश्वामित्र एक राजा थे, तब एक दिन वे शिकार खेलते-खेलते बहुत दूर निकल आए। आराम करने के लिए वे ऋषि वशिष्ठ के आश्रम में रुके थे। आश्रम में विश्वामित्र ने कामधेनु नंदिनी गाय को देखा। नंदिनी गाय को देख विश्वामित्र ने वशिष्ठ से कहा कि ये गाय आप मुझे दे दीजिए, लेकिन ऋषि वशिष्ठ ने कामधेनु को देने से मना कर दिया। राजा विश्वामित्र कामधेनु को बलपूर्वक अपने साथ ले जाने लगे। विश्वामित्र कामधेनु के लिए युद्ध तक करने के लिए तैयार हो गए थे पर तब ऋषि वशिष्ठ के कहने पर नंदिनी गाय ने विश्वामित्र सहित उनकी पूरी सेना को भगा दिया। राजा विश्वामित्र को अपने सैनिकों सहित वापस राज्य में लौटना पड़ा। ऋषि वशिष्ठ का ऐसा प्रभाव देखकर विश्वामित्र बहुत हैरान हो गए। विश्वामित्र ने सोचा की तप में कितना बल है कि एक व्यक्ति अपने तप से सभी को प्रभावित कर सकता है। इस घटना के बाद विश्वामित्र ने राज-पाठ छोड़ दिया और तप करने लगे। वशिष्ठ जी के ज्ञान और तप के प्रभाव से विश्वामित्र की सोच बदल गई और बाद में वे भी बह्मर्षि बन गए। गुरु अपने ज्ञान और तप से किसी भी व्यक्ति की सोच बदल सकते हैं।

अंतर्मन

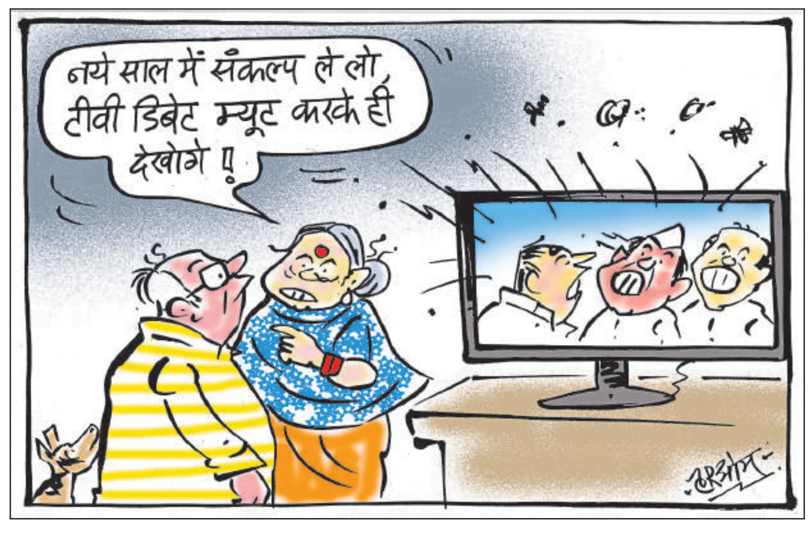

आज की पाती

पिछली गलतियों का एहसास भविष्य की रचना

नया वर्ष 2025 आने वाला है। इन 2024 वर्षों में दुनिया ने बहुत से क्षेत्रों में तरक्की की है। इनसान ने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए बहुत सी चीजों का आविष्कार किया है। इनसान चांद तक पहुंच गया है। समय के साथ हर क्षेत्र में बदलाव जरूरी है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। 2024 वर्षों में बेशक इनसान ने बहुत तरक्की की है और यह भी अटल सच्चाई है कि बीता हुआ समय वापस नहीं आ सकता है, लेकिन जो समय बीत गया है, हमें उस पर मंथन जरूर करना चाहिए और अपनी गलतियों और कमजोरियों पर विचार करना चाहिए, ताकि हम आने वाले समय में और तरक्की और विकास कर सके। पिछली गलतियों से सबक लेकर भविष्य को संवारा जा सकता है।

- संतोष नायक, महासमुंद

करंट अफेयर

चार्ल्स की नव वर्ष सम्मान सूची में 30 एनआरआई

सामुदायिक नेताओं, प्रचारकों, शिक्षाविदों और चिकित्सकों समेत 30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवरों को शुक्रवार रात लंदन में जारी ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स की 2025 नववर्ष सम्मान सूची में शामिल किया गया है। श्रीलंकाई और भारतीय मूल के कंजर्वेटिव सांसद रानिल मैल्कम जयवर्धने को राजनीतिक एवं सार्वजनिक सेवा के लिए और हाल में इस्तीफा देने वाले इंग्लैंड पुरुष फुटबॉल टीम के प्रबंधक गैरेथ साउथगेट को खेल क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए 'नाइटहुड' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। नववर्ष सम्मान सूची में खेल, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वैच्छिक सेवा समेत विभिन्न क्षेत्रों के 1,200 से अधिक लोगों को शामिल किया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा, 'आम लोग अपने समुदायों के लिए रोजाना असाधारण काम करते हैं। वे सेवा के उस ब्रितानी मूल्य का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे मैं इस सरकार द्वारा किए जाने वाले हर काम के केंद्र में रखता हूं। नए साल की सम्मान सूची में इन गुमनाम नायकों का सम्मान किया गया है और मैं उनके अविश्वसनीय योगदान के लिए उनका धन्यवाद करता हूं।'

ऑफ बीट

इंसान जल्द ही चंद्रमा पर खनन कार्य कर सकेंगे

इस दशक के अंत तक, विभिन्न देश और निजी कंपनियां संभवतः चंद्रमा की सतह पर खनन कार्य कर रही होंगी। लेकिन जैसे-जैसे अंतरिक्ष तक ज्यादा से ज्यादा देशों और कंपनियों की पहुंच होती जाएगी, हमें रुककर स्वयं से यह पूछना होगा कि हमे चंद्रमा के साथ साथ और कहां, किन वाणिज्यिक गतिविधियों की अनुमति देनी चाहिए। अब समय आ गया है कि ऐसे नियम बनाए जाएं जो अंतरिक्ष में मानवता के साझा भविष्य की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि चंद्रमा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रतीक और प्रेरणा बना रहे। 1. चांद पर खनन क्यों? नासा का अरबों डॉलर का 'आर्टेमिस' कार्यक्रम सिर्फ अंतरिक्ष यात्रियों को चांद पर भेजने को लेकर नहीं है। यह खनन कार्यों के लिए रास्ता बनाने को लेकर भी है। चीन भी इसी राह पर है। इस सबने एक नई 'चंद्र दौड़' शुरू कर दी है, जिसमें निजी कंपनियां यह पता लगाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं कि चंद्रमा के संसाधनों को कैसे निकाला जाए और इसे ब्रह्मांडीय आपूर्ति श्रृंखला में सरकारों को बेचा जाए। फिलहाल, अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए सभी सामग्रियां पृथ्वी से भेजी जाती हैं, जिससे पानी और ईंधन जैसी आवश्यक वस्तुएं अत्यधिक महंगी हो जाती हैं। जब एक लीटर पानी चंद्रमा पर पहुंचता है तो उसकी कीमत सोने से भी अधिक हो जाती है।

ट्रेंड

सपना साकार करने को प्रतिबद्ध

2024 को कई उपलब्धियों से चिह्नित किया गया है, जिन्हें वीडियो में आश्चर्यजनक रूप से संक्षेपित किया गया है। हम 2025 में और भी अधिक मेहनत करने और विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कोविड दुनिया को आकार देने आया

31 दिसंबर 2019 को, डब्ल्यूएचओ ने चीन के वुहान में 'वायरल निमोनिया' के मामलों पर अपनी वेबसाइट से स्वास्थ्य आयोग का एक मीडिया बयान उठाया था। उसके बाद सामने आए महीनों और वर्षों में, कोविड 19 हमारी दुनिया को आकार देने आया।

-डॉ टेड्रोस, यूएन महासचिव

आपने सम्मान क्यों नहीं किया

बीजेपी वाले मुझे गालियां दे रहे हैं, जब से पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा हुई। क्या मुझे गाली देने से देश का फ़ायदा होगा? आपकी 20 राज्यों में सरकारें हैं। गुजरात में 30 साल से सरकार है। आपने उनका सम्मान क्यो नहीं किया?

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम दिल्ली

पौराणिक कथाओं का खजाना

कहानी सुनाना मनोरंजन के सभी रूपों के केंद्र में है और हमारे पास कहानियों, पौराणिक कथाओं का खजाना है। जब हम अपने तकनीकी और डिजिटल कौशल को समृद्ध कथा इतिहास से जोड़ते हैं, तो वैश्विक केंद्र बनने की आकांक्षा कर सकते हैं।

-आनंद महिंद्रा, उद्योगपति

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

होंडा, निसान के विलय से प्रतिस्पर्धा बढ़ने, बेहतर उत्पादों की उम्मीद

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिग्गज वाहन विनिर्माताओं होंडा और निसान की विलय योजना का वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ने की संभावनाओं के बीच भारतीय बाजार में भी इलेक्ट्रॉनिक वाहन खंड में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है। यह भविष्य में बेहतर उत्पादों के रूप में वाहन खरीदारों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। वाहन उद्योग के जानकारों का मानना है कि दोनों जापानी कंपनियों का आने वाले समय में इलेक्ट्रॉनिक वाहन (ईवी) खंड पर विशेष जोर रहने की उम्मीद है। इसकी वजह यह है कि दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वाहन बाजारों में से एक भारत में ये दोनों कंपनियां मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। हालांकि होंडा भारतीय बाजार में 1990 के दशक से ही मौजूद है जबकि निसान को भी यहां कदम रखे हुए करीब 20 साल हो चुके हैं।

विलय का बाजार पर पड़ सकता है गहरा असर

तेजी से बढ़ते इस खंड में दोनों कंपनियों की साझेदारी भारत समेत तमाम वाहन बाजारों पर गहरा असर डाल सकती है। होंडा और निसान के शीर्ष अधिकारियों ने बीते हफ्ते विलय योजना से संबंधित समझौता ज्ञापन की घोषणा की तो इसे भारतीय वाहन बाजार में भी काफी उत्सुकता से देखा गया।

भारतीय बाजार में दोनों के सीमित उत्पाद

इतने लंबे समय से मौजूद रहने के बावजूद ये कंपनियां भारतीय बाजार में अपनी पैठ मजबूत कर पाने में खास कामयाब नहीं हो पाई हैं। दोनों कंपनियों के पोर्टफोलियो में भारतीय बाजार में बहुत सीमित उत्पाद हैं। होंडा के पास सिटी, अमेज, एलिवेट और होंडा हाइब्रिड जैसे मॉडल हैं तो निसान मैग्नाइट और एक्स-ट्रेल मॉडलों के दम पर अपना वजूद बनाए हुए है।

होंडा की हिस्सेदारी दो फीसदी से भी कम

हालत यह है कि करीब 40 लाख वाहनों की सालाना बिक्री वाले भारतीय यात्री वाहन बाजार में होंडा की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है जबकि निसान के मामले में यह आंकड़ा एक प्रतिशत से भी कम रह गया है। मौजूद दौर में तेजी से बढ़ रहे ईवी खंड में भी इनकी हिस्सेदारी नगण्य है। इस विलय योजना और भारतीय बाजार पर इसके असर को लेकर होंडा कार्स इंडिया और निसान मोटर इंडिया दोनों ने ही कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन वाहन उद्योग के जानकारों का मानना है कि निसान मोटर्स को ईवी खंड में हासिल महारत इस गठजोड़ के लिए पासा पलटने में मददगार हो सकती है।

शेयर बाजारों में 2024 में बढ़िया मुनाफा निवेशकों की संपत्ति 77.66 लाख करोड़ बढ़ी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति 2024 में 77.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स आठ प्रतिशत से अधिक चढ़ा। विश्लेषकों ने कहा कि इस वर्ष में उतार-चढ़ाव के साथ तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच रस्साकशी देखी गई।

दुनिया भर में अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय बाजारों ने बेहतरीन मुनाफा दिया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, वर्ष 2024 बाजारों के लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन फायदेमंद रहा। जनवरी से सितंबर तक निफ्टी लगातार चढ़ता रहा और 26,277.35 के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

बीएसई में पूंजीकरण 400 लाख करोड़ पहुंचा

इस साल आठ अप्रैल को पहली बार बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। पीएल कैपिटल - प्रभुदास लीलाधर के निदेशक (शोध, संस्थागत इक्विटी) अमनीश अग्रवाल ने कहा, साल की शुरुआत में मुद्रास्फीति में कमी, ब्याज दरों में कटौती और भाजपा के फिर से जीत कर आने की उम्मीद में एक मजबूत तेजी देखी गई।

अगस्त में येन कैरी ट्रेड खत्म किया गया

ऐसे में सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। चुनाव परिणाम हालांकि भाजपा के पक्ष में थे, लेकिन पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। ऐसे में बाजार में एक संक्षिप्त गिरावट देखने को मिली। उन्होंने कहा कि इसके बाद अगस्त में 'येन कैरी ट्रेड' को खत्म कर दिया गया, जिसने अस्थिरता के एक और दौर को जन्म दिया।

साल के अंतिम दिन शेयर बाजारों में गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी लगातार जारी रहने और वैश्विक बाजारों के कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार वर्ष 2024 के अंतिम कारोबारी दिन मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 109 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रहा।

पीपीएफ समेत सभी लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें स्थिर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीपीएफ और एनएससी सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें एक जनवरी, 2024 से शुरू चौथी तिमाही के लिए अपरिवर्तित रहेंगी। वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया, 'वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी।'

अधिसूचना के अनुसार सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। तीन साल की सावधि जमा पर दर तीसरी तिमाही में दी जा रही 7.1 प्रतिशत पर बनी रहेगी। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र. 37/न.पा.नि./जोन क्र. 07/2024-25 दिनांक 31/12/2024

नगर पालिक निगम बिलासपुर के जोन क्र. 07 अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड / सबमिट करने की अंतिम तिथि
163627	क्षेत्रिय कार्यालय बिलासपुर में द्वितीय तल निर्माण कार्य (मिटींग हॉल एवं रिकार्ड रूम), बोर खनन कार्य, वाहन हेतु शेड निर्माण कार्य, **Interlocking Paver Block** कार्य, चौकीदार कक्ष निर्माण कार्य, अहाता निर्माण कार्य एवं इत्यादि	87.53	20/01/2025

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** से दिनांक **31/12/2024** से डाउनलोड की जा सकती है।

सम्पत्तिकर दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन **nigambilaspur.com/ptis** पर किया जाता है

कार्यपालन अभियंता
जोन क्र. 07
न.पा.नि बिलासपुर (छ.ग.)

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO LTD

O/o Executive Director (S&P), 3rd Floor, SLDC Building, CSPTCL, Raipur (C.G.)

No.02-16/ ED/ TR-24/ S&P/25 & 27/ 1620 Raipur, Date: - 31.12.2024

E-TENDER NOTICE

Sealed tenders are invited for deployment of following Manpower through outsourcing & Procurement of EHV Sub-Station material as under :-

SN	Tender No.	Particulars	E.M.D (in Rs.)	Last date of submission of tender	Due date of opening of tender
1.	TR-24/S&P/25 RFx. No- 8100040994	Line Attendant Gr-III (unskilled) / Peon	23,000/-	21/01/2025 (15.00 Hr.)	21/01/2025 (15.30 Hr.)
2.	TR-24/S&P/27 RFx. No- 8100040995	Procurement of 33KV CTR 400/1-1-1A	14,500/-	21/01/2025 (15.00 Hr.)	21/01/2025 (15.30 Hr.)

Note:- For all other details of NIT, please visit our website- www.cspc.co.in.

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR (S&P), CSPTCL, RAIPUR

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.

(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A successor company of CSEB) (CIN-U40108CT2003SGC015820)
OFFICE OF EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL) Shed No.5, Dangania, Raipur (CG)- 492013
Phone No. : 0771-2574581 e-mail:ceciviltrans.raipur @cspc.co.in Fax No. : 0771-2574146

No.-04-01/Trans./Works/ 3178 Raipur, dtd. 30.12.2024

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited from eligible/experienced contractors for following works:-
Tender Spn.No.-04-01/C-Trans./W/24-25/106, Rfx No.-8100040678:- Hiring of 01 no. new suv category vehicle with one driver for 03 year for official use of Superintending Engineer (Civil) Circle, CSPTCL, Jagdalpur.; **NIT Value:**-Rs. 25.35 Lakhs **& EMD:-** Rs. 25,400/-, **Contract Period:-**36 Months.Cost per tender document to be submitted online for tender **is Rs.5000/- (i/c GST).** Last date for submission of bids upto 12:15 Hrs. **dtd. 21.01.2025.** The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724 /irj /portal

(D.K. Tuli)
SAVE ELECTRICITY Executive Director (Civil) CSPTCL, Raipur

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

क्रमांक/परि.शा./न.नि./2024/1630/272 भिलाई दिनांक 31/12/2024

E-Procurement Tender Notice
Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

आयुक्त, नगरपालिक निगम भिलाई की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम नं.	निविदा लागत राशि	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	नगरपालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्थित छ.ग. पाल्यूशन बोर्ड कार्यालय के समीप पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	163487	37.43 लाख	17.01.2025
2	नगरपालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नेहरु नगर चौक से केपीएस चौक तक बायी तरफ पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	163560	25.23 लाख	18.01.2025
3	नगरपालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत गौरव पथ तथा दाई तरफ आनंद प्लास्टिक दूकान से पोट्टु रामलु चौक तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	163536	28.69 लाख	18.01.2025
4	जोन 02 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत गौरव पथ कलारीन माता चौक से कब्रिस्तान के पास नहर तक नकटा तालाब के पास एवं हाउसिंग बोर्ड लाल पानी टंकी के आस पास पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य।	163533	60.00 लाख	18.01.2025
5	नगरपालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत आकाश गंगा सुपेला मार्ग का डामरीकरण कार्य।	163576	58.06 लाख	20.01.2025
6	वार्ड 26 राम नगर पोल नंबर 401 से गौरव पथ मकान नंबर 38 से 07 तक पोल नं 19/17 से गौरव पथ दूबे पान पैलेस तक त्रिकोणा पार्क के आसपास मार्ग मार्गो का डामरीकरण कार्य।	163590	47.78 लाख	21.01.2025

निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज आनलाईन जमा की जाये। उक्त कार्य हेतु दी जाने वाली दरे आनलाईन (Online) दी जावें। उपरोक्त कार्य हेतु निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्रं.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	163365 चतुर्थ आमंत्रण 24.12.2024	जिला सूरजपुर के प्रतापपुर में नवीन व्यवहार न्यायालय भवन का निर्माण कार्य ।	700.44
2	163228 प्रथम आमंत्रण 24.12.2024	जिला सरगुजा के रजपुरी से भूसु मार्ग पर डोमनी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	280.97
3	163532 द्वितीय आमंत्रण 27.12.2024	जिला बीजापुर के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 63 से गोरला मिन्नुर मार्ग के कि.मी. 2/8 चिंतावागु नदी पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	726.60

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 दिनांक 06.01.2025 सं.क्र. 03 दिनांक 14.01.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 17.01.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है ।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर
अटल नगर

G-242504974/2

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निआसू क्रमांक 37,38,39,40,41/वलेलि /2024-25 जगदलपुर, दिनांक 30/12/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनकी अमानत राशि रू. 1.50 लाख एवं निर्धारित समयावधि 10 माह वर्षाकाल सहित।

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	2	3	4
01	163447	बस्तर जिले के विकासखंड लोहण्डीगुड़ा के मगर पखना मिचनार स्टापडेम का निर्माण कार्य सह सोलर पंप एवं विद्युत कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	280.69 लाख
02	163450	बस्तर जिले के विकासखंड दरभा के कान्दानार स्टापडेम सह सोलर पंप का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	289.37 लाख
03	163452	बस्तर जिले के विकासखंड दरभा के राजामुण्डा स्टापडेम सह सोलर पंप का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	291.43 लाख
04	163453	बस्तर जिले के विकासखंड दरभा के पेदापारा (मण्डवा) स्टापडेम सह सोलर पंप का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	292.95 लाख
05	163454	बस्तर जिले के विकासखंड तोकापाल के बड़े आरापुर स्टापडेम सह सोलर पंप का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	289.67 लाख

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 06.01.2025 17:31 Hours
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 20.01.2025 17:30 Hours

रिमार्कः- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी छत्तीसगढ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 06.01.2025 समय 17:31 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है।

कार्यपालन अभियन्ता
टी.डी.पी.पी. जलसंसाधन संभाग,
जगदलपुर कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-242504966/1

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड

"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर - 492018 फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website- www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स कुरूद / 4-2/2024-25 / 6415 रायपुर, दिनांक 30/12/2024

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in
Sub Portal : http://samb. eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति कुरूद, जिला धमतरी की ओर से छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 17.01.2025 , फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 23.01.2025

क्रं	कार्य का नाम / स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर. विवरण
1	नवीन मंडी प्रांगण कुरूद में पूर्व निर्मित ओपन प्लेटफार्म क्रमांक 01 एवं 02 को कव्हर्डशेड ऑक्शन हॉल (शेड) में परिवर्तन एवं मंडी क्षेत्रांतर्गत दो स्थानों में सी. सी. रोड निर्माण। (द्वितीय आमंत्रण)	275.60	लो.नि.वि. भवन, सड़क कार्य हेतु दि. 01.01.2015 से प्रभावशील एस. ओ. आर.

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर देखे जा सकते है।

सही /- सचिव
कृषि उपज मंडी समिति कुरूद जिला धमतरी

सही /- भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति कुरूद जिला धमतरी

S-42627/1

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

प्रथम निविदा- ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ) Website www.cgmsc.gov.in
Main portal - http://eproc.cgstate.gov.in क्रं/ 12156 /निर्माण/2024 दिनांक 31/12/2024

स. क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रू. लाख)
1	10235	जिला सूरजपुर के क्रिटीकल केयर हेल्थ ब्लॉक (CCHB) भवन सूरजपुर में 50 Point Medical Gas Pipe Line स्थापना कार्य । (प्रपत्र - ब)	17.50
2	10236	जिला सरगुजा के क्रिटीकल केयर हेल्थ ब्लॉक (CCHB) भवन अम्बिकापुर में 50 Point Medical Gas Pipe Line स्थापना कार्य । (प्रपत्र - ब)	17.50
3	10237	जिला कोण्डागांव के क्रिटीकल केयर हेल्थ ब्लॉक (CCHB) भवन कोण्डागांव में 50 Point Medical Gas Pipe Line स्थापना कार्य । (प्रपत्र - ब)	17.50
4	10238	जिला दुर्ग के क्रिटीकल केयर हेल्थ ब्लॉक (CCHB) भवन दुर्ग में 50 Point Medical Gas Pipe Line स्थापना कार्य । (प्रपत्र - ब)	17.50
5	10239	जिला राजनांदगांव के क्रिटीकल केयर हेल्थ ब्लॉक (CCHB) भवन राजनांदगांव में 50 Point Medical Gas Pipe Line स्थापना कार्य । (प्रपत्र - ब)	17.50
6	10240	जिला बस्तर के क्रिटीकल केयर हेल्थ ब्लॉक (CCHB) भवन जगदलपुर में 50 Point Medical Gas Pipe Line स्थापना कार्य (प्रपत्र - ब)	17.50
		निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 07/01/2025 से देखी जा सकती है। जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 28/01/2025 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी ।	

S-42620/1 अधीक्षण अभियंता

कार्यालय, नगर पंचायत डौण्डीलोहारा, जिला बालोद (छ.ग.)

क्रमांक /579/लो.नि.वि./न.पं./2024-25 डौण्डीलोहारा, दिनांक 31/12/2024

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत डौण्डीलोहारा क्षेत्रांतर्गत अधोसंरचना मद अंतर्गत 02 कार्य अनु. लागत 28.21 लाख हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से लोक निर्माण विभाग भवन एस.ओ.आर. 01/01/2015 एवं प्रचलित इलेक्ट्रिकल्स एस.ओ.आर. से प्रभावशील निविदा कार्य अनुसार प्रपत्र (ए) एवं (बी) में वर्तमान संशोधन से समान/कम/अधिक प्रतिशत/एस.ओ.आर. दर पर मुहरबंद लिफाफे में तीन लिफाफा पद्धति से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 13/01/2025 समय 3.00 बजे तक
2. परीक्षण पश्चात निविदा प्रपत्र जारी करने का दिनांक व समय - 22/01/2025 समय 4.00 बजे तक
3. स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्त होने का दिनांक - 30/01/2025 समय 3.00 बजे तक
4. निविदा खुलने का दिनांक व समय - 30/01/2025 समय 4.00 बजे

उपरोक्तानुसार कार्य की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालय नगर पंचायत डौण्डीलोहारा के नोटिस बोर्ड पर एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाईट में www.uad.cg.gov.in देखा जा सकता है।

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग प्रदान करें एवं समय पर कर अदा करें
" स्वच्छ नगर, स्वच्छ डौण्डीलोहारा, सम्पूर्ण कर समय पर अदा करें "

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत डौण्डीलोहारा
जिला-बालोद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद् नारायणपुर, जिला - नारायणपुर (छ.ग.)

दूरभाष — 07781-252278 , Email-cmonarayanpur@rediffmail.com

क्रमांक/2031/ मु.न.अ./न.पा.परि./2024 **मैनुअल पद्धति निविदा सूचना** नारायणपुर, दिनांक 31.12.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नगरपालिका परिषद् नारायणपुर में निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल पद्धति निविदा पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट से त्री लिफाफा पद्धति में सीलबंद निविदाएं अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जाती हैः-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि :- 21/01/2025 सांय 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 23/01/2025 सांय 5.30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- 28/01/2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि :- 28/01/2025 सांय 5.30 बजे

क्रं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	सयमावधि	ठेकेदार की श्रेणी	निविदा प्रपत्र
1	समुदायिक शेड निर्माण (गायत्री मंदिर के पास)	15.00	11300.00	04 माह	समक्ष श्रेणी	750.00

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् नारायणपुर

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति - राजिम, जिला गरियाबंद (छ.ग.)

क्रमांक/मंडी/निर्माण/ राजिम / 2024-25/1181 राजिम, दिनांक - 30.12.2024

मैन्युअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति - राजिम, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) अन्तर्गत निम्न दर्शित निर्माण कार्य / स्थल एवं कार्य के सम्मुख दर्शित लागत अनुसार कार्य कराये जाने हेतु छ.ग. शासन लोक निर्माण में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में द एवं उच्च वर्ग के पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें केवल पंजीकृत डाक से 04 लिफाफा पद्धति से दिनांक- 05.02.2025 को सायंकाल 5.30 बजे तक छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग भवन / सड़क कार्य हेतु दिनांक – 01.01.2015 से एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक – 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं इस निविदा के जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर निविदा प्रपत्र - अ (प्रतिशत दर) में कार्यालय सचिव, कृषि उपज मंडी समिति-राजिम, जिला-गरियाबंद (छ.ग.) आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदायें इस कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों / प्रतिनिधियों के समक्ष दिनांक 06.02.2025 को दोपहर 02.00 बजे खोली जायेगी।

(1) निविदा प्रपत्र प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि : 20.01.2025 को सायं 05.30 बजे तक।
(2) निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि : 27.01.2025 को सायं 05.30 बजे तक।
(3) निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि : 05.02.2025 को सायं 05.30 बजे तक।
(4) निविदा प्रपत्र खोले जाने की प्रारंभिक तिथि : 06.02.2025 को दोपहर 02.00 बजे तक।

निर्माण कार्यों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निर्माण कार्यों का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत की राशि रू. में	समयावधि (वर्षा ऋतु सहित)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम चेंजरा में बाजार चौंक में शेड निर्माण कार्य	13.83	10500/-	04 माह	1000
2	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम गनियारी में बजरंग चौंक में रंगमंच निर्माण कार्य	2.90	2900/-	04 माह	1000
3	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम बोड़की में साहू पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.74	6000/-	06 माह	1000
4	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम बासीन (खपरीपारा) में आदिवासी पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.74	6000/-	06 माह	1000
5	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम पेण्ड्रा में साहू पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.74	6000/-	06 माह	1000
6	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम हथखोज में शक्ति लहरी के पास शेड निर्माण कार्य	8.08	6100/-	04 माह	1000
7	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम लचकेरा / खपरी में जयस्तंभ चौंक में शेड निर्माण कार्य	11.42	8600/-	04 माह	1000
8	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम बारूला में ग्राम पंचायत के पीछे शेड निर्माण कार्य	13.78	10600/-	04 माह	1000
9	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम देवरी में राजेन्द्र नागरची के घर से महंगू ब्यारा तक एवं लक्ष्नु यादव के घर से रामकुमार साहू के घर तक कुल 200 मी. सी.सी. रोड सह नाली निर्माण कार्य	8.86	6700/-	04 माह	1000
10	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम गुण्डरदेही में बाजार वार्ड में शेड निर्माण कार्य	9.42	7100/-	04 माह	1000
11	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम सिंधौरी में रंगमंच के पास शेड निर्माण कार्य	7.06	5300/-	04 माह	1000
12	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम कौन्दकेरा में पानी टंकी के पास शेड निर्माण कार्य	12.57	9500/-	04 माह	1000
13	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम कौन्दकेरा में राम नगर सतधरा के पास शेड निर्माण कार्य	6.41	4900/-	04 माह	1000
14	जिला गरियाबंद, विखं. फिंगेश्वर, ग्राम कण्डेल में बाजार चौंक में शेड निर्माण कार्य	11.10	8400/-	04 माह	1000
15	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम बोरिद में मानस भवन के पास शेड निर्माण कार्य	7.54	6000/-	04 माह	1000
16	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम देवरी में साहू समाज भवन के पास शेड निर्माण कार्य	5.15	3900/-	04 माह	1000
17	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम सहसपुर में दुर्गा मंदिर के शेड निर्माण कार्य	11.10	8400/-	04 माह	1000
18	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम चौबेबांधा में पाल पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.74	6000/-	06 माह	1000
19	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम पेण्ड्रा में शीतला मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.74	6000/-	06 माह	1000
20	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम भेण्डरी (जा.) में शीतला मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	7.74	6000/-	06 माह	1000
21	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम पसौद में अटल चौंक में कव्हर्ड शेड निर्माण कार्य	13.78	10600/-	04 माह	1000
22	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम सिर्रीकला में मेन रोड से मनहरण नाई के घर तक 220 मी. सी.सी. रोड निर्माण कार्य	7.36	5600/-	04 माह	1000
23	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम पाली में बाजार चौंक में शेड निर्माण कार्य	13.78	10600/-	04 माह	1000
24	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम चरौदा में बाजार चौंक में शेड निर्माण कार्य	13.78	10600/-	04 माह	1000
25	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम बरोण्डा में कव्हर्ड शेड निर्माण कार्य	16.93	12700/-	04 माह	1000
26	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम पिपरछेड़ी में साहू भवन के पीछे कव्हर्ड शेड निर्माण कार्य	10.43	7900/-	04 माह	1000
27	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम पुरैना में ग्राम पंचायत बिनौरी में कव्हर्ड शेड निर्माण कार्य	16.93	12700/-	04 माह	1000
28	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम परसदाजोशी में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	19.05	9000/-	04 माह	1000
29	जिला गरियाबंद, वि.खं. फिंगेश्वर, ग्राम बकली में सीयाराम साहू के घर से संतराम साहू के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	5.82	7500/-	03 माह	1000

(01) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये वैध पंजीयन, श्रम कल्याण मण्डल (ई.पी.एफ.) का पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक साल्वेंसी (एक साल से पुराना न हो एवं अनुमानित लागत का 15 प्रति की मूल्य का), जी.एस.टी. पंजीयन, पेन कार्ड की मूल प्रति अवलोकनार्थ तथा आवेदन सहित समस्त दस्तावेजों की नोटरी से सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत करने के उपरान्त दिनांक- 27.01.2025 तक कार्यालयीन समय में निर्धारित शुल्क रूपये 1000/- की नगद राशि जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। (02) अमानत की राशि राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ.डी.आर./टी.डी.आर. या डाक विभाग द्वारा जारी एन.एस.सी. के रूप में सचिव, कृषि उपज मंडी समिति-राजिम, जिला - गरियाबंद के नाम से दये ही स्वीकार्य होगी । (03) अन्य शर्तें एवं निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में दिनांक - 20.01.2025 तक देखे / प्राप्त किये जा सकते हैं जो कि निविदा अनुबंध का अनिवार्य भाग है। (04) इस आमंत्रित निविदा अनुसार उपरोक्त कार्यों के लिए निविदा दर प्रस्तुतीकरण के संदर्भ में लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन का परिपत्र क्रमांक 625/3675/टी/11/19/ निविदा रायपुर, दिनांक- 05.03.2011 द्वारा प्रभावशील नियम लागू / प्रभावशील है। (05) उपरोक्त कार्य हेतु यदि निविदाकार द्वारा लागू दर / दर अनुसूची में 10 प्रतिशत से कम दर कोट किया जाता है तो निविदा हेतु स्पेशल शर्तें लागू होंगी। तदानुसार अन्तर की राशि सचिव, कृषि उपज मंडी समिति - राजिम के नाम एफ. डी. आर. के रूप में अनुबंध निष्पादन के पूर्व जमा करना होगा। शर्तों की प्रति निविदाओं के साथ प्रदाय की जायेगी। (06) लिफाफा - अ में ई. एम. डी. एवं शपथपत्र, लिफाफा - ब में समस्त दस्तावेजों (वैध पंजीयन, श्रम कल्याण मण्डल (ई.पी.एफ.) का पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक साल्वेंसी, जी. एस.टी. पंजीयन पेन कार्ड) की मूलप्रति की छायाप्रति, लिफाफा -स में निविदा प्रपत्र एवं लिफाफा -द में लिफाफा - अ, ब एवं स को भरकर प्रस्तुत किया जायेगा तथा लिफाफा -द में कार्य क्रमांक एवं कार्य का नाम स्पष्ट उल्लेख करें।

सचिव,
कृषि उपज मंडी समिति - राजिम
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

भारसाधक अधिकारी,
कृषि उपज मंडी समिति - राजिम
जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

S-42623/1

लोक साहित्य

डा. मृणालिका ओझा

छत्तीसगढ़ी शिष्ट कथाओं में अलौकिकता

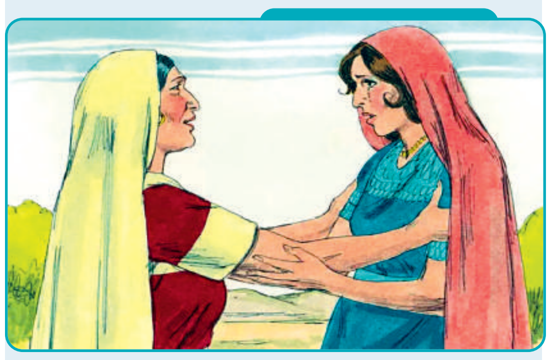

छत्तीसगढ़ अंचल के ग्राम्य जन जीवन में लोगों के मानस पटल पर आज भी अलौकिक दृश्यों के लिए सीधे ईश्वरीय कृपा के प्रत्यक्षीकरण का विश्वास बना हुआ है। अंचल के शिष्ट कथाओं में अलौकिकता की जगाए आकस्मिक घटनाओं का संयोजन जैसे बाढ़ आना, अकाल पड़ना, दुर्घटना होना, लाटरी मिलना, खजाने की खोज होना, नौकरी का नियुक्ति आदेश मिलना आदि घटित करके कथाकार ईश्वर की कृपा की सूचना देता है। इस तरह की अलौकिकता उनके जीवन में दिशा परिवर्तन के लिए तथा विशिष्ट कर्म में उन्हें प्रेरित करने के लिए आज भी आधार बनी हुई है। लोक में ऐसी बहुत सी घटनाएं हैं जिन्हें अपशकुन या शकुन का सूचक माना जाता है। लोक विश्वास का अंत आज तक नहीं हो पाया है। पढ़े लिखे सभ्य और व आधुनिक माने जाने वाले लोगों में भी यह लोक विश्वास अब तक गहरी जड़ें जमाए हुए हैं।

धार्मिक

डा.राघवेन्द्र कुमार 'राज़'

पौष माह का आंचलिक महत्व

हिंदू रिवाज में ' पौष मास' को लघु पितृपक्ष भी कहा गया है। इस माह में पितृतर्पण, गंगा-स्नान और दान करना शुभ माना गया है। पौराणिक कथा के अनुसार -सप्त अश्वरथ पर सवार सूर्य जी ब्रह्माण्ड की परिक्रमा करते हैं।अनवरत परिक्रमा के दौरान अश्व थक जाते हैं। अश्वों की कारूणिक दशा देख सूर्य देव करूणार्द्र हो उठते हैं। घोड़ों को विश्राम के लिए मुक्त कर दिए जाते हैं। जनजीवन के ठहर जाने के आशंका से रथ को बिना रोके खर अर्थात गधे को जोड़ दिए जाते हैं। गधे की धीमी गति के कारण रथ की गति धीमी हो जाती है और एक महीने में ब्रह्माण्ड की परिक्रमा पूर्ण कर लेते हैं। इसीलिए इस मास को खरमास कहा जाता है। सूर्य का तेज़ कम होना शुभकारी नहीं होता। धनु राशि में सूर्य की उपस्थिति इसीलिए पौष महीनें में मांगलिक कार्य जैसे -विवाह, गृहप्रवेश, अन्नप्राशन, नामकरण ' यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न नहीं होते और न ही जमीन-जायदाद,वाहन खरीदे जाते हैं।सगाई के अलावा बहू -बेटी की विदा भी नहीं की जाती। 'पौष मास' को गर्भिणी स्त्री के लिए शुभ माना गया है।'पौष मास' सूर्य देव की पूजा के लिए समर्पित है। सूर्योपासना से ऐश्वर्य, धन, तेज, बल, बुद्धि, यश, ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। विष्णु और लक्ष्मी जी की पूजा समृद्धि और कुशल स्वास्थ्यदायी सिद्ध होती है।

परंपरा

डा पी सी लाल यादव

केवट समाज और राव-भाठ

छत्तीसगढ़ में रहने वाली केंवट जाति मछली पकड़ने व पालने का काम करती है। कृषि और सागभाजी उत्पादन इनका मुख्य व्यवसाय है। नदी किनारे रहने वाले इस जाति के लोग नाव चलाने का भी काम करते हैं। इनका कहना है कि भगवान राम को अपनी नाव से गंगा पार कराने वाले निषाद राज इनके पूर्वज हैं। इस जाति के लोगों को आज भी छत्तीसगढ़ में निषाद राज या निखाद राज कह कर सम्मान दिया जाता है। यह भगवान राम के बड़े भक्त हैं। निषाद राज की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाते हैं। केंवट समाज द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न तीर्थ स्थलों व मेला स्थलों में भगवान राम के मंदिरों का निर्माण किया गया है, जिसमें राम, लक्ष्मण, व सीता के साथ चरण पखारते हुए केंवट की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। केंवट समाज के अपने राव भाठ होते हैं, जो वर्ष में एक बार गांव में आकर अपने सभी यजमानों के घर निषाद राज केंवट व भगवान राम का चरित्र गान करते हैं। इस अवसर पर यह राव भाठ इनके पूर्वजों की वंशावली की जानकारी देकर इनका गुणगान करते हैं। इनके द्वारा यजमान के घर मुख्य द्वार पर दीवारों में रामकथा से संबंधित चित्रांकन किया जाता है। यह चित्र बड़े सुंदर होते हैं। इन चित्रों में विशेषकर राम लक्ष्मण और सीता के चरण पखारते हुए केंवट का भित्ति चित्र जिसमें नाव भी अंकित रहता है।

छत्तीसगढ़ अंचल के कुछ मेला मड़ई के अगोरा रहीथे, जेमा दूरिहा दूरीहा के मनखे मन मनोरंजन करे खातिर आथें। एमा बस्तर में फागुन मड़ई के बड़ महत्व हे। कतकों जगा हर बछर तिथि विशेष में ही मड़ई के आयोजन करे जाथे। एमा राजिम मेला, शिवरीनारायण मेला, पीथमपुर मेला, पैरी मेला, बानबरद मेला, मोहारा मेला, असईने हर जिला आऊ विकासखंड में मेला मड़ई हमर अंचल के चिनहारी आय।जब खेत के धान ह पक के काटे लइक हो जथे तब हूम-धूप जलाके खड़ी फसल के पूजा अरचना करके कटाई किये जाथे।

अंचल के महत्वपूर्ण मेला मड़ई

मेला मड़ई : भोलाराम सिन्हा 'गुरुजी'

मड़ई धान के बढ़ोना के बाद समृद्ध -वृध्दि होय के प्रथम आयोजन आय।छत्तीसगढ़ के गांवों म मड़ई के आयोजन करे के पहली बैठक सकलाथे, बैठक म गांव भर के सियान मन मड़ई के आयोजन अउ नाचा लाने के फैसला लेथे। जेन दिन गांव के बाजार होथे उही दिन मड़ई के आयोजन करे जाथे।गांव म मड़ई गोवर्धन पूजा ले होली के बीच म मनाय जाथे।मड़ई तिहार ह आपसी सदभाव अउ राष्ट्रीय एकता के प्रतीक आय। बोल चाल के भासा म मड़ई के मततब मिलन होथे, ये तिहार के माध्यम ले मितान ,अपन दूर दराज के सगा जइसे दीदी -भाटो, मामी -ममा, मोसी- मौसा,भाची -भाचा आदि मन संग मेल मेलाप तको हो जथे।गांव के बइगा मड़ई देवता के पूजा अरचना करथे।मड़ई के दिन मुधरहा ले होटल, हलवाई ,पान ठेला, मनिहारी समान, खिलौना वाला, रइचुली, गोल झुला सब लाइन से दुकान लगाय रथे।येती राउत मन अपन पारंपरिक वेस-भूषा म नृत्य करत दोहा लगाथे- पूजा करे पुजेरी भइया अउ धोवा चउंर चढ़ाय । पूजा परत हे मोर देवता के ,लइया छोर मताय।नंद बाबा के नौ लाख गइया अउ गली म दूध दुहाय। दूध दही के पूरा

बोहाय रे,लेंवना के पार बंधाये।बाजा बाजथे ताहन राउत मन नाचथे कूदथे। अरे र...र...र...के आवाज ले बाजा बंद हो जथे। जेन राउत ल दोहा पारना होथे ओला पहली अरे र...र...र..केहे ल पड़थे,फेर दोहा पारथे। दोहा के दौर चलत रथे अउ नाचत कुथत रथे।रातकुन नाचा के कार्यक्रम होथे लोगन मन रात भर नाचा के आनंद लेथे।

परब विशेष : डा. नीलकंठ देवांगन

दान दे के भाव जगाथे छेरछेरा

कृषि संस्कृति के उपज छेरछेरा दान पुन के महा परब आय। अन्नदान ल महादान माने जाथे। जब खरीफ के फसल खेत ले कट के खलिहान में रखे जाथे तब मन प्रसन्न रिथे। जब घर में धान के कोठी लबालब भरे होथे त खुशी के ठिकाना नि रहे।माने जाथे कि दान दे ले घर में समृद्धि आथे, जेकर ले आत्मिक संतुष्टि मिलथे। खाली इही जनम भर में नहीं अवैया जनम में घलो एकर पुन प्रभाव हमला मिलथे। पूष महीना के पुन्नी के दिन ए परब ला मनाय जाथे। ए दिन सब घर अपन ले जतका हो सके दान करे में कमी नी करें।ए दिन छोटे बड़े, नोनी बाबू सियान जवान टोली बना के घरों घर जाके छेर छेरा माई कोठी के धान ल हेर हेरा या छेरिक छेरा माई कोठी के धान ल हेरिक हेरा कहीके छेरछेरा मांगथें। कखरो मुड़ में टूकनी त कखरो हाथ में झोला होथे। छेरछेरा मांगे के अंदाज अनोखा होथे। कुछ बाजा गाजा संग नाचत गावत छेर छेरा मांगथे, कुछ मन डंडा नाचत वातावरण ल महकावत रंग बगराथें। दैवइया लेवइया दूनो खुश रिथे। ए तिहार मनाय के पाछू कतकों धार्मिक मान्यता बताय जाथे। बेरा के प्रभाव येहु तिहार में देखे ल मिलथे। मूल स्वरूप में भले परिवर्तन देखे ल मिलथे तब ले तिहार के महत्व कम नि होय हे।

कला जगत

अर्चना पाठक

छत्तीसगढ़ में महाभारत कालीन रतनपुर

महाभारत काल में छत्तीसगढ़ का रतनपुर , जो नगर शासन का भी प्रमुख केंद्र था। महाभारत काल में यह राज्य हैहयवंशी राजाओं की राजधानी थी। राजा मयूरध्वज की कथा अन्य पुराणों की भांति जैमिनी पुराण में भी दी गई है और इस पुराण में राजा मयूरध्वज की वंशावली का उल्लेख मिलता है, जिसमें सामाजिक परिवेश, विषयों का विवेचन और चिंतन है। इसमें उल्लेखित संगीत की पूर्व प्रचलित तीनों धाराओं का पर्याप्त प्रमाण मिलता है। यहां साम गायन और गाथा गायन का एक साथ उल्लेख मिलता है, इसे धार्मिक संगीत माना गया। उस समय समाज में संगीत सभी वर्गों के लोगों में प्रतिष्ठित हो चुका था। अप्सराओं के साथ, गंधर्वों के साथ संगीत का अभिन्न संबंध था। राज पुत्रियों और राज पुत्रों की संगीत शिक्षा अनिवार्य मानी जाती थी। राजा विराट ने अपनी पुत्री को संगीत सीखाने के लिए वृहनल्ल नामक संगीतकार को नियुक्त किया था। संगीत राजाओं के जीवन का अभिन्न अंग बन गया था। वे संगीत की ध्वनि से ही सोते और जागते थे। प्रशस्ति गान हेतु सूत, मागध, चारण आदि नियुक्त किए जाते थे। इसी काल में ही गुरु शिष्य परम्परा का प्रचलन प्रारंभ हो चुका था। गंधर्व संगीत विशारद, कुशल नृत्य गीत विशारद व संगीताचार्य होते थे, इनके द्वारा संगीत की शिक्षा प्रसारित होती थी।

ऐतिहासिक

डा. रामकुमार बेहार

पांडुवंशीय काल में तिवरदेव

बलौदा ताम्रपत्र में पांडुवंशीय तिवरदेव का उल्लेख महाशिव तिवर राज के रूप में किया गया है। महाशिव तिवर राज पांडुवंशी सकल कोसल नरेश नन्नदेव का पुत्र था। राजिम ताम्रपत्र में तिवरराज को कोसल के स्वामी के रूप में वर्णन किया गया है। बलौदा एवं राजिम ताम्र पत्र का दक्षिण कोसल के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है। इस वंश के पूर्व पुरुष उदयन को बांदा जिले के कालिंजर शिलालेख में उस प्रदेश के राजा के रूप में वर्णित किया गया है। उनका शासनकाल लगभग पांचवीं सदी का अंतिम चरण था। मांडक शिलालेख के अनुसार इन्द्रबल के चार पुत्र थे, जिनमें ज्येष्ठ पुत्र वनराज (नन्न देव) ननेश्वर सिंहासन का उत्तराधिकारी बना, जिसे पृथ्वी पति भी कहा गया है। महाशिव तिवर देव की उपाधियों से संकेत मिलता है कि उसने दक्षिण कोसल पर पूर्ण विजय प्राप्त की थी। तिवर देव की प्रभुसत्ता उत्कल के प्रदेशों तथा अन्य मंडलों तक फैल गई थी अर्थात तिवर देव को सकल कोसलाधिपति कहा जाता था। महाशिव तिवर देव परम वैष्णव था तथा उसका राज चिन्ह गरुड़ था। तिवर देव के बाद उसका पुत्र नन्नराज अथवा महानन्नराज (द्वितीय) दक्षिण कोसल का अधिपति बना, उसका शासन अल्पकाल का रहा।

पेज एक के शेष

अब निमोरा में पकड़ी गई...

था। कंपनी का संचालक आकाश बंसल मूलतः मुरैना का रहने वाला है और पिछले एक साल से रायपुर की इस फैक्ट्री से गोरखधंधे के अंजाम दे रहा था। फैक्ट्री में तैयार होने वाले पनीर को पैक करने का सामान भी मिला है, जिसे जब्त कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान पनीर निर्माण से संबंधित किसी भी प्रकार के स्टॉक रजिस्टर, कीट रहित प्रणामपत्र, पैकिंग में पोषणकारी मान जैसे प्रोटीन की मात्रा आदि की जानकारी भी नहीं दी गई है।

सड़क किनारे बैठे 13 को ट्रक...

साल से ठीक पहले भगवान जग्गनाथ दर्शन के बाद अमरकंटक दर्शन करने गया था। रात में अमरकंटक से परिवार के लोग तूफान गाड़ी से वापस धमतरी लौट रहे थे। गाड़ी में महिलाओं और बच्चों को मिलाकर 14 लोग सवार थे। इसी दौरान सिलतरा ओवर ब्रिज के ऊपर गाड़ी में खराबी हो गई। गाड़ी के खराब होने पर चालक उसे बनाने का प्रयास कर रहा था, तभी लापरवाही पूर्वक बिलासपुर से आ रही ट्रक क्रमांक सीजी 08 एबी 8811 के चालक ने लापरवाही पूर्वक लोगों रौंदते हुए आगे निकल गया। घटना के बाद स्थल में चीखपुकार मच गई और सूचना मिलते ही सिलतरा पुलिस चौकी का स्टाफ घटना स्थल पर पहुंचा। जिसके बाद सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के लिए धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि बीती रात सिलतरा के पास इस सड़क दुर्घटना में हुए जानमाल के नुकसान से वे अत्यंत दुखी हैं। मृतकों के परिवारों के प्रति उनकी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

वाहन खराब होने की...

आगे बढ़ गया। इसमें मोनिका साहू पिता धर्मेंद्र साहू (14) व आराध्य साहू पिता निर्मल साहू 12) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। बाकी घायलों को पहले धरसींवा अस्पताल लाया गया, जहां नाजुक स्थितियों को देखते हुए कुछ लोगो को मेकाहारा और रामकृष्ण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जिसमे चार अन्य घायलों की स्थिति नाजुक बताया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिली...

रुपए की प्रोत्साहन राशि पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के रूप में प्रदान की है। छत्तीसगढ़ राज्य ने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के वित्तीय प्रबंधन के लिए जस्ट इन टाइम (जेआईटी) मॉडल और एसएनए स्पर्श प्रणाली को अपनाया है। यह प्रणाली वित्तीय प्रवाह को कुशल बनाते हुए निधियों के वितरण, ट्रैकिंग और भुगतान को आसान बनाती है। इसके तहत राज्य सरकार ने केंद्र की निधि को आरबीआई के ई-कुबेर नेटवर्क और राज्य की निधि को वित्तीय प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली (एफएमआईएस) के माध्यम से समेकित किया है। इस पहल से निधि के सही समय पर उपयोग और वास्तविक समय में व्यय की रिपोर्टिंग भी सुनिश्चित हुई है।

इस सुधार के तहत स्मार्ट भुगतान एल्गोरिथम का उपयोग किया गया है, जिससे भुगतान ट्रिगर नियमों के आधार पर वास्तविक समय में किया जाता है। इससे सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के परिणाम बेहतर हुए हैं। साथ ही, राज्य में डिजिटल प्लेटफॉर्म और पोर्टल्स का निर्माण कर आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा रहा है।

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम बीरेन ने मांगी माफी कांग्रेस ने कहा, पीएम मोदी भी करें 'पश्चाताप'

करीब डेढ़ साल से इस पूर्वोत्तर राज्य में चल रही है हिंसा

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन-चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। मणिपुर में बीते साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग

विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भारी दबाव में है और बीरेन सिंह को पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। एनडीए की सहयोगी एनपीपी ने भी मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है और नेतृत्व परिवर्तन करने की मांग की है। अब साल की समाप्ति पर मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल खराब रहा। नए साल 2025 में शांति की उम्मीद है

कैसे शुरू हुई हिंसा

मणिपुर में मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच हिंसा पिछले साल तीन मई को उस समय शुरू हुई थी जब मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ आदिवासी छात्रों संघ (एटीएसयूएम) ने एक रैली आयोजित की थी, जिसमें मणिपुरी समुदाय को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद से राज्य में हिंसा का सिलसिला जारी है, और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्र सरकार को अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा।

मोदी मणिपुर जाकर माफी मांगें : कांग्रेस

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह मंगलवार को राज्य में जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी। उनके माफी मांगने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने पूछा कि पीएम मोदी पूरे देश और दुनिया की यात्रा करते रहते हैं, लेकिन वहां जाकर माफी क्यों नहीं मांग सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर मणिपुर के लोगों को नजरअंदाज करने और जानबूझ कर मणिपुर का दौरा टालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी मणिपुर जाकर यह (माफी मांगने की बात) क्यों नहीं कह सकते? उन्होंने चार मई 2023 से जानबूझ कर राज्य का दौरा करने से परहेज किया है। भले ही वह देश और दुनिया भर में यात्रा कर रहे हैं। पीएम मोदी द्वारा नजरअंदाज करना मणिपुर के लोगों को समझ नहीं आ रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को दिया निर्देश

3 दिन में डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने की दी गई मोहलत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब सरकार को भूख हड़ताल पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए तीन दिन की मोहलत दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की वेकेशन बेंच ने पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर अगली सुनवाई दो जनवरी 2025 तक के लिए स्थगित कर दी। पंजाब एजी गुरमिंदर सिंह ने कोर्ट को बताया कि कल पंजाब बंद था। इसकी वजह से ट्रैफिक नहीं चला। इसके अलावा एक मध्यस्थ ने भी आवेदन दिया है जिसमें कहा गया है कि अगर यूनियन हस्तक्षेप करती है तो डल्लेवाल बातचीत के लिए तैयार हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वक्त मांगने के आवेदन को मंजूर कर लिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को 31 दिसंबर तक का समय दिया था। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे कि क्या चल रहा है, बातचीत के बारे में। अगर कुछ ऐसा होता है जो सभी पक्षों को स्वीकार्य है, तो हम समान रूप से खुश होंगे।

भूख हड़ताल पर डल्लेवाल

28 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक तौर पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह डल्लेवाल के अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में पंजाब सरकार के मुख्य सचिव और डीजीपी पंजाब की तरफ से दी गई रिपोर्ट को लेकर वह बिल्कुल खुश नहीं है। गौरतलब है कि डल्लेवाल 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर हैं और केंद्र सरकार से फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत किसानों की मांगों को मंजूर करने की मांग कर रहे हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रॉची

पत्रांकः– दिनांक–

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा ई–निविदा संख्या–23/2024-25/RWD /EE/RANCHI, PR No. 340601 Rural Work Department (24-25)#D द्वारा दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ था। जिसे अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है। पुनः निविदा शीघ्र आमंत्रित की जाएगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, रॉची

PR 343335 (REO)24-25*D

भारत-नेपाल की सेनाओं के बीच सलझंडी में हुई सूर्यकिरण युद्धाभ्यास की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच मंगलवार को सलझंडी (नेपाल) में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई। यह 13 जनवरी 2025 तक चलेगा। सेना ने बताया कि दोनों देशों की पैदल सेना की बटालियन एक साथ अंतर-संचालनीयता और अनुभवों को साझा करने के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण करेंगे। युद्ध के अपरंपरागत खतरों जैसे आतंकवाद से मुकाबले, आतंकी अभियानों और मानवीय सहायता व आपदा राहत अभियान इसका हिस्सा होंगे। युद्धाभ्यास की शुरुआत के लिए नेपाली सेना की तरफ से एक पारंपरिक समारोह का आयोजन किया गया।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 50/ZONE 07/2024 RAIPUR DATED: 31.12.2024

Online bids are invited for the following works up to **23.01.2025** at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	163639	तात्यापारा वार्ड क्र. 37 में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से सफाई कार्य हेतु 45 श्रमिक (अकुशल श्रमिक) उपलब्ध कराये जाने का कार्य।	68.73

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 31.12.2024 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal. NIT Details and other documents.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal., 2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE NO. 07
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SPECIAL WORKS DIVISION, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT, Ranchi

CORRIGENDUM-1

e-Procurement Tender Reference No:- BCD/EE, Special Works Div, BCD, Ranchi-36/2024-25 Date:-03.12.24, PR No- 341129 (Building) 24-25*D, PR No- 341782 (Building) 24-25*D एवं **PR No- 342306 (Building) 24-25_D** Construction of Jharkhand Bhawan at Sector-30A, Vashi, Navi Mumbai, Maharastra कार्य के लिए बिड प्राप्ति की अन्तिम तिथि एवं निविदा खोलने की तिथि में कतिपय कारणों से संशोधन किया जा रहा है जिसका विवरणी निम्नवत हैः–

क्र0 सं0	मद	पूर्व निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
1	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि	30.12.2024	08.01.2025
2	निविदा खोलने की तिथि	31.12.2024	09.01.2025

शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

PR 343319 Building (24-25)_D

Nodal Officer, e-Procurement Cell
Office of the Executive Engineer,
Special Works Division
Building Construction Department, Ranchi

इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से बड़ा अटैक, एयरपोर्ट हुए बंद

एजेंसी ▶▶| तेल अवीव

इजरायल और हमास, हिजबुल्लाह के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इजरायल ने ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हूती के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है और यमन में हमले किए हैं। यमन ने भी बदले में इजरायल पर हमले किए हैं। सोमवार को यमन से एक बैलिस्टिक मिसाइल इजरायल की ओर दागी। इजरायली डिफेंस फोर्सेज के अनुसार यमन से आने वाली इस मिसाइल को पहले ही रोक लिया गया। सेंट्रल इजरायल को निशाना बनाते हुए दागी गई मिसाइल से अलर्ट के लिए इजरायल में सायरन बजते रहे।

यमन से इजरायल पर दागी गई मिसाइल

इजरायल से आई रिपोर्ट्स के अनुसार यमन से दागी गई मिसाइल सेंट्रल इजरायल के पास हारिश में जाकर गिरी। इजरायल की सेना ने कहा कि हम हूती विद्रोहियों से मुकाबले को तैयार हैं। लाल सागर कॉरिडोर में हमले के अलावा कई बार हूती विद्रोही इजरायल को निशाना बनाते हुए हमले कर चुके हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि जब तक इजरायल की ओर से गाजा में सीजफायर का ऐलान नहीं किया जाएगा, तब तक हमले जारी रहेंगे। संयुक्त राष्ट्र के कई बड़े अधिकारी हाल ही में यमन के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले में बाल-बाल बच गए। राजधानी सना के एयरपोर्ट पर यह हमला इजरायल ने किया था।

क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा की गिरफ्तारी पर लगी रोक

बेंगलुरू। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को नए साल से पहले बड़ी राहत मिली। उथप्पा के गिरफ्तारी वारंट पर अस्थाई रूप से रोक लग गई है। अब नए साल पर पूर्व भारतीय क्रिकेट के ऊपर से जेल जाने का खतरा टल गया है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने उथप्पा के गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगाई। उथप्पा पर भविष्य निधि (पीएएफ) के मामले धोखाधड़ी का आरोप लगा था, जिसके लिए उनका खिलाफ वारंट जारी हुआ था।

कार्यालय प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गीदम जिला - दन्तेवाड़ा (छ. ग.)

क्रमांक/ औप्रसं/स्था/ मे.प्र.भर्ती /2024 /2341 गीदम दिनांक 30.12.2024

// विज्ञापन सूचना //

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गीदम में व्यवसाय स्टेनोग्राफर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (हिन्दी) में प्रशिक्षण सत्र 2024-2025 प्रशिक्षण कार्य पुर्ण कराने हेतु प्रशिक्षण अधिकारी के रिक्त पदों के विरूद्ध मेहमान प्रवक्ता हेतु वांछित योग्यताधारियों से आवेदन आमंत्रित किये जा रहें हैं। योग्य आवेदक दिनांक 01.01.2025 से 15.01.2025 तक स्वंय संस्था में उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से अंतिम तिथी को सायं 05 बजे अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

अधिक जानकारी हेतु जिला दन्तेवाड़ा के एनआईसी पोर्टल https://dantewada.nic.in/notice_category/ भर्ती पर अवलोकर कर सकते हैं

प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गीदम
जिला-दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G -242504976/3

झारखण्ड सरकार
क्षेत्र सर्वेक्षण प्रमण्डल, अग्रिम योजना, पथ निर्माण विभाग, दुमका

अति–अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना (2nd call)

ई–निविदा प्रसंग सं0:–**RCD/FSD /AP/ DUM/21/2024-25**

दिनांकः–30.12.2024

1.	कार्य का नाम	**Consultancy services for preparation of viability and financial option analysis/Feasibility Study of Dumka-Hansdiha Road in PPP MODE.** Road Construction Department, Government of Jharkhand (GOJ) invites sealed lump sum financial proposals for **Consultancy services for preparation of viability and financial option analysis/Feasibility Study of Dumka-Hansdiha Road in PPP MODE** in connection with the construction subject mentioned road from consultants empanelled in Category- I with the Department vide letter no 3063(S) WE dated 22.08.2022are allowed to bid only.
2.	अनुमानित लंबाई (मीटर)	42 कि0मी0
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	20 दिन
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	03.01.2025, 10.30 बजे पूर्वाह्न
5.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	09.01.2025, 12.00 बजे अपराह्न तक
6.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	10.01.2025, 12.30 बजे अपराह्न
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, क्षेत्र सर्वेक्षण प्रमण्डल अग्रिम योजना, पथ निर्माण विभाग, दुमका।
8.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का संपर्क नं0	8292901787
9.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल को हेल्पलाईन नं0	0651–2401010

अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाईट पर देखें:–http://jharkhandtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता, क्षेत्र सर्वेक्षण प्रमण्डल, अग्रिम योजना, पथ निर्माण विभाग, दुमका।

PR.NO.343264 Road(24-25):D

राशिफल

मेष — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख–सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला — वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

भारत ने मामले में दिया हर संभव मदद का आश्वासन

केरल की नर्स को यमन में बड़ा झटका फांसी की सजा को राष्ट्रपति की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केरल के पलक्कड़ की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया को यमन में दी गई फांसी की सजा को राष्ट्रपति रशद मोहम्मद अल-अलीमी द्वारा दी गई मंजूरी के बाद भारत की प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में कहा कि इस मामले पर भारत के विदेश मंत्रालय की पूरी नजर है। हम जानते हैं कि निमिषा प्रिया का परिवार प्रासंगिक विकल्पों की तलाश कर रहा है। सरकार ने उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराने का भरोसा दिया है। यमन के राष्ट्रपति द्वारा निमिषा की फांसी की सजा को दी गई मंजूरी का एक महीने के अंदर क्रियान्वयन किया जाएगा।

'ब्लड मनी' के विकल्प से आखिरी आस

निमिषा की मां प्रेमा कुमारी फिलहाल यमन में हैं और उन्होंने अपनी बेटी को फांसी की सजा से मुक्त कराने के लिए यमन की परंपरा के अनुसार ब्लड मनी के विकल्प को चुना है। ब्लड मनी एक ऐसा मुआवजा है, जिसे मृतक का परिवार स्वीकार कर दोषी को माफी दे सकता है। हालांकि महदी के परिवार ने इस मुआवजे के लिए 5 करोड़ यमनी रियाल यानी लगभग 1.52 करोड़ भारतीय रुपए की मांग की है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ.ग)
E-mail:eebalram-phe.cg@nic.in

पत्र क्र. 4173/व.ले.लि./ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2024
बलरामपुर, दिनांक 30/12/2024

निविदा निरस्तीकरण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते हैं।

स. क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक/दिनांक	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	जी क्रमांक
1	159963	16/16.10.2024	61.18	242503259

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

G-242504968/1

शब्द पहेली - 5734

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -5733 का हल

सूडोकु नवताल - 5744

★★★★☆ मध्यम

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5743 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

भारत जीता तो रचेगा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया मैच जीतने या ड्रा कराने पर रहेगा आमादा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के चौथे मैच में 30 दिसंबर को भारत की जीत की सभी उम्मीदें धराशायी हो गईं, क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान 184 रनों से जीत हासिल की। चौथे टेस्ट मैच के परिणाम के बाद ऑस्ट्रेलिया 2-1 की बढ़त पर है। फैंस की नजर अब सीरीज के आखिरी और पांचवें टेस्ट पर टिकी हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024/25 का पांचवां टेस्ट 3 जनवरी से शुरू होकर 7 जनवरी को समाप्त होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 5.00 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस मैच शुरू होने से 30 मिनट पहले यानी सुबह 4.30 बजे होगा। भारतीय दर्शकों के लिए 5वां टेस्ट मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और डिज्नी+ हॉटस्टार के आधिकारिक ऐप या वेबसाइट पर लाइव उपलब्ध होगा।

सिडनी टेस्ट में स्टार्क को खेलने की उम्मीद

इधर, आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने स्वीकार किया कि मिचेल मार्श भारत के खिलाफ बल्लेबाजी में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि मिचेल स्टार्क सिडनी में पांचवां टेस्ट खेल सकेंगे। स्टार्क की फिटनेस आस्ट्रेलिया की चिंता का सबब बनी हुई है जो बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन से ही पसली में सूजन से जूझ रहे हैं। इस सूजन के बावजूद उन्होंने प्रभावी गेंदबाजी करके विराट कोहली का विकेट लिया। मैकडोनाल्ड ने कहा देखते हैं कि वह कैसे रिकवर करता है।

राडूकानू ने लिया आकलैंड क्लासिक से नाम वापिस

आकलैंड। पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडूकानू ने कमर की चोट के कारण आकलैंड टेनिस क्लासिक से नाम वापिस ले लिया है। बाईस वर्ष की ब्रिटिश खिलाड़ी राडूकानू को टूर्नामेंट में छठी वरीयता दी गई थी। उन्हें अमेरिका की रॉबिन मोंटगोमेरी के खिलाफ पहला मैच खेलना था। उन्होंने कहा मैंने अपनी ओर से फिट होने का पूरा प्रयास किया लेकिन कमर की चोट के कारण खेल नहीं सकूंगी। मेलबर्न में 12 जनवरी से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी के लिये यह टूर्नामेंट अहम माना जाता है।

जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ

बुलावायो। जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान ने यहां ड्रॉ रहे टेस्ट में अपना अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर बनाया। मेजबान जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 586 रन पर आउट हुई। दूसरा टेस्ट बृहस्पतिवार से शुरू होगा। इससे पहले उसका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर नौ विकेट पर 563 रन था जो उसने 2001 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। जवाब में अफगानिस्तान ने 699 रन बनाये। रहमत शाह (234) और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (246) ने तीसरे विकेट के लिये 364 रन की साझेदारी की जो अफगानिस्तान के लिये किसी भी विकेट का रिकॉर्ड है। अफगानिस्तान का पिछला सर्वोच्च स्कोर चार विकेट पर 545 रन था जो उसने 2021 में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही बनाया था। जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 142 रन बना लिये थे जब मैच ड्रा रहा।

आरिफ सईद पाकिस्तान ओलंपिक संघ के नए अध्यक्ष

कराची। पिछले 46 साल में सिर्फ दो अध्यक्षों के रहने के बाद पाकिस्तान ओलंपिक संघ ने 2025 से 2029 तक के कार्यकाल के लिये आरिफ सईद को नया अध्यक्ष बनाया है। जनवरी में स्वास्थ्य कारणों से लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) आरिफ हसन के इस्तीफे के बाद आरिफ का निर्विरोध चुनाव हुआ है। हसन मार्च 2004 से दिसंबर 2024 तक इस पद पर रहे। इससे पहले दिवंगत वाजिद अली शाह मार्च 1978 से मार्च 2004 तक पीओए अध्यक्ष रहे थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, अभनपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.)

Phone No./Fax- 0771-2774809 Email- cmoabhanpur@gmail.com

क्रमांक 1225/ नं.पा./लो.नि.वि./2024 अभनपुर, दिनांक 31-12-2024

-: मैनुअल पद्धति निविदा सूचना :-

नगर पालिका परिषद अभनपुर क्षेत्रान्तर्गत निम्नांकित कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 मद अतर्गत विभिन्न कार्यो हेतु PWD SOR 2015 भवन / सड़क से प्रभावशील दर अनुसूची पर (समस्त संसाधनों के साथ) व आईटम दरों पर कम/अधिक या समान दरों पर प्रपत्र "ए" में तीन लिफाफा पद्धति से शासकीय पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है । समयावधि पश्चात प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा ।

1. निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि :- दिनांक 31.12.2024
2. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम की तिथि :- दिनांक 10.01.2025 समय 3.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- दिनांक 14.01.2025 समय 5.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र डाक से प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- दिनांक 20.01.2025 समय 4.00 बजे तक
5. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि :- दिनांक 20.01.2025 समय 5.00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि		निविदा प्रपत्र	निविदा प्रपत्र शुल्क रू. में	अमानत राशि	कार्य पूर्ण होने की समयावधि
		SOR	NON SOR				
1	वार्ड क्र. 04 नया बस स्टैण्ड में आकांक्षीय पब्लिक टायलेट निर्माण कार्य	15.80	1.12	"F"	750.00	12700.00	03 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । साथ ही उपरोक्त कार्यों की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर भी देखी जा सकती है ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद अभनपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् बीजापुर, जिला - बीजापुर (छ.ग.)

Email ID - nagarpanchayatbijapur@rediffmail.com

क्रमांक / 1275/ लो. नि.शा./ न. पा. परि. / 2024-25 बीजापुर, दिनांक 31/12/2024

मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

नगरपालिका परिषद् बीजापुर द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म / एजेंसी / ठेकेदारों से छ.ग. लो.नि.वि. द्वारा भवन, सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्य हेतु दिनांक 01/01/2015 को जारी एस.ओ. आर. तथा निविदा दिनांक तक संशोधित एस. ओ. आर. के आधार पर निविदा प्रपत्र "अ" में कम/बराबर / अधिक प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्यों हेतु मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

(1) निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि एवं समय - 15/01/2025 समय 05:30 बजे तक
(2) निविदा प्रपत्र प्रदायगी की अंतिम तिथि एवं समय - 16/01/2025 समय 05:30 बजे तक
(3) निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 22/01/2025 समय 04:00 बजे तक
(4) निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय - 22/01/2025 समय 04:30 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य नया पुलिस लाईन से नया पारा नाला तक वार्ड क्र. 15	49.93	37500/-	1500/-
2	सी.सी. सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य कोरसा पोरिया के घर के पास चौक से बुधराम उरसा के घर तक मेघनाथ मांझी के घर की ओर वार्ड क्र. 03	20.99	16000/-	750/-
3	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य एन. एच. 63 से पंप हाउस तक फेस 1, वार्ड क्र. 13 एवं 14	45.02	34000/-	1500/-
4	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य एन. एच. 63 से पंप हाउस तक फेस 2, वार्ड 14	29.96	22500/-	1500/-
5	आर.सी.सी. पुलिया निर्माण कार्य वार्ड क्र. 03 (कोकड़ापारा से मांझीपारा रोड में)	5.98	5000/-	750/-
6	सी.सी.सड़क निर्माण कार्य एन. एच. 63 से आंगनबाड़ी भवन तक वार्ड क्र. 13	9.77	7500/-	750/-
7	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य मरार समाज भवन के आगे कामेश्वर नक्का घर के पास, बाबुराव पुलसे घर से प्रेम मंडावी घर तक एवं चट्टान पारा में वार्ड क्र. 12	22.22	17000/-	750/-
8	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य सुनील साहू के घर से मस्जिद पास तक वार्ड क्र. 10 एवं 09	20.84	16000/-	750/-
9	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य चांवल गोदाम के आगे पुराने सी. सी. सड़क से बुधराम लेकाम के घर तक एवं शान्तिनगर में वार्ड क्र. 07	48.34	36500/-	1500/-
10	सी.सी.सड़क टॉप निर्माण कार्य सुगंती राव के घर से नाला तक एवं डिपोपारा में वार्ड क्र. 06	8.51	6500/-	750/-
11	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य टिंगे के घर से कोस्टा डोबरी के आगे तक वार्ड क्र. 01	19.92	15000/-	750/-
12	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य मिलन चौक से जन्कैया घर के आगे पुलिया तक वार्ड क्र. 01	36.21	27500/-	1500/-
13	बी.टी.सड़क निर्माण कार्य वार्ड क्र. 01 (जनपद कार्यालय रोड से पनारापारा स्कूल के पास रोड तक, पनारापारा रोड से समलू कुड़ियम घर के पास मोड़ तक एवं सी.आर.पी.एफ. कैंप के पास मोड़ से कृषि कार्यालय के पास तक)	48.39	36500/-	1500/-
14	सी.सी.सड़क निर्माण कार्य रामचंद पाण्डेय के घर से लक्ष्मीनारायण नागुल 14 के घर तक गंगालूर रोड से सन्नू पोयम के घर तक एवं फिलिप लकड़ा के घर से नीलम वेंकट के घर तक वार्ड क्र. 15	33.72	25500/-	1500/-
15	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य दिलीप गान्धरला के घर से प्रवीण घर तक वाड क्र. 02	9.00	7000/-	750/-
16	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य शंकर पाण्डेय के घर से मांझीपारा चौक तक वार्ड क्र. 04	17.63	13500/-	750/-
17	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य चमरू कुड़ियम के घर से चर्च पास पुलिया तक वार्ड क्र. 05	9.96	7500/-	750/-
18	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य पुराना बस स्टैण्ड से तहसील सड़क तक वार्ड क्र. 09 एवं 10	10.65	8000/-	750/-
19	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य पुलिया सहित गणेश मंडल के घर से बिलाल खान के घर तक वार्ड क्र. 11	16.02	12500/-	750/-
20	सी.सी. सड़क निर्माण कार्य महेश के घर से शंकर कड़ियामी के घर तक वार्ड क्र. 14	17.49	13500/-	750/-

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के तकनीकी शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, बीजापुर
जिला - बीजापुर (छ.ग.)

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- **संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइलः - 7746000016, 7747000019.** (RO-3160)

अर्जेन्ट आवश्यकता है - रायगढ और रायपुर प्लांट हेतु सिक्युरिटी गार्ड एवं सिक्युरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है योग्यता : - 10वीं, 12वीं हाइट :- 5.6 इंच सुविधा :- रहना + खाना + PF + ESIC वेतन :- 14500 - 18000 **पता :- 6 फ्लोर, ऑरेंज हाइव मेन रोड मोवा थाना रायपुर सम्पर्क :- 8109070600, 7869230888.** (RO-2459)

आवश्यकता

आवश्यकता है- ORDEAL कंपनी को 150 लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। आय (9500 -18500) प्रतिमाह आवास + खाना फ्री परमानेंट जॉब **पता- गुरु गोविंद सिंह चौक कृष्णा पेट्रोल पंप के पीछे जगदलपुर छत्तीसगढ़ मो. 9685510878, 9569917030, 9528368316.** (RO-2467)

ऑपरेटर/ फार्मासिस्ट

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर, फार्मासिस्ट, ड्रेसर, नर्सिंग स्टाफ, कुक, गेट कीपर सभी दो पद। **सम्पर्क :- राजीव लोचन हास्पिटल चंदखुरी, दुर्ग,** (RO-A)

छोटा विज्ञापन

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं, आकर्षक वेतन । **संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट, पंडरी, रायपुर** (RO-meeth)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने के लिए दैनिक वेतन पर लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 400/- प्रतिदिन इच्छुक **संपर्क करें:- वायर हाउस एम.जी. रोड रायपुर** (RO-1245)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- एम.बी.बी.एस डाक्टर, आर.एम.ओ. ड्यूटी डाक्टर, आया बाई, आई.सी.यु. स्टाफ, स्टाफ नर्स, रिसेप्सनिष्ट। **पता- शिवाय हॉस्पिटल उजाला भवन के सामने संतराबाड़ी - दुर्ग- 9179677384.** (आरो -652)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.** (RO-3157)

आवश्यकता है- कार्य करने योग्य व्यक्ति ही संपर्क करें कंप्यूटर ऑपरेटर ,सेल्समैन ,सेल्स गर्ल्स, टेलर वेतन योग्यतानुसार **संपर्क जनता फर्निशिंग होलसेल क्लॉथ मार्केट पुलगांव चौक दुर्ग फोन -0788-2212634.** (आरो न.-1861)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- राम मंदिर (VIP Road) के पास कार चलाने के लिए अनुभवी घरेलू ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन- 14000/- महीना 11 घंटे ड्यूटी **संपर्क करें 9620222334.** (RO-1246)

केयर टेकर

आवश्यकता है- बेबीकेयर/ बुजुर्ग केयर हेतु लड़की /महिला एवं पुरुष केयर टेकर की तुरंत आवश्यकता है, वेतन 12 -15 हजार - **संपर्क : फैमिली केयर, रायपुर, 7389066521, 8871425395** (RO-3193)

कुक

आवश्यकता है- गर्ल्स हॉस्टल में खाने बनाने के लिए एक महिला की आवश्यकता है। सैलरी 7000+ रहने खाने की सुविधा। **सम्पर्क करें- राहुल ट्रेवल्स एयरपोर्ट के बगल में, रायपुर (सोना मैडम 7697411411)** (RO-20972)

Services सर्विसेस

झूलाघर - आपके बच्चों के लिए हम लाए हैं सर्व सुविधायुक्त ए सी झूला घर जैन डे बेबी केयर सेंटर **शौर्य पुलिस पेट्रोल पंप के सामने शांति किराया भंडार के ऊपर कालीबाड़ी रायपुर 9827140065.** (RO-1650)

अन्य

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है **संपर्क करें- 8240426971, 9040788128.** (RO-817)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G **कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ़्त)** NAME, **पता** QUALI-FICATION, CALL /SMS /WHATSAPP **करें:- 8918984004.** (RO-3128)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है **संपर्क करें- 7450945537** (RO-752)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- केंद्री रेलवे स्टेशन के पास, कमर्शियल प्लॉट उपलब्ध साइजः 2000 स्क्वेयर फीट से, तुरंत हॉस्पिटल, होटल/लॉज या अन्य कोई कमर्शियल दुकान बनाने हेतु उपयुक्त। **संपर्क करें: 9990440140, 9991118972.** (RO-3191)

प्लॉट बेचना है - कमलविहार सेक्टर-10, 3506 वर्गफीट, अवंतीविहार सेक्टर 1, 3000 वर्गफीट प्लॉट में 1500 वर्गफीट का मकान, प्रोफेसरकॉलोनी एग्रीकल्चर कॉलेज जोरा 1230, 1925 वर्गफीट प्लॉट, सरोरा (उरला) 18000 वर्गफीट, रहेजा निरवाना फेस 2 में 1500 वर्गफीट, **कमलविहार सेक्टर 7B 3229 वर्गफीट कमर्शियल प्लॉट- 9826137272, 9827165277.** (RO-114)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

प्लॉट उपलब्ध है- ब्रह्मलोक आश्रम के सामने, कुम्हारी परसदा में TNC अप्रूव्ड कमर्शियल प्लॉट, 90% बैंक फाइनेंस की सुविधा के साथ उपलब्ध है **संपर्क करें: 9990440140, 9991118972.** (RO-3192)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25

मयंक ने खेली शानदार पारी लगातार तीसरा शतक लगाया

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इस समय खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक क्रिकेट टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल ने अपना जोरदार फॉर्म जारी रखा है। उन्होंने पांचवें दौर के मुकाबले में हरियाणा क्रिकेट टीम के खिलाफ बेहतरीन शतक (124) लगाया।

दिलचस्प रूप से यह मयंक का मौजूदा सीजन में लगातार तीसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने पंजाब और अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ भी शतकीय पारी खेली थी। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

ऐसी रही मयंक की पारी

कर्नाटक से पारी की शुरुआत करने मयंक ने शुरुआत में कुछ संभलकर बल्लेबाजी की। क्रीज पर टिक जाने के बाद उन्होंने अपनी रन गति में इजाफा किया और 95 गेंदों में अपनी पारी को शतक में तब्दील किया। उन्होंने निकिन जोस के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी भी निभाई। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे मयंक

112 गेंदों में 124 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और 2 छक्के लगाए।

मयंक का लिस्ट-ए करियर का 17वां शतक

मयंक ने अपने लिस्ट-ए क्रिकेट करियर में अब तक 118 मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 50 की औसत के साथ 5,350 से अधिक रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 17 शतक और 23 अर्धशतक अपने नाम किए हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर 176 रन रहा है। मयंक भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 5 वनडे भी खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 17.20 की औसत के साथ 86 रन बनाए हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
- लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
- जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
- जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
- ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
- गायनेकोलॉजी

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

कलयुग सम्राट
राजसूय महायज्ञ

मूल मंत्र- ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1 जनवरी 2025 से 26 जनवरी 2025

यज्ञाहुति समय
प्रातः 11:00 बजे से
दोपहर 01:00 बजे तक

तीर्थराज देवि निकुंभला मंदिर व नगरी निर्माण कार्य जिसमें 4 एकड़ मंदिर 7 एकड़ परकोटा 25 एकड़ परिसर भूमि जिसकी लागत एक लाख एक हजार करोड़ रूपये होगी इस उद्देश्य को लेकर संत श्री माताजी

श्रीश्चते लक्ष्मीश्च पत्न्यावहोरात्रे पार्श्वे
नक्षत्राणि रूपमशिवनौ व्यात्तम् ।
इष्णन्निषाणामुं म इषाण।
सर्वलोकं म इषाण ।।२३।।

हे प्रभो ! श्रीदेवी और लक्ष्मी देवी ये आपकी पत्नियाँ हैं दिन और रात्रि आपके पार्श्व हैं, नक्षत्र आपके रूप हैं, पृथ्वी, स्वर्ग मुख विकास है। हमें आप प्यार करते हैं, इसलिए हमारा अभ्युदय चाहोगे। मैं सर्वलोकात्मक हो जाऊँ ऐसी प्रार्थना है।

है प्रीत जहाँ की रीत सदा
मैं गीत वहां के गाता हूं
भारत का रहने वाला हूँ
भारत की बात सुनाता हूँ...

विशेष
२६ जनवरी २०२५
उतार चढ़ाव बरा कढ़ही

कविता वासनिक
अनुराग धारा राजनांदगाव का सांस्कृतिक कार्यक्रम
दिन-रविवार 26 जनवरी 2025
शाम 4:50 बजे से रात 11 बजे तक

संत श्री माता जी
संस्थापक
तीर्थराज देवि निकुंभला
राजलक्ष्मी मंदिर
जय शक्ति आश्रम
ग्राम – निकुम, जिला – दुर्ग (छ.ग.)

तत्व तत्व से बनेगा तीर्थराज देवि निकुंभला धाम। एक दिन सारे जगत में होगा छतीसगढ़ का नाम॥

क्रमशः

सांप को चबा जाता है ये जानवर, पड़ोसी देश ने बनाया राष्ट्रीय पशु

नई दिल्ली। हम अपने आसपास की चीजों के बारे में एक सामान्य जानकारी तो रखते ही हैं। यही हमारी जागरुकता को दर्शाता है और ये हमें लोगों के बीच एक पढ़े-लिखे और चैतन्य इंसान के तौर पर प्रदर्शित करता है। सामान्य ज्ञान से जुड़ा हुआ एक ऐसा ही सवाल हम आपके लिए आज लाए हैं, जिसका जवाब शायद ही किसी को पता हो। पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु एक बकरी है। ये ऐसी-वैसी नहीं, बल्कि एक खास किस्म की बकरी है, जिसे मार्खोर कहते हैं। ये काफी ताकतवर पहाड़ी बकरी होती है, जो हिमालयन क्षेत्र में पाई जाती है। इस जीव का सबसे बड़ा दुश्मन सांप होते हैं। मार्खोर बकरी सांपों को ढूंढकर, उन्हें चबाकर फेंक देती है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने तो सांप चबाती मार्खोर बकरी को अपना प्रतीक चिन्ह बनाया है। दरअसल, मार्खोर पश्तो भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता 'सांप खाने वाला' या 'सांप-हत्यारा।'

अजीब परंपरा : ठंड के मौसम में बर्फीले पानी में डुबकी लगाने इकट्ठा होते हैं सैकड़ों लोग

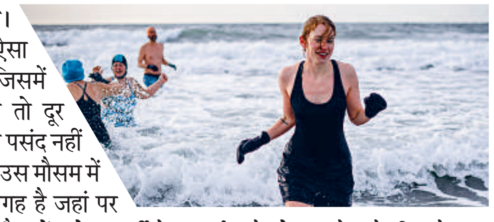

नई दिल्ली। ठंड एक ऐसा मौसम है जिसमें लोग नहाना तो दूर मुंह धोना भी पसंद नहीं करते। वहीं, उस मौसम में एक ऐसी जगह है जहां पर देशभर से सैकड़ों लोग बर्फीले पानी में डुबकी लगाने के लिए इकट्ठा होते हैं। ऐसा सुनकर बहुत से लोगों को हैरानी होती है, लेकिन कनाडा में एक ऐसी जगह है जहां पर लोगों की पूरी भीड़ हर नए साल आती है और रइस बर्फीले पानी में डुबकी लगाती है। अगर आप इस परंपरा के बारे में सुनकर सोच में पड़ गए हैं तो परेशान ना हों, चलिए इस परंपरा के बारे में जानते हैं।

क्या है इस परंपरा का नाम

इस अजीबोगरीब परंपरा का नाम 'पोलर बियर डिप' है। ये परंपरा हर साल 1 जनवरी को कनाडा में मनाई जाती है। ये कनाडा के ओकविले शहर के लेक ओनटारियो में होता है। ये परंपरा बहुत ज्यादा पुरानी नहीं है, इसे करीब 39 साल हुए हैं और 1 जनवरी 2025 को इस परंपरा को 40 साल पूरे हो जाएंगे। इस ट्रेडिशन के लिए एक वेबसाइट भी बनाई गई है। जिसपर जाकर लोग रजिस्टर कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन चार्ज 20 डॉलर हैं।

साफ पानी के लिए चलाई मुहिम

इस कार्यक्रम में म्यूजिक, खाने और पीने की सुविधा भी होती है। इस प्रथा की शुरुआत करेज पोलर बियर डिप की शुरुआत 1 जनवरी 1985 में हुआ था। गाये करेज नाम की एक महिला ने नए साल के पहले दिन अपने दो बेटों को जल्दी नहाने को कहा था लेकिन वो जा नहीं रहे थे, तब उन्होंने लड़कों को चैलेंज दिया कि वो इस मौसम में झील में जाकर डुबकी लगाएंगे, तो उनकी नींद खुल जाएगी। जिसके बाद से ही ये प्रथा शुरू हुई थी। धीरे-धीरे वहां पर कई सारे लोग आने लगे। जिसके बाद उन दोनों भाईयों ने साल 1995 में वर्ल्ड विजन कनाडा के साथ मिलकर एक मुहिम चलाई जिसमें उन्होंने देश के लिए साफ पानी का इंतजाम करने के लिए मुहिम चलाई थी।

40 साल पूरे

ये परंपरा बहुत ज्यादा पुरानी नहीं है, इसे करीब 39 साल हुए हैं और 1 जनवरी 2025 को इस परंपरा को 40 साल पूरे हो जाएंगे। इस ट्रेडिशन के लिए एक वेबसाइट भी बनाई गई है। जिसपर जाकर लोग रजिस्टर कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन चार्ज 20 डॉलर हैं।

हरिभूमि माह दिसम्बर 2024 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
31 दिन	5.00	155.00
	कुल	155.00

हरिभूमि के सुधि पाठक दिसम्बर 2024 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।
व्यवस्थापक

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com